हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,गुरूवार | 08 अगस्त 2024 | वर्ष : 02 अंक : 88 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रपति मुर्मू को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत-फिजी के मैत्री संबंधों को मान्यता: जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना भारत-फिजी केविशेष मैत्रीपूर्ण संबंधोंको मान्यता है ।जयशंकर ने एक्स पर मुर्मू की फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवालिली कटोनिवेरे के साथ एक तस्वीर भी साझा की। मुर्मू वर्तमान में फिजी की राजकीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति को मंगलवार को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ह्यकम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया गया ।जयशंकर ने एक्स पर कहा, राष्ट्रपति जी को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया जाना सभी भारतीयों के लिए बहुत गर्व की बात है ।उन्होंने कहा, यह भारत-फिजी के विशेष मैत्रीपूर्ण संबंधों को मान्यता है, जो घनिष्ठ राजनीतिक सहयोग और लोगों के बीच सद्भावना को दशार्ता है ।जयशंकर ने एक्स पर कहा, राष्ट्रपति जी को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया जाना।

विनेश फोगाट मामले में एक्शन में पीएम मोदी,

पीटी उषा से की बात, खेल मंत्री संसद में देंगे बयान

सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पीएम ने उनसे विनेश के मामले में मदद के लिए सभी विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा। उन्होंने पीटी उषा से यह भी आग्रह किया कि अगर इससे विनेश को मदद मिलती है तो वह अपनी अयोग्यता के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं।

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के स्वर्ण पदक जीतने की संभावनाओं को बड़ा झटका देते हुए विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा कुश्ती फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया। 29 वषीर्या को दूसरे दिन प्रतिस्पर्धा के लिए अयोग्य पाया गया क्योंकि फाइनल के दिन वजन के दौरान उनका वजन 150 ग्राम अधिक पाया गया। यह खबर भारत के लिए बड़ा झटका है। इन सब के बीच सूत्रों ने दावा किया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से बात की और उनसे इस मुद्दे पर भारत के पास मौजूद विकल्पों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मांगी। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पीएम ने उनसे विनेश के मामले में मदद के लिए सभी विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा। उन्होंने पीटी उषा से यह भी आग्रह किया कि अगर इससे विनेश को मदद मिलती है तो वह अपनी अयोग्यता के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं। वहीं, विपक्षी सांसदों ने भारतीय पहलवान विनेश

फोगाट को पेरिस ओलंपिक 2024 से अयोग्य घोषित करने का मुद्दा लोकसभा में उठाया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि केंद्रीय खेल मंत्री आज दोपहर 3 बजे इस मामले पर बयान देंगे। अब पूरे मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट किया है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हैं ! आप भारत का गौरव हैं और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज का झटका दुख देता है। काश शब्द उस निराशा की भावना को व्यक्त कर पाते जो मैं अनुभव कर रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, मैं जानता हूं कि आप लचीलेपन का प्रतीक हैं। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। मजबूत होकर वापस आओ ! हम सब आपके पक्ष में हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि विनेश की अब तक की जीत बेहद प्रभावशाली रही है। उसने साहस, क्षमता और जबरदस्त दृढ़ संकल्प दिखाया है। मेरे लिए, उसने हमारा दिल जीत लिया है।' मैं उनकी तकनीकी अयोग्यता के बारे में इस खबर से बहुत निराश हूं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि ऐसा कैसे हो सकता है, क्या हमारे कोच सभी अधिकार नियमों और सीमाओं का पालन सुनिश्चित करने के मामले में इच्छुक पाए गए थे। मेरे लिए दुखद बात यह है कि उसके सभी प्रयासों को वह प्रतिफल नहीं मिला जिसकी वह हकदार थी। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पीएम ने उनसे विनेश के मामले में मदद के लिए सभी विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा। उन्होंने पीटी उषा से यह भी आग्रह किया कि अगर इससे विनेश को मदद मिलती है तो वह अपनी अयोग्यता के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं।

आज नहीं इस दिन संसद में पेश होगा वक्फ बोर्ड बिल, क्या होगा विपक्ष का प्लान

एजेंसी

नई दिल्ली: वक्फ (संशोधन) विधेयक, वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन करेगा। सूत्रों की मानें तो कल संसद में इसके पेश किए जाने की संभावना है ।विधेयक का उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 करना है। इसमें यह तय करने की बोर्ड की शक्तियों से संबंधित मौजूदा कानून की धारा 40 को भी हटाने का प्रयास किया गया है कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं। यह केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों की व्यापक आधार वाली संरचना प्रदान करता है और ऐसे निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है ।संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई को शुरू हुआ और 12 अगस्त को समाप्त होने वाला है। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने 'जाति आधारित जनगणना' के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि मैं तत्काल महत्व के एक निश्चित मामले पर चर्चा के उद्देश्य से सदन के कामकाज को स्थगित करने के प्रस्ताव पर अनुमति मांगने के अपने इरादे की सूचना देता हूं, अर्थात: आज मैं जाति-आधारित जनगणना की तत्काल आवश्यकता को संबोधित करता हूं । वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए वित्त विधेयक, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश किया था, पर आज लोकसभा में विचार किया जाएगा और पारित किया जाएगा। 6 अगस्त 2024 को निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए निम्नलिखित प्रस्ताव पर आगे विचार करें, अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए केंद्र सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को प्रभावी करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए। निर्मला सीतारमण इसे आगे बढ़ाएंगी विधेयक पारित किया जाए। संबंधित मौजूदा कानून की धारा 40 को भी हटाने का प्रयास किया गया है कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं। यह केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों की व्यापक आधार वाली संरचना प्रदान करता है और ऐसे निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

'तानाशाही लंबे समय तक नहीं चलती, हमारे देश को लेना चाहिए सबक', बांग्लादेश मुद्दे पर बोलीं महबूबा मुफ्ती

एजेंसी

नई दिल्ली: बांग्लादेश मुद्दे पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ और हो रहा है, मुझे लगता है कि हमारे देश को उससे सबक लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब आपके पास एक बड़ी युवा आबादी होती है और आप उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं- जब उन पर महंगाई और बेरोजगारी की मार पड़ती है, तो इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण कमजोर वर्ग के लिए अच्छा है, लेकिन यह जनसंख्या के अनुपात में होना चाहिए। हमें यह सबक लेना चाहिए कि तानाशाही लंबे समय तक नहीं चलती। पूर्व सीएम ने कहा कि जब आप ऐसी नीतियां और कानून लाते हैं जो लोगों के खिलाफ हैं और धैर्य की सीमा टूट जाती है, तो आपको शेख हसीना की तरह बचना होगा। विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर के संबंध में, हमें बांग्लादेश से सबक लेना चाहिए - जहां युवाओं के पास बहुत सारे मुद्दे हैं, इसके अलावा युवा असहाय महसूस करते हैं जैसा कि बांग्लादेश में हुआ था।

विनेश फोगाट मामले में बोले संजय सिंह, यह पूरे देश का अपमान, बात ना मानी जाए तो ओलंपिक का बहिष्कार करे

एजेंसी

पेरिस: पेरिस ओलंपिक में भारत की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण महिला कुश्ती 50 किग्रा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसको लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। आप सांसद संजय सिंह ने इस देश का अपमान बताया है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा कि ये विनेश का नही देश का अपमान है, पूरी दुनिया में इतिहास रचने जा रही थी, उनको 100 ग्राम ओवरवेट दिखाकर अयोग्य घोषित

करना घोर अन्याय है। उन्होंने आगे कहा कि पूरा देश विनेश के साथ खड़ा है, भारत सरकार तुरंत हस्तक्षेप करे, अगर बात ना मानी जाए तो ओलंपिक का बहिष्कार करे।

सनातन को बचाने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश में बिगड़े हालात पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। वहां मंदिर तोड़े जा रहे हैं। हमें सनातन को बचाने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि जो समाज इतिहास का गलतियों से सबक नहीं सीखता है, उसके भविष्य पर ग्रहण लगता है। एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए सीएम योगी ने कहा, 'आप दुनिया की तस्वीर

वर्तमान में देख रहे हैं, कुछ तो हमें देखना पड़ेगा। आज भारत के तमाम पड़ोसी जल रहे हैं। मंदिर तोड़े जा रहे हैं। चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। तब भी हम इतिहास के परतों को ढूंढने का प्रयास नहीं कर रहे हैं, इस प्रकार की स्थिति क्यों पैदा हुई।

तृणमूल सांसद के सवाल पर अमित शाह का तंज, कोई राज्य पश्चिम बंगाल का मॉडल नहीं अपनाना चाहेगा

एजेंसी

नई दिल्ली: गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कोई भी राज्य वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से निपटने में पश्चिम बंगाल के मॉडल का पालन नहीं करना चाहेगा। तृणमूल सांसद सौगत राय की संक्षिप्त प्रतिक्रिया में, जिन्होंने लोकसभा में कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार वामपंथी उग्रवाद से निपटने में सफल रही है और पूछा कि क्या केंद्र राज्य के मॉडल का अध्ययन करेगा और अन्य राज्यों में इसका अनुकरण करेगा। इसके जवाब

में अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को उन राज्यों के मॉडल को लागू करने में कोई समस्या नहीं है जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मेरा मानना ??है कि कोई भी राज्य पश्चिम बंगाल मॉडल को लागू करना पसंद नहीं करेगा। वहीं, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है तथा इन घटनाओं में सुरक्षा बलों की मौत के मामलों में भी 72 प्रतिशत की कमी हुई है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद की गतिविधियों में लिप्त लोग इस देश के संविधान और लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते हैं तथा वो हथियार के माध्यम से सत्ता हथियाना चाहते हैं। राय ने कहा कि वर्ष 2010 में 96 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे।

कोलकाता में फंसे बांग्लादेशी अपने देश में जारी हिंसा को लेकर जो कह रहे आपको जाननी चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली: कोलकाता में इलाज या शिक्षा या अन्य उद्देश्यों से आए कई बांग्लादेशी अपने देश में अचानक सरकार बदलने तथा हिंसा जारी रहने को लेकर चिंतित हैं. अपने देश में विषम हालात के चलते यहां फंस गए ऐसे लोगों की चिंता भारत और बांग्लादेश के बीच ट्रेन सेवाएं निलंबित होने से और बढ़ गयी है और उन्हें नहीं पता कि अब वे क्या करेंगे.मोहम्मद मुश्ताक (35) ने कहा, मैं अपने पिता के इलाज के लिए यहां आया था और

हम पिछले 20 दिन से यहां हैं. हम कोलकाता में फंस गए हैं. मुझे ढाका में अपने परिवार की चिंता है. शहर के एक निजी विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे इमरान अली माणिक ने भी ऐसी ही चिंता जतायी. बांग्लादेशी छात्र ने कहा, पिछले तीन दिन से मेरा, खुलना में अपने परिवार से संपर्क नहीं हो पाया है. मेरा परिवार आवामी लीग का समर्थक है. मुझे नहीं मालूम कि वे सुरक्षित हैं या नहीं.संचार सेवाओं में बाधा के कारण वे यह पता नहीं लगा पा रहे हैं कि उनके प्रियजन सुरक्षित हैं या नहीं. बांग्लादेश में हिंसा के कारण सीमा पार परिवहन सेवाएं निलंबित कर दी गयी हैं. पूर्वी रेलवे ने घोषणा की है कि 19 जुलाई से बंद कोलकाता-ढाका-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस अगले नोटिस तक निलंबित रहेगी।

जो बांगलादेश में हो रहा वो भारत में भी हो सकता है...

सलमान खुर्शीद का भड़काऊ बयान, भाजपा का कांग्रेस पर वार

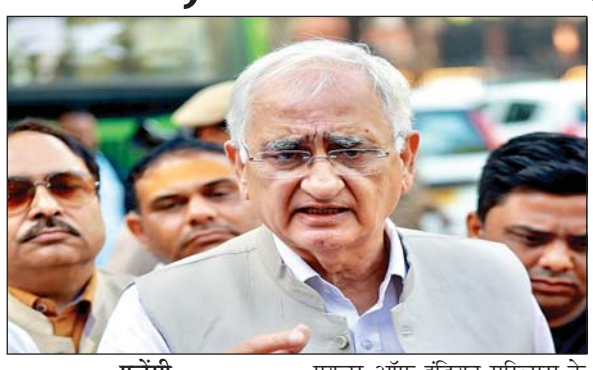

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह देश में भी हो सकता है, हालांकि सतह पर सब कुछ सामान्य लग सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शिक्षाविद मुजीबुर रहमान की किताब शिकवा-ए-हिंद: द पॉलिटिकल फ्यूचर ऑफ इंडियन मुस्लिम्स के लॉन्च के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य दिख सकता है। यहां सब कुछ सामान्य लग सकता है। हम भले ही जीत का जश्न मना रहे हों, हालांकि कुछ लोगों का मानना ??है कि जीत या 2024 की सफलता शायद मामूली थी, शायद अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि सच्चाई यह है कि सतह के नीचे कुछ है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह यहां भी हो सकता है... हमारे देश में प्रसार चीजों को उस तरह से फैलने से रोकता है जिस तरह से बांग्लादेश में उड़ाया गया है। अपने कथित बयान 'भारत में बांग्लादेश जैसा हिंसक विरोध प्रदर्शन संभव' पर कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद बाद में कहा कि मैं जो भी कहता हूं सार्वजनिक रूप से कहता हूं, निजी तौर पर कभी नहीं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। शहजाद पूनावाला ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मोदी के प्रति नफरत में वे भारत से नफरत करते हैं।

'पूरा देश आपकी ताकत बनकर आपके साथ खड़ा है', ओलंपिक से बाहर हुई विनेश के लिए राहुल गांधी का भावुक पोस्ट

संवाददाता

नई दिल्ली: भारत के स्वर्ण पदक जीतने की संभावनाओं को बड़ा झटका देते हुए विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा कुश्ती फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया। 29 वषीर्या को दूसरे दिन प्रतिस्पर्धा के लिए अयोग्य पाया गया क्योंकि फाइनल के दिन वजन के दौरान उनका वजन 150 ग्राम अधिक पाया गया। यह खबर भारत के लिए बड़ा झटका है। इन सब के बीच सूत्रों ने दावा किया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से बात की और उनसे इस मुद्दे पर भारत के पास मौजूद विकल्पों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मांगी। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पीएम ने उनसे विनेश के मामले में मदद के लिए सभी विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा। उन्होंने पीटी उषा से यह भी आग्रह किया कि अगर इससे विनेश को मदद मिलती है तो वह अपनी

अयोग्यता के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं। वहीं, विपक्षी सांसदों ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक 2024 से अयोग्य घोषित करने का मुद्दा लोकसभा में उठाया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि केंद्रीय खेल मंत्री आज दोपहर 3 बजे इस मामले पर बयान देंगेअब पूरे मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट किया है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हैं ! आप भारत का गौरव हैं और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज का झटका दुख देता है। काश शब्द उस निराशा की भावना को व्यक्त कर पाते जो मैं अनुभव कर रहा हूँ। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, मैं जानता हूं कि आप लचीलेपन का प्रतीक हैं। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। मजबूत होकर वापस आओ ! हम सब आपके पक्ष में हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि विनेश की अब तक की जीत बेहद प्रभावशाली रही है। उसने साहस, क्षमता और जबरदस्त दृढ़ संकल्प दिखाया है। मेरे लिए, उसने हमारा दिल जीत लिया है।' मैं उनकी तकनीकी अयोग्यता के बारे में इस खबर से बहुत निराश हूं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि ऐसा कैसे हो सकता है, क्या हमारे कोच सभी अधिकार नियमों और सीमाओं का पालन सुनिश्चित करने के मामले में इच्छुक पाए गए थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पहुँचे खगड़िया, रास्ते में विभिन्न स्थानों पर हुआ भव्य स्वागत

विपक्ष धर्म और जाति की जबकि भाजपा जमात की राजनीति करती है : दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- खगड़िया के दुगार्पुर में भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को लड्डुओं से तौला गया

पटना, 7 अगस्त। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल आज खगड़िया के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान दुगार्पुर पहुंचने पर कार्यकताओं द्वारा जबरदस्त स्वागत किया गया। यहां कार्यकताओं ने अपने अध्यक्ष को लड्डुओं से तौलकर उन्हें सम्मान दिया। खगड़िया जाने के क्रम में बेगूसराय में स्थानीय विधायक कुंदन कुमार के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया गया।खगड़िया में मंत्री श्री जायसवाल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि विपक्ष जहां धर्म और जाति की राजनीति करता है वहीं भाजपा जमात की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास की बात करती है। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश के सभी जिलों में जाएंगे और उसी जिले में रात्रि प्रवास भी करेंगे। भाजपा के साथ लगातार जुड़ रहे हैं। लोगों को मालूम है कि यही एक पार्टी है जो देश की रक्षा का करती है।देश को कैसे समृद्ध बनाया जाए इसकी चिंता करती है। मंत्री श्री जायसवाल के खगड़िया के दुगार्पुर में पहुँचने पर कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया और लड्डुओं से तौलकर सम्मान दिया। उन्होंने लोगों का आभार जताते हुए कहा कि मैं आप सबकी भावनाओं का आदर करता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि आप लोगों के सम्मान को बनाए रखने के लिए सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहूँगा। उन्होंने कार्यकताओं को धन्यवाद दिया। इससे पहले खगड़िया जाने के क्रम में संगठन जिला बाढ़ अध्यक्ष अरुण मुखिया जी के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर कार्यकताओं द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। श्री जायसवाल ने कार्यकताओं से अपने-अपने स्तर पर भारतीय जनता पार्टी को सुदृढ़ बनाने में योगदान देते रहने की अपील की। बख्तियारपुर पहुंचने पर कार्यकताओं ने उनका गाजे- बाजे के साथ स्वागत किया ।खगड़िया जाने के क्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्री जायसवाल का बरौनी जीरोमाइल बेगूसराय में जोरदार स्वागत किया गया। बेगूसराय में नगर विधायक कुंदन कुमार के नेतृत्व में कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। स्वागत से भावविभोर हुए प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकताओं का सम्मान मेरे लिए सर्वोपरि है और मैं भी आप सबका पूरी आत्मीयता से सम्मान करता हूँ। यहां उन्होंने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें

हर घर तिरंगा अभियान मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्रवादी विचारधारा को दशार्ता हैं : - अरविन्द सिंह

संवाददाता

पटना, 7 अगस्त : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि लोगों को 7 से 15 अगस्त के दिन तक अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित करना मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के राष्ट्रवादी विचारधारा को दशार्ता हैं। हर घर तिरंगा अभियान से एक भारत श्रेष्ठ भारत को बल देने का काम कर रहे हैं मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी। वे राष्ट्रवादी विचारों से ओतप्रोत उस विचारधारा में पले जहां नेशन फर्स्ट की बात होती है। मा प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति में भी राष्ट्रनीति सर्वोपरि है। यही गुण व्यक्तित्व के रूप में मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को देश ही नहीं दुनिया के अन्य नेताओं से अलग करता हैं।

श्री अरविन्द ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान से मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सभी देशवासियों को अपने देश और सैनिकों का देश के प्रति किए गए त्याग और बलिदान को अपनी आदर, भावना एवं समर्पण को प्रकट करने का ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व मौका देकर एक भारत श्रेष्ठ भारत बनाने का काम कर रहे हैं। सभी भारतीय को चाहिए कि जाति मजहब के भेदभाव को भूलकर राष्ट्रभक्ति के अलखं जगाने के साथ हम तिरंगा को राष्ट्र एकता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक के रूप में अपने घरों पर लहराए और दुनिया को दिखाएं की हर भारतीय एक है, अनेकता में एकता और स्वालंबन ही हमारा मंत्र है।प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच 75 वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए अपने घरों में तिरंगा फहराने का आग्रह किया है. 22 जुलाई को एक ट्वीट में, पीएम मोदी ने कहा था, "इस साल, जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो आइए हम हर घर तिरंगा आंदोलन को मजबूत करें. 13 से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों में सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराएं. यह आंदोलन राष्ट्रीय ध्वज के साथ हमारे संबंध को गहरा करेगा.पिछले महीने, प्रधान मंत्री मोदी ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष को मनाने के लिए लोगों को तिरंगा घर लाने और इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया. संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और आजादी का अमृत महोत्सव मनाना है.पीएम मोदी ने शुक्रवार को पूरे भारत से तिरंगा रैलियों में शामिल लोगों की तस्वीरें साझा कीं. एक तस्वीर साझा करते हुए जिसमें सैकड़ों लोगों ने तिरंगा मार्च निकाला, पीएम मोदी ने कहा, "यह विशाखापत्तनम के लोगों द्वारा एक महान सामूहिक प्रयास है. मैं #ल्ं१ऋॅ१ळ१ल्लॅ के प्रति लोगों के इस उत्साह की प्रशंसा करता हूं." बता दें कि आजादी का अमृत महोत्सव आजादी के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए भारत सरकार की एक पहल है.

एक साल चला आजादी का अमृत महोत्सवयह महोत्सव भारत के लोगों को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को उसकी विकास यात्रा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शिक्षा विभाग के बैग खरीद की हो उच्च स्तरीय जांच: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- शिक्षा विभाग में बैग व एफएलएन किट खरीद में घोटाले की हो उच्च स्तरीय जांच : प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना. बुधवार, 07 अगस्त, 2024 राज्य के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा विभाग के निर्देश पर फाउंडेशनल लिट्रेसी एंड न्यूमेरिक किट की खरीद में बैग और ज्योमेट्री के सामान आपूर्ति के नाम पर घटिया किस्म के सामानों की आपूर्ति करके 1500 रुपए के किट में 120 से 150 रुपए के सामान उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर शिक्षा विभाग में व्याप्त घोटाले पर कही है। उन्होंने कहा है कि सरकार के गलत फैसलों ने नाहक जनता के पैसों की खुली लूट की छूट दे रखी है। अब तो जनता दल यूनाइटेड के ही नेता संजीव सिंह ने यह मांग उठाई है कि इसकी जांच हो।बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो जारी कर कहा है कि राज्य में पुल गिरने पर ही अब तक चर्चा हो रही थी तब तक सृजन घोटाले से भी बड़ा घोटाला शिक्षा विभाग कर रहा था।

जिला स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में रोहित को मिला सिल्वर मेडल

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंजः सीवान जिले के हुसैनगंज प्रखंड क्षेत्र के जुड़कन के निवासी व युवा खिलाड़ी रोहित सिंह को सिवान जिला वेटलिफ्टिंग संगठन व बिहार वेटलिफ्टिंग संगठन के द्वारा चनऊर में आयोजित हुए जिला स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर 67 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीत कर हुसैनगंज प्रखंड का मान बढ़ाया। सिल्वर मेडल मिलने के बाद रोहित ने बताया कि युवाओं को पढ़ाई के साथ खेल में बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। युवाओं को क्रिकेट के अलावे अन्य खेलों के प्रति लगाव होना चाहिए। रोहित ने कहा कि खेल में बहुत अवसर है। हर सरकारी विभाग में खिलाड़ियों के लिए स्पेशल नौकरी देने का प्रावधान है। इस मौके पर उन्हें प्रेम बाबू माथुर, राहुल सिंह, पूर्व वार्ड पार्षद त्रिलोकी नाथ सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि रिजवान अहमद, हरिलाल गुप्ता, सुभाषचंद्र सिंह, सुनील सिंह, अमरनाथ सिंह, सुजीत कुमार सिंह, रंजन सिंह, रौशन सिंह, रौनित सिंह, डायमंड जिम के संचालक व ट्रेनर मंतोष कुमार, आशिक हुसैन सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल की भविष्य की कामना की।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद का बयान दुर्भाग्यपूर्ण व घोर आपत्तिजनक-सम्राट चौधरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- कांग्रेस का एक मात्र मकसद देश के अंदर और बाहर भारत को बदनाम करना
- लोकतंत्र व संविधान को खतरे में बता कर कांग्रेस देश में स्थिरता पैदा करने की गढ़ रही है नैरेटिव

पटना, 07-08-2924उपमुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के बंग्लादेश को लेकर दिए गए बयान को दुर्भाग्यपूर्ण और घोर आपत्तिजनक बताया है। अपने बयान में खुर्शीद ने कहा है कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह भारत में भी हो सकता है। उनका यह बयान कतई स्वीकार करने योग्य नहीं है।

श्री चौधरी ने कहा कि शिक्षाविद मुजीबुर रहमान की किताब 'शिकवा-ए-हिंदः द पॉलिटिकल फ्यूचर ऑफ इंडियन मुस्लिम्स' की लॉन्चिंग के मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री खुर्शीद का कश्मीर का राग छेड़ना कांग्रेस के उस एजेंडे का हिस्सा है, जिसके तहत कांग्रेस लगातार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 अ के खात्मा का विरोध करती रही है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण आदि को लेकर जहां कांग्रेस पिछले कुछ वर्षों से गलत नैरेटिव गढ़ रही है वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तानाशाह बताने व संवैधानिक संस्थाओं, जांच एजेंसियों, चुनाव आयोग, ईवीएम आदि पर सवाल उठा कर पूरे देश में अविश्वास का माहौल बनाना चाहती है। टुकड़े-टुकड़े गैंग, भारत विरोधी ताकतों व नरेंद्र मोदी विरोधियों के जरिए कांग्रेस भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहती है।श्री चौधरी ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जहां विदेशों में जाकर भारत के खिलाफ बोल कर भारत की प्रतिष्ठा गिराने से कोई परहेज नहीं है, वहीं उनके अन्य नेताओं व इंडी गठबंधन का भी एकमात्र मकसद अफवाह और भरम फैला कर देश के अंदर और बाहर भारत को बदनाम करना है। देश की जनता को ऐसे नेताओं के बयानों व साजिशों से सावधान रहने की जरूरत है।

जो चोरी किया है उसे जेल जाना ही पड़ेगा, कोई भ्रष्टाचारी नहीं बचेगा-सम्राट

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- मुख्यमंत्री रहते लालू प्रसाद ने किया था चारा घोटाला,रेलमंत्री रहते नौकरी के बदले जमीन घोटाला
- देश की न्यायपालिका निष्पक्ष, उस पर किसी का दबाव नहीं
- ईडी के सप्लीमेंट्री चार्जशीट में लालू, तेजस्वी सहित 11 आरोपी
- 96 नए डॉक्यूमेंट के जरिए ईडी ने कोर्ट में पेश किया है पुख्ता प्रमाण

पटना, 07-08-2024

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव के यह कहने पर कि ईडी का केस कोर्ट में टिकेगा नहीं पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जो चोरी (अपराध) किया है, उसे सजा जरूर मिलेगी। भारत की न्यायपालिका दबावरहित और निष्पक्ष है।श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते एक हजार करोड़ के चारा घोटाला करने वाले लालू प्रसाद को न्यायपालिका ने ही अनेक मामलों में सजा दी है। अभी लालू प्रसाद स्वास्थ्य कारणों के आधार पर जेल से बाहर है। सजायाफ्ता होने के कारण ही लालू प्रसाद मुखिया तक का चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। मगर आदतन भ्रष्टाचारी लालू प्रसाद ने अपने रेलमन्त्रित्व काल में रेलवे में नौकरी देने के बदले जमीन व हजारों करोड़ की बेनामी सम्पत्ति हासिल कर ली।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के लाख आरोपों और वितण्डा के बावजूद देश की जांच एजेंसियां पूरी निष्पक्षता से गबन-घोटाले के अनेक मामलों की जांच कर रहीं हैं और इसमें सरकार का कोई दबाव नहीं है।

नाश्ते की एक दुकान चलाने वाले दुकानदार और ग्राहक के बीच मामुली बात पर मारपीट दुकानदार की हालत नाजुक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले में मामूली सी बात पर बड़ा विवाद हो गया। यहां नाश्ते की एक दुकान चलाने वाले दुकानदार और ग्राहक के बीच सिर्फ इसलिए मारपीट हो गई क्योंकि उसने समोसे के साथ प्याज देने से इनकार कर दिया था। जानकारी के अनुसार शहर के बारहपत्थर चौक पर दो युवक नाश्ता करने गए थे। इन दोनों ने एक दुकान में समोसा और लिट्टी का ऑर्डर दिया था। ऑर्डर मिलने के बाद दुकानदार से प्याज की मांग की गई थी।

जब दुकानदार ने प्याज देने से इनकार कर दिया तब इसके बाद कहासुनी शुरू हो गई। दोनों युवकों की दुकानदार से इस मुद्दे पर बहस हो गई। लेकिन यह बहस जल्द ही गाली-गलौज और मारपीट में तब्दील हो गई। इसके बाद दुकान में रखे शीशों को तोड़ दिया गया। टूटे हुए शीशे के चपेट में आने से हंगामा कर रहा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया

सड़क पर हंगामे की जानकारी नगर थाने को भी दी गई। जिसके बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। इधर घायल युवक के दोस्त का आरोप है कि तीन समोसा खाए थे। लेकिन जब प्याज की मांग की गई तो दुकानदार ने रंगदारी दिखाई और कहा कि ह्यखाना है तो खाओ वरना जाओह्ण। इसपर युवक ने कहा, ह्यआप समोसा खिलाते हैं तो प्याज दीजिएह्ण। जिसके बाद दुकानदार ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद वहां पर मारपीट शुरू हो गई। वहीं दुकानदार का बताना है की उक्त युवक कहीं और से समोसा लेकर आया था और उसके दुकान पर प्याज देने का दबाव बना रहा था।

हक दो-वादा निभाओह्ण अभियान चाला कर प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने की मांग मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री से की गई।

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

प्रीपेड स्मार्ट मीटर को त्रुटिपूर्ण एवं गरीब विरोधी बताते हुए महिला संगठन ऐपवा ने शहर के विवेक- विहार, काशीपुर आदि जगह में ह्यहक दो-वादा निभाओह्ण अभियान चलाकर प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने की मांग मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री से की गई। ऐपवा से जुड़ी महिलाएं नीलम देवी, आशा देवी, सोनी देवी, भाकपा माले के सुरेंद्र प्रसाद सिंह आदि ने जिलाध्यक्ष बंदना सिंह के नेतृत्व में मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर ह्यहक दो-वादा निभाओह्ण अभियान के तहत जुलूस निकालकर लोगों का ध्यानाकर्षण किया।इस दौरान चौराहे पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष बंदना सिंह ने कहा कि प्रीपेड मीटर में कई खामियां हैं। प्रीपेड मीटर का तेज चलना, रिचार्ज के बावजूद बिजली आपूर्ति शुरू नहीं होना, सर्वर डाउन रहने पर रिचार्ज नहीं होना, मीटर खराब होने पर स्थानीय स्तर पर ठीक नहीं होना, बिल की गड़बड़ी होने पर स्थानीय स्तर पर ठीक नहीं होना, शॉर्ट लगने पर मीटर का हमेशा लोड हो जाना आदि गड़बड़ी है। मीटर रेंट के नाम पर प्रतिदिन न्यूनतम राशि 267 पैसा काटे जाने से गरीबों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इन्हीं खामियों की वजह से प्रीपेड मीटर सरकारी विभागों, कार्यालयों एवं अधिकारियों के आवासों में नहीं लगाया जा रहा है।

पंच प्राण प्रतिज्ञा के अंतर्गत भारत की वास्तुकला विरासत और स्थानीय शिल्प कौशल विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राष्ट्रीय आवास बैंक के पटना क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 07 अगस्त, 2024 को केंद्रीय विद्यालय, न. 2, बेली रोड, पटना में पंच प्राण प्रतिज्ञा के अंतर्गत भारत की वास्तुकला विरासत और स्थानीय शिल्प कौशल विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राहुल कुमार ने की. उन्होंने अपने उद्बोधन मेंह्लभारत की वास्तुकला विरासत और स्थानीय शिल्प कौशलह्व पर संक्षिप्त चर्चा की तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को और अधिक समृद्ध बनाने का प्रयास करने का आह्वान किया. चित्रकला प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़ -चढ़कर भाग लिया तथा अपनी -अपनी भावनाओं को चित्रों के माध्यम से ऊकेड़ने का हर संभव प्रयास किया. इसमें प्रतिभागी आराध्या अमित कुमार ने प्रथम स्थान ,अनुष्का प्रिया ने द्वितीय स्थान तथा शगुन वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन छात्रों को क्षेत्रीय प्रबंधक के द्वारा मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा समस्त प्रतिभागियों के बीच ड्राइंग किट का वितरण भी किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह ने छात्रों के उत्साह पूर्वक भाग लेने पर प्रसन्नता जाहिर की तथा राष्ट्रीय आवास बैंक के पदाधिकारियो को बच्चों के बीच आकर इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया । उन्होंने अपने संबोधन में 'अपनी माटी अपना देश' विषय पर प्रकाश डाला तथा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश की एकता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए किए जाने वाले हरेक प्रयास में सहभागी बनने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यालय के सभी शाखों से संबंधित पंजियों का निरीक्षण किया गया

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

दिनांक 7 अगस्त 2024 को जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री योगेंद्र सिंह द्वारा मंडल कारा समस्तीपुर औचक निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यालय के सभी शाखों से संबंधित पंजियों का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा कारा के अंदर तथा बाहर स्थित विभिन्न स्थल जैसे पाकशाला का ,अस्पताल, गोदाम, कारा के अंदर नवनिर्मित शौचालय- सह - स्नानागार कारा परिसर में निमार्णाधीन महिला कक्षपाल एवं पुरुष कक्षपाल बैरेक एवं प्रोबेशन बिल्डिंग मुलाकाती स्थल का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिला जिलाधिकारी द्वारा बंदियों से मुलाकाती करने आए परिजनों के बैठने हेतु एक नए शेड का निर्माण कराने, कारा परिसर के बाहरी पैरामीटर वाल की ऊंचाई को बढ़ाने का, कारा के बाहर आईएसओ सर्टिफिकेट तथा ईट राइट कैंपस सर्टिफिकेट प्रदर्शित करने एवं कारा में कैंप लगाकर बंदियों का आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड तथा लेबर रजिस्ट्रेशन कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया ।निरीक्षण के समय कारा अधीक्षक ,प्रभारी उपाधीक्षक ,सहायक अधीक्षक मंडल कारा समस्तीपुर मौजूद थे.

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 10 अगस्त से चलाए जाने वाले कार्यक्रम में जन भागीदारी जरूरी: डॉ एसके चौधरी

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अभियान के दौरान मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण
- करीब 45 लाख की आबादी होगी लाभान्वित

ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के सामने ही खानी होगी दवा

समस्तीपुर।07 अगस्त जिले में फाइलेरिया के प्रसार को कम करने के लिए 10 अगस्त से ट्रिपल ड्रग थेरेपी के तहत आइवर मेक्टिन, डीइसी तथा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी, जिससे जिले के करीब 45 लाख लोग लाभान्वित होंगे।इस दवा को खिलाने के लिए 2174 टीम बनायी गयी है, जिसमें करीब 4300 ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर और 270 सुपरवाइजर होगें।यह आईवरमेक्टिन दवा 5 साल से ऊपर के लोगों को खिलाई जाएगी।ये बातें सिविल सर्जन डॉ एसके चौधरी ने बुधवार को सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीएफएआर) तथा जिला स्वास्थ्य समिति के द्वारा आयोजित मीडिया कार्यशाला के दौरान कही।उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मीडिया की महती भूमिका होगी।इस कार्यक्रम को मीडिया हर घर तक पहुंचाए। यह उनकी भी सामाजिक जिम्मेदारी है।

कार्यशाला के दौरान जिला भीबीडीसी पदाधिकारी डॉ विजय कुमार ने बताया कि 10 अगस्त से शुरू होने वाले सर्वजन दवा सेवन अभियान के लिए दवा के शत प्रतिशत कवरेज के लिए विशेष रणनीति अपनायी जा रही है।हाल ही में हुए स्टेट टास्क फोर्स की बैठक में तय किया गया था कि 17 दिन तक चलने वाले इस अभियान के दौरान सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर बूथ लगाकर दवा का सेवन कराया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में अधिक प्रयास करते हुए विशेष माइक्रो प्लान के अनुसार फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराया जाएगा।सरकारी अस्पतालों के अलावा 27 अगस्त से 29 अगस्त तक सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत जिले में स्थित सभी सरकारी व प्राइवेट विद्यालयों में बूथ लगाकर फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन कराया जाएगा।इसके बाद 30 अगस्त से 5 सितम्बर के बीच एक सप्ताह का मॉप-अप राउंड चलाया जाएगा।मॉप-अप राउंड के दौरान छूटे हुए एवं इंकार किए हुए सभी लोगों को दवा का सेवन कराया जाएगा।

ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के सामने खानी है दवाः
डॉ माधुरी देवराजू ने बताया कि सर्वजन दवा सेवन के तहत सबसे जरूरी है कि इस दवा को बांटना नहीं है बल्कि हरेक ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर को उसे अपने सामने ही खिलाना है।तीनों दवाओं में से एल्बेंडाजोल की गोली को हमेशा चबाकर खाना है।

प्रतिकूल प्रभाव पर घबराएं नहींः
डीभीबीडीसीओ डॉ विजय कुमार ने बताया कि ट्रिपल ड्रग थेरेपी के सेवन से कुछ लोगों में प्रतिकूल प्रभाव भी देखने को मिलते हैं, वह मतली, चक्कर, हल्की बुखार के रूप में भी हो सकते हैं। इन दुष्प्रभावों से घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।यह दुष्प्रभाव तभी होगा जब आपके अंदर माइक्रोफाइलेरिया होंगे।प्रतिकूल प्रभाव से बचने के लिए प्रत्येक प्रखंड में रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। जिसमें चिकित्सक और एंबुलेंस हमेशा मौजूद होंगे।प्रत्येक ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर के पास रैपिड रिस्पांस टीम का नंबर मौजूद होगा।

डोज पोल के तहत खानी है दवाः
कार्यशाला के दौरान डब्ल्यूएचओ की डॉ माधुरी देवराजु ने दवा खिलाने में इस्तेमाल किए जाने वाले डोज पोल के बारे में बताते हुए कहा कि दवा खिलाने के लिए एक डोज पोल का निर्माण किया गया है।इसमें लंबाई के अनुसार गोली की संख्या तय है।अगर किसी बच्चे की ऊंचाई 90 सेमी से कम है तो उन्हें आइवरमेक्टिन की गोली नहीं देनी है।वहीं दो साल से पांच साल तक के बच्चों को सिर्फ डीइसी और एल्बेंडाजोल की गोली ही दी जाएगी।

किसे नहीं खानी है दवाः
डॉ माधुरी ने बताया कि यह दवा दो साल से कम उम्र के बच्चों, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों, गर्भवती स्त्रियों को नहीं खिलानी है।मौके पर सिविल सर्जन डॉ एसके चौधरी, जिला भीबीडीसी पदाधिकारी डॉ विजय कुमार, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ विशाल कुमार, डब्ल्यूएचओ की जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ माधुरी देवराजू, जिला भीबीडी

सिपाही भर्ती द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के अवसर पर विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया

संवाददाता

सारण, छपरा 7 अगस्त, 2024 जिलाधिकारी श्री अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार आशीष ने आज केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के अवसर पर विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

अधिकारी द्वय ने छपरा सेंट्रल स्कूल, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, सारण एकेडमी आदि परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्राधीक्षकों एवं सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त परीक्षा को लेकर स्पष्ट दिशा निदेश दिया।

बिना टिकट/बिना उचित प्राधिकार के कुल 2 हजार 285 मामलों से जुमार्ने के रूप में 15 लाख 47 हजार की राशि प्राप्त हुई

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

मंडल द्वारा बिना टिकट/उचित प्राधिकार की यात्रा पर रोकथाम के लिए लगातार अभियान चलाये जा रहे हैं ताकि बिना टिकट/उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्रियों को निरूत्साहित किया जा सके। यात्रियों को जागरूक करने के लिये एवं बेटिकट चलने वाले यात्रियों को निरुत्साहित करने के लिए टिकट जांच अभियान अभी जारी रहेगा।

इसी क्रम में दिनांक मंगलवार 6 अगस्त को समस्तीपुर मंडल के विभिन्न खण्डों पर सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 16 घंटे तक किला बंदी विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान अधिकारियों की अलग-अलग टीम जिसमे लगभग 241 टिकट जाँचकर्मी एवं आरपीएफ जवान शामिल थे स्टेशन एवं ट्रेनों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया जिसमें बिना टिकट/बिना उचित प्राधिकार के कुल 2 हजार 285 मामलों से जुमार्ने के रूप में 15 लाख 47 हजार की राशि प्राप्त हुई। इस अभियान के दौरान मंडल के दरभंगा, सहरसा, रक्सौल, नरकटियागंज, बापूधाम मोतिहारी, जयनगर, सीतामढ़ी आदि स्टेशनों पर मुख्य रूप से टिकट जांच किया गया था।

IMG 20230728 हअ0094 01

इस अभियान में जंक्शन स्टेशन के सभी FOB, प्रवेश/निकास द्वार, प्रतीक्षालय एवं प्लेटफार्मों आदि पर विशेष टिकट चेकिंग दस्ते तैनात किये गये। इस टिकट चेकिंग अभियान के परिणामस्वरूप स्टेशन के टिकट काउंटरो पर बढ़ी हुई भीड़ देखी गयी और यात्री उचित टिकट लेकर रेल यात्रा करने के प्रति जागरूक हुए।इस तरह के टिकट चेकिंग अभियान मंडल में आगे भी जारी रहेगा।रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि बिना टिकट कभी भी रेल यात्रा न करें, यह दंडनीय है।

पदाधिकारियों से अनुशंसोपरान्त प्राप्त औपबंधिक मेधा सूची को प्रकाशित कराने हेतु अनुमति प्रदान की गई है

इसके आलेक में औपबंधिक सूची जिला आपूर्ति कार्यालय, समस्तीपुर के सूचना पट्ट पर अनुमंडल कार्यालयों के सूचना पट्ट पर एवं इसके अतिरिक्त जिला के बेवसाईटwww.samastipur.nic.in। पर प्रकाशित किया जा चुका है।

संवाददाता

जिलाधिकारी, समस्तीपुर के ज्ञापांक 766/आ०, दिनांक 02.08.2024 के द्वारा बिहार लक्ष्यित सार्वजनिकजिलाधिकारी, समस्तीपुर के ज्ञापांक 766/आ०, दिनांक 02.08.2024 के द्वारा बिहार लक्ष्यित सार्वजनिक जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) द्वितीय संशोधन आदेश, 2022 ज्ञापांक 3223, दिनांक-21.07.2022 के कंडिका 05 (11) के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारियों से अनुशंसोपरान्त प्राप्त औपबंधिक मेधा सूची को प्रकाशित कराने हेतु अनुमति प्रदान की गई है। इसके आलेक में औपबंधिक सूची जिला आपूर्ति कार्यालय, समस्तीपुर के सूचना पट्ट पर अनुमंडल कार्यालयों के सूचना पट्ट पर एवं इसके अतिरिक्त जिला के बेवसाईट www.samastipur.nic.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। प्रकाशित किए गए औपबंधिक मेधा सूची के विरुद्ध दावा/आपत्ति जिला आपूर्ति प्रशाखा में दिनांक-19.08.2024 के संध्या 05:00 बजे तक प्रत्येक कार्य दिवस को कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जाएगा। जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) द्वितीय संशोधन आदेश, 2022 ज्ञापांक 3223, दिनांक- 21.07.2022 के कंडिका 05 (11) के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारियों से अनुशंसोपरान्त प्राप्त औपबंधिक मेधा सूची को प्रकाशित कराने हेतु अनुमति प्रदान की गई है। इसके आलेक में औपबंधिक सूची जिला आपूर्ति कार्यालय, समस्तीपुर के सूचना पट्ट पर अनुमंडल कार्यालयों के सूचना पट्ट पर एवं इसके अतिरिक्त जिला के बेवसाईट www.samastipur.nic.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। प्रकाशित किए गए औपबंधिक मेधा सूची के विरुद्ध दावा/आपत्ति जिला आपूर्ति प्रशाखा में दिनांक-19.08.2024 के संध्या 05:00 बजे तक प्रत्येक कार्य दिवस को कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जाएगा।

जीवन यादव जन सेवा फाउंडेशन के द्वारा प्रतिदिन लगाया जाता है निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान/सिवान जिला के प्रसिद्ध समाजसेवी जीवन यादव अपने फाउंडेशन के द्वारा प्रत्येक दिन शिविर लगाया करते हैं, श्री यादव ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से सिवान के जनता का मैं निस्वार्थ भाव से अपने संस्था के द्वारा सहयोग करते आ रहा हूं लगभग 1000 लोगों का मुफ्त में आंखों का ऑपरेशन तथा अनेकों प्रकार की बीमारियों का इलाज मैंने करवाया है और आज भी करवा रहा हूं, जाति धर्म से उठकर लगातार सिवान में काम करना मेरा लक्ष्य है श्री यादव ने यह भी बताया कि सिवान नगर परिषद चुनाव में जो जो वादे मेरे द्वारा किया गया था सभी वादों पर कुशल मैं काम किया और जो काम रह गया है उसको भी करने का मेरा लक्ष्य है और पिछले लोकसभा चुनाव में मैं निर्दलीय लोकसभा प्रत्याशी रहा जनता ने मुझे जो प्यार दिया उस जनता का मैं आभारी हूं, जीवन यादव हर संभव प्रयास करते हैं कि सिवान जिला में कोई असहाय दिखता है तो उसको तुरंत मदद करते हैं और विकास पर ध्यान आकर्षित करते हुए लोगों के बीच जाते हैं और सिर्फ विकास और अपराध मुक्त सिवान को बनाना चाहते हैं,

इनर व्हील क्लब ऑफ मोतिहारी लेक टाउन ने किया मेहंदी और ड्रॉइंग प्रतियोगिता

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी 7 अगस्त राजकीय मध्य विद्यालय, छतौनी मेंइनर व्हील लेक टाउन द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष पुतुल सिन्हा, चार्टर अध्यक्ष संगीता चित्रांश, पीपी रजनी कौशल, प्रधानाध्यापक राजेश कुमार, सहायक शिक्षक अमरेश कुमार, सहायक शिक्षिका निखत प्रवीन और शिक्षिका इशमा खातून शामिल थे। मंच संचालन चंद्रलता वर्मा ने किया। अध्यक्ष पुतुल सिन्हा ने सभी शिक्षकों और शिक्षिकाओं को साल ओढ़ाकर सम्मानित किया और सफाई के प्रति छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि छात्राओं के लिए नियमित रूप से बुनियादी व्यक्तिगत स्वच्छता, जैसे हाथ धोना, उचित मौखिक स्वच्छता, नियमित रूप से नहाना, साफ कपड़े पहनना और नाखून की सफाई रखना अत्यंत आवश्यक है।

विद्यालय की छात्राओं द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम पुरस्कार अनु कुमारी को, द्वितीय पुरस्कार अलीशा को और तृतीय पुरस्कार अनुष्का कुमारी को मिला। सफाई पर बच्चों के बीच प्रतियोगिता में प्रथम प्रीति कुमारी, द्वितीय आयुष सरकार और तृतीय अंशिका कुमारी को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

आईपीपी कुमारी अमृता ने अपने क्लब का परिचय बच्चों और शिक्षकों के बीच साझा किया।वहीं पीपी निशा देव ने सफाई को ध्यान में रखते हुए बताया कि किशोर बच्चियों के लिए अपने शरीर को साफ रखना कितना जरूरी होता है। किशोरियों को सैनिटरी नैपकिन के इस्तेमाल तथा साफ-सफाई के महत्व को साझा किया। सदस्य अलका सिन्हा ने सड़क सुरक्षा के बारे में बच्चों को बताया कि जब बच्चे बाहर निकलते हैं तो माता-पिता उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित होते हैं।बच्चों को सड़क पर चलते समय हमेशा बाईं ओर चलना चाहिए और सड़क पर लगे यातायात के चिन्हों के निदेर्शानुसार चलना चाहिए।विद्यालय के बच्चों में स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए ब्रश, पेस्ट, डेटॉल साबुन किशोरियों को सैनिटरी नैपकिन का वितरण भी किया गया और साफ-सफाई के महत्व को साझा किया गया। और दिव्यांग बच्चों को स्कूल बैग और स्टेशनरी के सामान

डोरीगंज थानान्तर्गत हत्या कांड में वांछित एवं फरार चल रहे अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्ष में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में दिनांक- 06.08.24 को डोरीगंज थाना दल द्वारा में डोरीगंज थाना कांड संख्या - 75/24, दिनांक - 28.03.24, धारा- 302/34 भा0द0वि0 में वांछित तथा फरार चल रहे अभियुक्त 1. दिलखुश राय, उर्म- 19 वर्ष, पिता- नवल राय, सा०- रायपुर बिन्दगावा, थाना- डोरीगंज, जिला -सारण को भोजपुर जिला के बडहरा थाना क्षेत्र से छापामारी कर गिरफ्तार किया गया है।

? गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-
1. दिलखुश राय, उर्म- 19 वर्ष, पिता- नवल राय, सा०- रायपुर बिन्दगावा, थाना- डोरीगंज, जिला -सारण

? गिरफ्तार अभियुक्त दिलखुश राय का अबतक का ज्ञात आपराधिक इतिहास :-
बडहरा थाना कांड संख्या- 144/24,

दिनांक- 21.03.24, धारा- 341/323/324/307/506/34 भा0द0वि0

? टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारीः-
पु०अ०नि० तेजनारायण सिंह, प्र०पु०अ०नि० धीरज कुमार चौधरी, स०अ०नि० प्रभंजन कुमार सिंह, डोरीगंज थाना एवं थाना के अन्य कर्मी

सारण पुलिस,
आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

ब्रीफ न्यूज

अपराधियों ने तांडव मचाते हुए एक महिला बुजुर्ग को मारी गोली ,महिला की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई,

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

रोजनामा इंडो गल्फ, विशेष संवाददाता, हुसैनगंज/ सिवानः - सिवान जिला अंतर्गत हुसैनगंज थाना क्षेत्र में लगभग शाम 5:00 बजे अपराधियों ने तांडव मचाते हुए एक महिला बुजुर्ग को मारी गोली ,महिला की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई, बताते चलें कि सिवान में पिछले 13 महीना से लगातार हत्याएं हो रही हैं इस हत्याओं पर अंकुश लगाने के लिए बिहार सरकार ने कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठा पाया, अपराधियों का इस तरह से सिवान जिला में तांडव है कि अब आम जनमानस को शहर में रहना मुश्किल हो गया है शहर से लेकर गांव तक सभी लोग डरे हुए हैं, बताते चलें कि 23 दिसंबर 2023 में बलिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के पार्टी एआइएमआइएम के जिला अध्यक्ष श्री आरिफ जमाल को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी उसके बाद शहर में लगातार हत्याएं होती रही पुलिस हाथ पैर हाथ रख कर बैठी है,रही और पुलिस बिल्कुल ही अपराधियों पर ठोस कदम नहीं उठा रही है 23 दिसंबर 2023 से लेकर आज के हत्याओं को अगर ले लें तो लगभग सिवान शहर में 50 हत्याएं हुई हैं लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है आज हुसैनगंज थाना क्षेत्र के खरसंडा में अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए एक वृद्ध महिला की गोली मारकर हत्या कर दी खबर लिखने तक घटना स्थल पर पुलिस नहीं पहुंची यह एक पुलिस प्रशासन के लिए सवार्नाक बात है आम जनता में आक्रोश है की पुलिस आज तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही है, बताते चलें कि 23 दिसंबर 2023 को बलिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के जिला अध्यक्ष श्री आरिफ जमाल की हत्या कर दी गई थी उस हथियारों को आज तक पुलिस नहीं पकड़ पाई खानापूर्ति करते हुए कुछ अपराधियों को पड़कर जेल भेज दिया गया लेकिन पुलिस कप्तान एवं वरीय पुलिस अधिकारी भी इस मामले को सुलझा ना सके, जब तक अंधाधुन सिवान में हत्याएं होती नजर आ रही है,

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सिपाही भर्ती परीक्षा के पूर्व ही सॉलवर गैंग का भंडाफोड़, कदाचार करने वाली कई उपकरण के साथ 03 गिरफ्तार

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक 07.08.24 को समय 00:30 बजे गुप्त सुचना प्राप्त हुई कि छपरा मे कुछ कोचिंग संचालक एवं कुछ सेटर के बीच तालमेल बनाकर रङ्ग'५ी१ ऋ्रल्लॅ को डस्त्री१३ी किया जा रहा है, जो दिनांक 07.08.24 को होने वाली सिपाही भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को ब्लूटूथ एवं इयरपिस के माध्यम से पेपर को २ङ्ग'५ी करवाया जायेगा उक्त सूचना के सत्यापन एवं २ङ्ग'५ी१ ॅल्लॅ के सदस्यों तथा कोचिंग संचालक की गिरफ्तारी हेतु छापामारी दल का गठन किया गया छापामारी दल के द्वारा रङ्ग'५ी१ ऋ्रल्लॅ के मुख्य सरगना कृष्णकान्त सिंह जो भगवान बाजार थानांतर्गत छत्रधारी बाजार रामजानकी मंदिर के बगल में रहते हैं। कृष्णकांत सिंह के किराये के मकान में छापामारी के दौरान 1. ब्लूटूथ डिवाइस, 2. हस्ताक्षर किया हुआ इ'ल्ल' चेक 3. मोबाइल 4. ईयर पीस 5. बैंक पासबूक 6. लैपटॉप 7. कई अभ्यर्थियों का डाक्यूमेंट्स बरामद किया गया।कृष्णकांत सिंह के घर के बगल में रचित कोचिंग के संचालक पंकज सिंह से पूछताछ किया गया तथा इनके मोबाइल का जाँच किया गया तो कृष्णकांत सिंह का नंबर रं५ी पाया गया।इनके घर के दाहिने में ळी इंल्ल'ी१२ कोचिंग के संचालक विवेक कुमार से पूछताछ किया गया तो इन्होने बताया कि हमारे पास कोई अभ्यर्थी आता हैं तो कृष्णकांत सिंह से उसका सेटिंग करवा देते हैं इनके मोबाइल मे भी कृष्णकांत सिंह का नंबर रं५ी पाया गया तथा हँ३२स्त्रस्त्र उङ्गल्ल५ी१२३ङ्गल्ल में सेटिंग से सम्बंधित साक्ष्य पाया गया तत्पश्चात प्राप्त आसूचना में उल्लेखित अमपु कुमार के मोबाइल नंबर का लोकेशन लिया गया तो लोकेशन देवरिया टोला धेनुकी सारण मिला जिसके आलोक में छापामारी कर मोबाइल बरामद किया गया ` मोबाइल के अवलोकन से ज्ञात होता हिं कि अमपु कुमार का हँ३२स्त्रस्त्र उङ्गल्ल५ी१२३ङ्गल्ल उदय ओझा के साथ किया गया है जिसमे सेटिंग से सम्बंधित बातचीत एवं डॉक्यूमेंट का आदान-प्रदान का साक्ष्य पाया गया है।इस संबंध मे भगवानबाजार थाना कांड संख्या- 405/24, दिनांक- 07.08.24 दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही हैं

मधुबनी घाट टिकुलिया में कार्ड संस्था ने एक सप्ताह तक किया विश्व स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम।

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी,7 अगस्त कफील एकबाल मोतिहारी के बरदाहा,मधुबनी घाट एवं टिकुलिया पंचायत अंतर्गत अवस्थित आंगनबाड़ी केंद्रों पर विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया।1 से 7 अगस्त तक आयोजित जागरूकता कार्यक्रम मे धात्री -गर्भवती महिलाओं के साथ बैठक कर स्तनपान के फायदे के बारे में बताया गया। डॉक्टर सरिता कुमारी ने कहा कि बच्चों के जन्म के तुरंत बाद जितनी जल्दी हो सके स्तनपान कराये,यह अमृत के समान है।कोलोस्ट्रम यानी गाढ़ा पीला दूध शिशु के लिए कुदरत का पहला टीका है।यह कभी नहीं समझे कि पहले उतरा हुआ दूध गंदा या न हजम होने वाला है।जन्म से लेकर 6 माह तक नवजात शिशु को दो- दो घंटे के अंतराल पर सिर्फ अपना ही दूध पिलाएं इसके अलावा कुछ भी ना दें।स्तनपान कराने से मां एवं शिशु दोनों को बहुत फायदे हैं।डिब्बा बंद दूध, पानी , घुटी, ग्लूकोज ,चाय, शरबत, जूस आदि नहीं पिलाये। अपने नन्हें शिशु पर नजर रखें उसे कहीं दूध पीने, सांस लेने में ,दस्त या किसी भी तरह के परेशानी हो तो उसे जल्द से जल्द अस्पताल ले जाकर इलाज करावे इसी कड़ी में सपना कुमारी एएनएम ने स्तनपान का सही तरीका तथा उससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में बताया।इसी कड़ी में माताओ के साथ क्विज कंपटीशन का भी आयोजन किया गया तथा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में आशा कार्यकताओं के साथ बैठकर स्तनपान का महत्व एवं हमारी भूमिका विषय पर चचाएं आयोजित की गई एवं काड्र्स के सचिव शशि ने कहा कि नवजात का वजन ढाई किलो से कम हो तो चिंता की बात है कम वजन का बच्चा अन्य शिशुओं की अपेक्षा नाजुक होता है अतः इसे विशेष देखरेख की जरूरत है

अतएव पोषण पुनर्वास केन्द्र चकिया अवश्य रेफर करें।कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला पर्यवेक्षिका प्रतिभा कुमारी, रंजना कुमारी एवं काड्र्स के परियोजना समन्वयक रवि कुमार तथा नीमा ,नीतू ,पप्पू, सकलदेव रंजू का सराहनीय सहयोग रहा '

जन्म से लेकर 6 माह तक नवजात शिशु को दो- दो घंटे के अंतराल पर सिर्फ अपना ही दूध पिलाएं इसके अलावा कुछ भी ना दें।स्तनपान कराने से मां एवं शिशु दोनों को बहुत फायदे हैं।डिब्बा बंद दूध, पानी , घुटी, ग्लूकोज ,चाय, शरबत, जूस आदि नहीं पिलाये।अपने नन्हें शिशु पर नजर रखें उसे कहीं दूध पीने, सांस लेने में ,दस्त या किसी भी तरह के परेशानी हो तो उसे जल्द से जल्द अस्पताल ले जाकर इलाज करावे

मधुबनी जिलाधिकारी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपदा की बैठक में दिए कई महत्त्वपूर्ण निर्देश।

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- मधुबनी,जिलाधिकारी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपदा की बैठक में दिए कई महत्त्वपूर्ण निर्देश।
- बाढ़ पूर्व तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें, इसमें थोड़ी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं – जिलाधिकारी.
- अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित अभियंता के साथ तटबंधों का नियमित निरीक्षण करें.
- नदियों के जलस्तर, वषापात, भूजल स्तर, कटाव एवं तटबंधों की नियमित निगरानी, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती, रोपनी की स्थिति, नहरों से पटवन की स्थिति, कृषि फीडर से विद्युत उपलब्धता आदि का किया समीक्षा.
- जिलाधिकारी ने दाखिल खारिज एवं प्रखंडों में पशु चिकित्सालय हेतु भूमि की उपलब्धता को लेकर भी की समीक्षा.
- लंबित पड़े दाखिल खारिज के मामलों का शीघ्र निष्पादन करें अंचलाधिकारी, अनावश्यक विलंब होने पर जवाबदेही तय कर होगी कार्रवाई – जिलाधिकारी.

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष से जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं जिलास्तरीय सभी अधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से बैठक कर आपदा से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा किया. उन्होंने नदियों के जलस्तर, वषापात, भूजल स्तर, कटाव एवं तटबंधों की नियमित निगरानी, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती, रोपनी की स्थिति, नहरों से पटवन की स्थिति, कृषि फीडर से विद्युत उपलब्धता आदि की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए.जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता तटबंधों की नियमित रूप से निगरानी करें तथा आवश्यकता पड़ने पर क्षतिग्रस्त तटबंधों की अविलंब मरम्मती कर प्रतिवेदन एवं फोटोग्राफ जिला आपदा शाखा को भेजना सुनिश्चित करें. वषापात की समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि जून माह में 55.9%, जुलाई माह में 49.1% एवं अगस्त माह में अभी तक 11.2% सामान्य से कम वषापात हुआ है. जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि वषापात एवं भूजल स्तर पर लगातार नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि जिले में कहीं भी स्वच्छ पेयजल की समस्या ना हो.बैठक में आगे जिलाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ के क्रम में अनुग्रह अनुदान भुगतान हेतु परिवारों की सूची का आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर दो दिनों के अंदर शत-प्रतिशत अपडेट कर ले ताकि आपदा की स्थिति में लाभुकों को पूरी सहजता के साथ उनके खाते में ससमय राहत राशि भेजी जा सके.साथ ही जिलाधिकारी ने दाखिल खारिज के लम्बित पड़े मामलों पर सभी अंचल अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शीघ्र ही इन मामलों का निष्पादन करना सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि दाखिल खारिज के मामलों में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अंचलाधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. *उक्त बैठक में डीडीसी दीपेश कुमार, सिविल सर्जन डॉ. नरेश कुमार भीमसारिया, अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार, प्रभारी जिला आपदा प्रबंधन शाखा सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी परिमल कुमार, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी रजनीश कुमार, प्रशिक्षु डीपीआरओ अमन कुमार आकाश सहित अन्य वरीय अभियंता व पदाधिकारी आदि उपस्थित थे. जिले के सभी एसडीओ, सीओ आदि वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे.

संक्षिप्त डायरी

स्वतंत्रता दिवस को लेकर बीजेपी हर घर बांटेगी तिरंगा

पटना। आजादी के 77 वे वर्षगांठ के मौके पर जहां पूरा देश स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबा होगा, वहीं बीजेपी ने इस मौके को यादगार बनाने के लिए बड़े कार्यक्रम की तैयारी की है। बिहार बीजेपी ने आजादी के इस पर्व के जरिए देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और गांव गांव तक जुड़ने की तैयारी की है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बिहार बीजेपी 11 अगस्त से 15 अगस्त तक लगातार कई कार्यक्रम चलाएगी। बिहार बीजेपी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके को यादगार बनाने के लिए बड़ी तैयारी की है। 11 अगस्त से पूरे बिहार में हर घर तक झंडा पहुंचाने की तैयारी है, ताकि हर घर पर तिरंगा झंडा फहराता हुआ दिखाई पड़े। इसके लिए बीजेपी युवा मोर्चा के सदस्य हर गांव और शहर के हर घर तक झंडा पहुंचाएंगे। लोगो से आग्रह करेंगे कि घरों पर झंडा फहराए। जो झंडा नही खरीद सकते, उन्हें झंडा दिया भी जाएगा। कोशिश इस बात की है कि कोई भी घर नहीं छूटे। बिहार बीजेपी के युवा मोर्चा की ओर से बिहार के हर विधानसभा क्षेत्र में झंडा यात्रा निकाला जाएगा। युवा मोर्चा के बड़े संख्या में सदस्य हाथो में तिरंगा लेकर हर विधानसभा में भ्रमण करेंगे। तिरंगा यात्रा के जरिए पूरे विधानसभा में लोगों को देश के प्रति देशभक्ति भावना से जुड़ने का संदेश देने का प्रयास है। यह तिरंगा यात्रा 12 और 13 अगस्त को सभी विधानसभा क्षेत्र में निकाली जाएगी। आजादी के इस महापर्व में 11 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक चलने वाले कार्यक्रम के दौरान 13 अगस्त को सभी महापुरुषों के प्रतिमाओं पर फूल माला चढ़कर याद किया जाएगा और महापुरुषों के नक्शे कदम पर चलने के संदेश भी दिया जाएगा 13 अगस्त को भाजपा युवा मोर्चा के सदस्य बिहार के हर जिले और हर गांव में जहां भी बापू पटेल सुभाष चंद्र बोस भगत सिंह आदि जिस किसी की भी महापुरुष की प्रतिमा लगी होगी उन सभी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित किया जाएगा और उनके बलिदान को लोगों के सामने रखाजाएगा। आजादी के इस महापर्व के मौके पर 14 अगस्त के दिन देश के बंटवारे के स्थिति और कारणों की चर्चा होगी। 14 अगस्त को। बीजेपी के युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जिला स्तर पर गोष्ठी का आयोजन करेंगे जहां पर 14 अगस्त के दिन भारत के हुए बंटवारे की कहानी बताई जाएगी और उसे बंटवारे में क्या कारण रहे और देश को कैसे जोड़ के रखना है इस पर बिहार के हर जिले में चर्चा कराई जाएगी। बीजेपी तिरंगा कार्यक्रम के जरिए जहां देश भक्ति की बात करेगी, वहीं राजनीतिक संदेश भी देने की कोशिश है। आने वाले 2025 विधानसभा को देखते हुए यह बड़ा कार्यक्रम के बड़े संदेश माने जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए बीजेपी की कोशिश बिहार के हर युवा तक पहुंचाने की है। बीजेपी के साथ युवाओं और परिवारों को जोड़ने की कोशिश है। यह कार्यक्रम जितना सफल होगा, उतने ही ज्यादा संख्या में युवा बीजेपी से जुड़ेंगे। आने वाले दिनों में बीजेपी के लिए मजबूती प्रदान करेंगे। बीजेपी की कोशिश है कि एक तरफ जहां जाति आधार पर कार्यक्रम कर हर वर्ग को साथ लाने का प्रयास है। वहीं, तिरंगा यात्रा के जरिए तमाम वर्गों को बीजेपी के साथ जोड़ने की कोशिश है।

बिहार के खिलाड़ियों को सरकार देगी खेल छात्रवृत्ति

बिहार। खेल मंत्रालय और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को खेल छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके लिए पोर्टल पर आवेदन करने की कल आखिरी तारीख है। खेल छात्रवृत्ति के लिए योग्य खिलाड़ी 7 अगस्त तक यथायोग्य श्रेणी में छात्रवृत्ति के लिए पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। पहले 31 जुलाई तक ही तारीख थी, जिसे आगे बढ़ाया गया था। इसमें रजिस्ट्रेशन के लिए सबसे पहले scholarship.biharsports.org पर जाएं। फिर लिंक पर क्लिक करके यूजर नेम, ईमेल, नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड नंबर, पासवर्ड दर्ज करके अपना अकाउंट बनाए। सबकुछ बनने के बाद लॉग इन कर लें। इसके बाद एडिट प्रोफाइल पर जाएं अपनी पासपोर्ट साइज फोटो अपलोड करें। फिर पर्सनल डिटेल्स जैसे पैन कार्ड, जन्मतिथि, ब्लड ग्रुप, आदि भरें। इस खेल पोर्टल में रजिस्ट्रेशन के दौरान अपना बैंक डिटेल्स भी देना होगा। उसके बाद अपने बैंक पासबुक के पहले पन्ने की फोटो को अपलोड करना होगा। सारे डिटेल्स भरने के बाद डॉक्यूमेंट वाले टैब पर क्लिक करें और सूची में उपलब्ध अभी डॉक्यूमेंट की फोटो को अपलोड करें। फिर अचीवमेंट वाले टैब पर क्लिक करके अपने सभी उपलब्धि के डिटेल्स को भरने के साथ ही सर्टिफिकेट भी अपलोड करें। अगर किसी खिलाड़ी ने इससे पहले भी कोई खेल छात्रवृत्ति हासिल की हो तो उसकी भी जानकारी जोड़े। सभी कुछ डिटेल भरने के बाद 'योजनाओं के लिए आवेदन' पर क्लिक करें। इसमें दो योजनाएं- सक्षम योजना और उत्कर्ष योजना है। खिलाड़ी अपने उपलब्धि के अनुसार इन दोनों में से किसी एक के लिए आवेदन करें। फिर सारे भरे डिटेल्स की एक बार और जांच करें और फाइनल अप्लाई पर क्लिक करें। आपका आवेदन जमा हो जाएगा।

बिहार शरीफ में जेब्रा लाइन के पीछे रोकनी होगी गाड़ी, उल्लंघन पर 5 हजार जुमार्ना

बिहार। शरीफ शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए अब परेशानी हो सकती है। नगर प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीसीसी-एमएसआई सिस्टम के सॉफ्टवेयर को सक्रिय कर दिया है, जिससे अब ट्रैफिक लाइट सिग्नल पर रेड लाइट क्रॉस करने वाले वाहन चालकों का स्वचालित रूप से चालान काटा जाएगा। यातायात विभाग के अनुसार, शहर के 7 प्रमुख चौराहों और तिराहों पर यह प्रणाली लागू की गई है। इन स्थानों पर स्टॉप प्वाइंट और जेब्रा लाइन स्पष्ट रूप से चिह्नित है। यातायात डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पहले से जो हमारी यातायात व्यवस्था चली आ रही थी उसमें सेमी ऑटोमेटिक मोड के तहत काम किया जा रहा था। अब यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑटोमेटिक हो गया। अब मशीन ही ओफ्फेन्स डिटेक्ट करेगी और मशीन ही चालान जेनरेट करेगी। रेड लाइट वायलेंस डिटेक्शन इसपर अभी काम करेगा। धीरे-धीरे जिगजैग, विदाउट हेलमेट, रॉन्ग साइड, ट्रिपल लोड की प्रक्रिया में है। आज प्रक्रिया ट्रायल में ली गई है और कल से पूरी तरह से लागू हो जाएगा। अगर कोई वाहन चालक दिन में दो बार, तीन बार या चार बार रेड लाइट को क्रॉस करता है तो उसे दिन में उतने बार चालान भरना होगा। इसके लिए 5 हजार का फाइन देना होगा। नई व्यवस्था के तहत, रेड सिग्नल होने पर वाहन चालकों को अपनी गाड़ी को स्टॉप प्वाइंट यानी जेबरा क्रॉस से पहले रोकना अनिवार्य है। यदि कोई वाहन जेब्रा लाइन को पार करता है, तो आरएलवीडी कैमरा तुरंत वाहन का नंबर पहचान लेगा और स्वचालित रूप से 5,000 रुपए का चालान जारी कर देगा।

बिहार चिकित्सा और जन स्वास्थ कर्मियो का सामान कार्य सामान वेतन के लिए धरना प्रदर्शन आज 29वे दिन भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महाराजगंज मे जारी।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 7अगस्त बुधवार।महाराजगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बिहार सरकार द्वारा कैंट्रेक्ट पर बहाल जन स्वस्थ कर्मियो ने सामान कार्य सामान वेतन के लिए 8 जुलाई से चले आ रहे धरना प्रदर्शन को जारी रखा है।वही धरना मे शामिल जन स्वास्थ कर्मियो ने बताया की सरकार के दो रंगी नीति के कारण हम लोग आज 29 दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे है लेकीन निक्कामी सरकार चुप चाप बैठी है वार्ता के लिए तैयार नहीं हो रही है।हम लोगो की मुख्य मांगे है सामान कार्य सामान वेतन, और सभी जन स्वास्थ कर्मियो को अपने अपने गृह जिले मे पदस्थापित करना, ओपीएस लागू करना, प्रोत्साहन राशि, एसीपी, एमएसीपी, इत्यादि सरकार से देने की मांग करती हूं।और ऑनलाइन उपस्थिति से ऑफ लाईन उपस्थिति दर्ज करना, इन सभी मांगों पर अगर सरकार विचार नही करती है तो हम लोगो का धरना प्रदर्शन और कार्य वहिष्कार जारी रहेगा। और सड़क से सदन तक हम लोग आवाज उठाते रहेंगे।

जंगलराज पार्ट-2 रेलकर्मी अपराधियो के निशाने पर, रेल गेटमैन को मारी गोली सुरक्षा पर रेल-प्रशासन ध्यान दे -रत्नेश वर्मा

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

इम्पलाइज यूनियन के जोनल जॉइंट सेक्रेट्री श्री रत्नेश वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति

रक्सौल 7 अगस्त -7 अगस्त की रात्रि लगभग एक बजे रक्सौल-रामगढ़वा सेक्शन के इंजिनीयरिंग गेट संख्या--14 अ पर कार्य कर रहे रेलवे के गेटमैन अंशारूल हक जो स्थानीय जैतापुर लौकरिया के निवासी हैं , उन्हें ड्यूटी के दौरान हीं अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मारकर घायल कर दिया गया ।अपराधी गोली मारकर फरार हो गए । गेटमैन अंशारूल हक का इलाज रफ्ढ हॉस्पिटल , रक्सौल में चल रहा है । इस संबंध में ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्पलाइज यूनियन के जोनल जॉइंट सेक्रेट्री श्री रत्नेश वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रेलवे के आलाधिकारियों से माँग की है कि सभी रेल कर्मचारियों के जान- माल की सुरक्षा पर बिशेष ध्यान दिया जाए ।सभी रेलवे समपार फाटकों / गेट पर सीसीटीवी लगाया जाए ।गेट परिक्षेत्र और रेलवे ट्रेक-क्षेत्र में सुरक्षा का पुख्ता बन्दोबस्त करते हुए रात्रि गस्ती टीम के द्वारा ट्रेक क्षेत्र में पेट्रोलिंग कराया जाए । इस घटना की निष्पक्ष जांच क्राइम ब्रांच की टीम से कराया जाए , ताकि दोषी को जल्द कड़ी से कड़ी सजा मिल सके ।

यदि रेल-प्रशासन इस ओर ध्यान दे तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता है ।

सरारी से कांवड़ियों का जत्था देवघर के लिए हुआ रवाना

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
नियाज अहमद

गोरेयाकोठी, सरारीः* सावन मास की पावन बेला में बुधवार को सरारी गांव से श्रद्धालुओं का एक विशाल जत्था देवों की नगरी देवघर के लिए रवाना हुआ। गांव के सभी प्रमुख मंदिरों में भक्ति और उत्साह के वातावरण में पूजा-अर्चना करने के बाद, भक्तों ने अपनी पवित्र यात्रा का शुभारंभ किया। इस यात्रा के दौरान, कांवड़िए सुल्तानगंज से पवित्र गंगा जल भरेंगे और इसे लेकर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद, यह जत्था बासुकीनाथ और राजगीर जैसे अन्य धार्मिक स्थलों का भी दर्शन करेगा।इस धार्मिक यात्रा में शामिल प्रमुख श्रद्धालुओं में रंजन तिवारी, चुनचुन तिवारी, सुधीर तिवारी, मंटू यादव, विकाश सिंह, भास्कर दुबे, निहाल सिंह, रवि तिवारी, आकाश तिवारी, सुनील सोनी, शैलेष गोस्वामी, रामु तिवारी, दीपू तिवारी, अशिष तिवारी, और दीपक सहनी शामिल हैं।गांव के लोगों ने भक्ति और उल्लास के साथ इस जत्थे को शुभकामनाएं दीं, और उनकी सुरक्षित और सफल यात्रा की कामना की। यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आपसी भाईचारे और एकता को भी प्रोत्साहित करती है। यात्रा के संयोजकों ने बताया कि यह धार्मिक यात्रा कई वर्षों से आयोजित की जा रही है और इसमें हर साल भक्तों की संख्या में इजाफा हो रहा है।इस बार की यात्रा में विशेष रूप से युवा वर्ग की भागीदारी भी देखने को मिल रही है, जो कि भविष्य में इस परंपरा को जीवित रखने के लिए उत्साहवर्धक है।

बेतिया के नरकटियागंज लौरिया मुख्य मार्ग पर हादसा, मृतक के परिजनों में कोहराम

बेतिया। में साले की सगाई में शामिल होने गए बहनोई की सड़क दुघर्टना में मौत हो गई है। घटना जिले के लौरिया थाना क्षेत्र के नरकटियागंज लौरिया मुख्य मार्ग स्थित मटियरिया चौक के पास की है। इधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान पूर्वी चंपारण जिला के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के दूधिवा ओझा टोला गांव निवासी ठाकुर प्रसाद के 32 वर्षीय बेटा रवि रंजन कुमार के रूप में की गई है। मामले में परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। इधर, जीएमसीएच में पोस्टमार्टम हाउस के बाहर मौजूद लौरिया निवासी मृतक के साला निरज कुमार ने बताया कि रवि रंजन उसके सगाई में शामिल होने परिवार के साथ आया हुआ था। नीरज ने बताया कि मंगलवार शाम वह अपनी बहन मुनी देवी को बुलाने के लिए बाइक से नरकटियागंज के रोआरी गांव जा रहा था। इसी दौरान मटियरिया चौक के समीप वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई है। इधर, घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मकान समेत 30 लोगों को उड़ाने की थी प्लानिंग

बेगूसराय। पुलिस ने शुक्रवार (2 अगस्त) को डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव मेटेरियल के साथ सेना के जवान राज किशोर कुमार को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार जवान ने मकान समेत 30 लोगों को उड़ाने की प्लानिंग की थी। यह खुलासा पुलिस की पूछताछ में हुई है। पुलिस ने बताया कि राज किशोर का पड़ोसी मिथिलेश यादव से जमीन विवाद था। इससे वह घर नहीं बना पा रहा था। इससे नाराज राज किशोर ने मिथिलेश और उसके परिवार को घर समेत उड़ाने की प्लानिंग की थी। इसको लेकर अपने सहकर्मियों की मदद से डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव मटेरियल यूपी के मिजार्पुर से लिया। पुलिस ने इस मामले की सूचना सेना के वरीय अधिकारी और नेशनल लेवल की जांच एजेंसी को दी है। जल्द ही उसे रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ की जाएगी। वहीं, पुलिस ने गिरफ्तार सेना के जवान के खिलाफ ऱ्क्ष्क्र दर्ज कर जेल भेज दिया है। आरोपी राज किशोर महिटानी थाना क्षेत्र के खोरमपुर गांव के सिकंदर यादव का बेटा है। दो भाई और एक बहन है। राज किशोर की तीन साल पहले सेना में नौकरी मिली थी। 267 रेजिमेंट कोर ऑफ इंजीनियरिंग में क्लर्क पोस्ट पर मणिपुर में पदस्थापित है। राज किशोर के पिता ने 2011 में अपने ससुराल साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के हीरा टोल में पत्नी पूनम देवी के नाम एक कट्ठा जमीन जगदीश पोद्दार से खरीदी थी। फरवरी 2023 में उस जमीन पर राज किशोर घर बनाने गए तो मिथिलेश यादव और उसके परिवार ने घर बनाने से रोक दिया था। राज किशोर के पिता को मारपीट कर भगा दिया था। राज किशोर ने तीन बार घर बनाने का प्रयास किया, लेकिन मिथिलेश घर नहीं बनाने दे रहा था। इससे बदला लेने की प्लानिंग की। पुलिस की पूछताछ में राज किशोर ने बताया कि मिथिलेश यादव और उसके परिवार को खत्म करने की प्लानिंग एक साल से कर रहे थे। ड्यूटी के दौरान राज किशोर काफी परेशान रहता था। उसकी परेशानी देखकर यूनिट में साथियों ने मदद की भरोसा दिया। यूनिट में कुक का काम करने वाले यूपी के मिजार्पुर जिला के तेंदुआ कला निवासी अली मोहम्मद और सिपाही मो. आसिफ ने मदद मदद की। यहीं दोनों ने गोला-बारूद और हथियार उपलब्ध करवाया। इसके साथ ही राज किशोर के ग्रामीण उदय पासवान के बेटे राहुल पासवान से मदद मांगी तो उसने वॉकी-टॉकी की व्यवस्था की। राज किशोर छुट्टी लेकर 26 जुलाई को घर आ गया। यहां उसने राहुल से संपर्क किया तो राहुल ने एक वॉकी-टॉकी और हाथ से बना हुआ रिसीवर दे दिया। जिसे राज किशोर ने अपने घर में छिपा रखा था।इसके बाद राज किशोर 30 जुलाई की रात महानंदा एक्सप्रेस से मिजार्पुर पहुंचा। यहां चुनार स्टेशन पर उतरने के बाद कुक मोहम्मद अली के घर पहुंचा और 31 जुलाई की रात मोहम्मद अली के घर ही रुका। फिर यहां से 75 पीस डेटोनेटर और 75 पीस एक्सप्लोसिव का पैकेट लेकर घर के लिए रवाना हुआ। राज किशोर एक अगस्त की सुबह 8:00 बजे चुनार से बनारस होते हुए बलिया गया। फिर ट्रेन पकड़ कर समस्तीपुर पहुंचा। समस्तीपुर में दूसरी ट्रेन पकड़ी और रात करीब 2:30 बजे पिट्ठू बैग में डेटोनेटर और एक्सप्लोसिव लेकर बेगूसराय स्टेशन पहुंच गया। ऑटो स्टैंड में गाड़ी का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान लोहिया नगर थानाध्यक्ष जितेन्द्र राम ने गिरफ्तार किया।

श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह मामले में नया मोड़, मुस्लिम समुदाय ने न्यायालय से बाहर समझौता करने की पेशकश की

भगवान श्री कृष्ण के भव्य मंदिर निर्माण मैंअवरोध ईदगाह को हटाया जाए- रूबी खान

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह विवाद के मामले में आज एक भाईचारे की पहल हुई जन्मभूमि गेट नंबर 1 पर मुस्लिम समाज की राष्ट्रीय नेता रूबी खान, आसिफ खान, एवं मुस्लिमसमाज के एक दर्जन मुस्लिम नेता एवं महिला श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद मामले के हिंदू पक्षकार दिनेश शर्मा को भाईचारा को एक पत्र सौंपते हुए मुस्लिम समाज ने कहा कि भारतवर्ष जिसमें सभी हिंदू मुस्लिम एवं मजहब के लोग रहते हैं यह एकता कायम रहे इसके लिए भगवान श्रीकृष्ण अपने मूल गर्व ग्रह में विराजमान होने चाहिए, मुगलों द्वारा जो मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई वह एकता एवं अखंडता में अभिशाप है इसकी जगह मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में ईदगाह का निर्माण हो मुस्लिम नेता रूबी खान ने कहा कि सभी मुकदमे माननीय

न्यायालय ने स्वीकार कर लिए हैं अब मुस्लिम पक्ष ट' ल नहीं सकता अयोध्या की तरह फैसला आने पर मुस्लिम समाज की इज्जत पर बट्टा लगेगा, इसलिए न्यायालय से बाहर फैसला होना चाहिए मुस्लिम मंच के नेता आसिफ खान, सलीम खान ने कहा कि देश की तरक्की के लिए हमारे प्रधानमंत्री सबका साथ सबका विकास का नारा देते हुए विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं इस मिशन को तभी पूरा किया जा सकता है जब बहुसंख्यक हिंदुओं की आराध्य भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण के भव्य मंदिर निर्माण में मुस्लिम समाज अपना बड़ा दिल दिखाएं इस अवसर पर हिंदूवादी नेता एवं पक्षकार दिनेश शर्मा ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि हमने पहले ही मुस्लिम समाज से यदि आप कोई समझौता करते हैं तो 10 एकड़ भूमि एवं 10 करोड रुपए प्रदान करेंगे हम मुस्लिम समाज का आज कै इस ऐतिहासिक पहलका स्वागत करते हैं इस अवसर पर प्रमुख रूप से न्यास के पदाधिकार के साथ प्रमुख रूप से अदनान अली, सलीम खान, केसर जहां, आसमा खान, मुमताज बानो, अहमद, मोहम्मद नूर, आमीन कुरैशी, रिजवान अहमद, नादिरा बेगम प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी पंडित, महिला जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री अश्वनी कुमार, इंद्रदेव कौशिक, महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर, राहुल गौतम, विनीत शर्मा, राजेश कृष्ण शास्त्री, राजेश पाठक।

कलेक्ट्रेट में खनन कार्यालय का दरवाजा तोड़ कर चोरी

मथुरा। मंगलवार सुबह कलेक्ट्रेट स्थित खनन कार्यालय का दरवाजा टूटने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। खनन कार्यालय चूंकि जिला अधिकारी कार्यालय के पीछे स्थित है जहां रात को पुलिस का विशेष पहरा रहता है। ऐसे स्थान पर हाथ डालने की हिम्मत किसकी और कैसे हो गई। क्या चोरी हुआ यह चोरी थी या कुछ और ऐसी चर्चा का दौर शुरू हो गया। इस संदर्भ में खनन विभाग के इंस्पेक्टर अक्षय ने बताया कि सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचा वहां उसने कार्यालय के दरवाजे को टूटा देखकर उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दी। वह मौके पर पहुंचे और देखा कि कार्यालय अंदर अलमारी भी खुलीं हुईं थीं। उन्होंने बताया कि इन दिनों खनन माफियाओं के कई मामले दर्ज हैं। साथ ही अनुमति लेने की कई फाईल भी अलमारी में रखी हुई हैं। इस मामले में किसी खनन माफिया का हाथ होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। चर्चा है कि इस चोरी में विभग के ही किसी कर्मी का हाथ हो सकता है जिसे मालूम था कि कीमती चीज कहा रखी है महीने की समाप्ति पर हुई वारदात आज समूचे कलेक्ट्रेट में चर्चा का विषय बनी रही। बताया जाता है रात्रि 11 बजे तक नगर मजिस्ट्रेट अपने दफ्तर में बैठे रहे है। उनके जाने के बाद ही घटना को अंजाम दिया गया है। समाचार लिखे जाने तक विभागीय कर्मी ये सार्वजनिक नहीं कर सके की अज्ञात चोर किया चुरा ले गए। अब सवाल यह उठता है कि खनन कार्यालय की अलमारियों में सोना चांदी नगदी तो होगी नहीं सिवाय फाइलों के। तो क्या कार्यालय में कोई महत्वपूर्ण फाइल थी। जिसके लिए चोरों ने चोरी करने का रिस्क लिया। बहरहाल यह चोरी लोगों के लिए जिज्ञासा और चर्चा का विषय बनी हुई है।

संक्षिप्त डायरी

मथुरा इंडस्ट्रीयल एरिया में साड़ी फैक्ट्री में लगी आग

मथुरा। महानगर के इंडस्ट्रीयल एरिया में मंगलवार दोपहर साड़ी व झंडे बनाने की फैक्ट्री में लगी आग से लाखों रुपये का सामान जल गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकलों ने आग पर काबू पाया। बताया गया कि दोपहर 12-30 बजे फायर ब्रिगेड को फोन से सूचना मिली की इंडस्ट्रीयल एरिया में रमन लाल शोरा वाला स्कूल के समीप अतुल अग्रवाल की साडी. व झंडा फैक्ट्री में आग लग गई है। फैक्ट्री में लगी आग से फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। आस-पास के लोग भी आग के कारण दहशतजदा हो गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकलों ने किसी तरह से आग पर काबू किया। आग से लाखों रुपये की साड़ी व झंडे जल गए। आग लगने का कारण बिजली का शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

थाने से ही पहुंचा था इंस्पेक्टर की पत्नी को फोन

आगरा। में महिला इंस्पेक्टर के साथ हुई घटना में थाने से ही पुरुष इंस्पेक्टर के परिजनों को फोन पहुंचा था। एसीपी की प्रारंभिक जांच में कई सबूत मिले हैं। सरकारी आवास का पता बताने वाले भी थाने के ही पुलिसकर्मी थे। सबूत जुटाने के लिए पुलिसकर्मियों के कॉल डिटेल के साथ ही थाने के सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए जा रहे हैं। इस घटना की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। घटना शनिवार की है। थाना रकाबगंज की प्रभारी शैली राणा शनिवार शाम को अपने सरकारी आवास में थी। उनके साथ विजिलेंस में इंस्पेक्टर पवन नागर थे। इसी दौरान मेरठ से उनकी पत्नी गीता नागर अपने बेटे और परिजनों के साथ आ गईं। थाना प्रभारी के आवास का गेट खोलने के बाद इंस्पेक्टर पति पवन और थाना प्रभारी को पीटते हुए बाहर ले आईं। इसका वीडियो वायरल हो गया। घटना के बाद डीसीपी सिटी ने घटना को रोकने के बजाय वीडियो बना रहे मुख्य आरक्षी हरिकेश और विशाल को निलंबित किया गया था। बाकी लाइन में भेजे गए थे। गीता, ज्वाला और सोनिका को घर में घुसकर मारपीट, गालीगलौज, जान से मारने की धमकी, बलवा में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामले की जांच एसीपी सदर सुकन्या शर्मा कर रही हैं। जांच में सबूत मिले हैं कि पवन नागर की पत्नी गीता को फोन करके थाने में बुलाया गया था। शैली राणा के सरकारी आवास का पता भी बताया गया। पुख्ता सबूत मिलने पर अधिकारियों को रिपोर्ट दी जाएगी। आरोपी पुलिसकर्मियों पर विभागीय कार्रवाई के साथ मुकदमे में भी आरोपी बनाए जा सकते हैं। शुक्रवार को तकरार, शनिवार को हंगामा सूत्रों के अनुसार जांच में पता चला है कि इंस्पेक्टर शैली राणा की थाने के कुछ पुलिसकर्मियों से अनबन चल रही थी। शुक्रवार को उनकी एक मुंशी से तकरार भी हुई थी। इसके अगले दिन ही शनिवार को थाने में हंगामा हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि थाने के दो से तीन पुलिसकर्मी साजिश में शामिल हैं। मिले हैं कुछ सबूत एसीपी सदर सुकन्या शर्मा का कहना है कि प्रारंभिक जांच में आरोपियों को साजिश के तहत बुलाने के सबूत मिले हैं। केस में जांच चल रही है। पुलिसकर्मियों की संलिप्तता की बात भी सामने आ रही है। पुख्ता सबूत जुटाए जा रहे हैं। मामले में जल्द ही अधिकारियों को रिपोर्ट दी जाएगी।

तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवारों को कुचला; एक की मौत, दूसरा घायल

आगरा। के शमशाबाद में तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक सवारों को कुचल दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे के बाद चालक कैंटर छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक थाना शमशाबाद क्षेत्र के शाहपुर गांव का रहने वाला 16 वर्षीय हृदेश पुत्र यशपाल अपने गांव के ही युवक के साथ बाइक से सिलेंडर लेने के लिए निकला था। सोमवार शाम लौटते समय राजाखेड़ा मार्ग पर एसबीआई बैंक के सामने तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। हादसे में हृदेश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गंभीर घायल हुआ है। इंस्पेक्टर शमशाबाद हंसराज भदोरिया ने बताया- हादसे में युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा कैंटर को कब्जे में लिया गया है, हादसे के बाद चालक फरार हो गया।

बरसाना में झूलन महोत्सव का शुभारंभ

प्रातः स्वर्ण जड़ित हिंडोले में झूलकर भक्तों को दर्शन देंगी राधाजी

मथुरा। बरसाना पूरे ब्रज मंडल में झूलन महोत्सव की शुरूआत श्रीराधाजी के धाम बरसाना से ही हुई थी। जहां की लीला स्थलियों पर महाराजा टोडरमल के द्वारा 450 वर्ष पुराने पत्थर के बने हिंडोले दर्शकों को सहज की आकर्षित कर रहे हैं। आज भी सावन माह में हरियाली तीज से ब्रज के तमाम मंदिरों में देव विग्रह झूला झूलते हैं। बुधवार को लाडलीजी मंदिर में 13 दिवसीय झूलन महोत्सव का शुभारंभ हो जाएगा। बताते चलें कि ब्रज मंडल में झूलन महोत्सव अनादिकाल से चला आ रहा है। मुगल शासक अकबर भी झूलन महोत्सव के मुरीद थे। तभी तो उनके राजस्व मंत्री टोडरमल ने प्राचीन झूलन स्थलों पर पत्थर के झूलों व रास मंडलों का निर्माण कराया था। आज भी उक्त स्थलों पर राधाकृष्ण के स्वरुप झूला झूलते है। वैसे तो ब्रज के कुछ मंदिरों में गुरु पूर्णिमा से ही देव विग्रह झूला झूल रहे है। लेकिन हरियाली तीज से बरसाना में तेरह दिवसीय झूलन महोत्सव का शुभारंभ हो जाएगा। बुधवार की सुबह बृषभानु दुलारी स्वर्ण हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों पर कृपा का सागर बरसाएगी। लाडलीजी मंदिर के सेवायत तुलसीराम गोस्वामी ने बताया कि तेरह दिनों तक राधारानी स्वर्ण हिंडोले में झूला झुलेगी। पूरे ब्रज में झूलन महोत्सव की शुरूआत बरसाना से ही हुई है। हरियाली तीज कि सुबह से ही पूरे मंदिर को हरे परिधानों से सजाया जाएगा। वहीं राधारानी को छप्पन भोग भी लगाया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिदिन गोस्वामी समाज के द्वारा हिंडोला के पद गाये जाएंगे। राधारानी मंदिर में स्थित स्वर्ण हिंडोले का निर्माण मंदिर सेवायतों व श्रद्धालुओं के सहयोग से सेठ हरगुलाल द्वारा करवाया गया। सन 1946 में उक्त स्वर्ण हिंडोले का निर्माण हुआ था। इस दौरान बनारस के कनकपुर के जंगलों से शीशम की लड़कियों से हिंडोला तैयार किया गया। उक्त झूले का निर्माण बनारस के कारीगर छोटेलाल द्वारा ही किया गया। जिन्होंने बांके बिहारी जी के झूले का भी निर्माण कराया था। जिसके बाद मंदिर परिसर में रखे चांदी व सोने पत्तर से झूले को सजाया गया।

हरियाली तीज को लेकर जिला मजिस्ट्रेट महोदय ने शोध संस्थान वृंदावन में ली बैठक

मथुरा। जिला अधिकारी महोदय और एस एस पी महोदय के द्वारा हरियली तीज के सन्दर्भ में पुलिस प्रशासन और सिविल डिफेंस मथुरा की ब्रीफिंग बैठक दिनांक 5 अगस्त 2024 को अपराहन 4:00 बजे वृंदावन शोध संस्थान वृंदावन में आयोजित की गई है , जिसमे ठाकुर बाके बिहारी मंदिर वृंदावन में हरियाली तीज त्यौहार के संबंध में अधिकारियों की ब्रीफिंग की जिसमे अधिकाधिक श्रद्धालुओं की संख्या के दृष्टिगत सुदृढ़ सुरक्षा व यातायात व्यवस्था हेतु दिशा-निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालुओं से विनम्र रहे तथा ड्यूटी का जिम्मेदारी से निर्वहन करने को लेकर बैठक आयोजित की गई साथ ही जिसमें पुलिस प्रशासन से एडीएम प्रशासन,

एसपी सिटी डॉ.अरविंद कुमार और समस्त अधिकारीगण और नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के उप नियंत्रक जसवंत सिंह सहायक उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह पोस्ट वार्डन अशोक यादव सैक्टर वार्डन सैलेश खंडेलवाल आदि बैठक में मौजूद रहे। '

सरकार व्यापारियों के हित में उठा रही है कदम : रविप्रकाश

मथुरा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की एक बैठक गोवर्धन रोड स्थित खंडेलवाल सेवा सदन पर आयोजित हुई। व्यापार मंडल पदाधिकारी से चर्चा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान सरकार व्यापारी हित में अनेक कदम उठा रही है लेकिन जानकारी के अभाव में व्यापारी उनसे अनभिज्ञ है और उनका लाभ नहीं ले पा रहा है। वहीं उन्होंने बताया पश्चिम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारीयो को व्यापारी समाज की सहायतार्थ एवं संगठन की मजबूती के लिए व्यापारी हितेषी सरकारी योजनाओं को गोष्ठियों के माध्यम से व्यापारियों को समक्ष रखना चाहिए। वहीं स्थानीय व्यापार मंडल पदाधिकारीयो ने प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल के समक्ष स्थानीय व्यापारी समस्याओं को उठाते हुए उनके निदान की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल का स्मृतिचिन्ह व दुपट्टा उड़ा कर व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारीयो ने स्वागत किया । महानगर अध्यक्ष प्रणय शर्मा ने गौरव शर्मा को महानगर उपाध्यक्ष घोषित किया । इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष कृष्ण मुरारी खंडेलवाल, प्रदेश संगठन मंत्री मदन मोहन श्रीवास्तव,जिला संरक्षक सुशील दीवान, जिला महामंत्री विजय बंटा सर्राफ, महानगर अध्यक्ष प्रणय पाराशर, महानगर मंत्री सचिन ठाकुर, मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा,धौली प्याऊ समिति से श्याम सुंदर गौतम सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आगरा में बदमाश का एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

आगरा। के मलपुरा थाना क्षेत्र में लूट के आरोपी बदमाश की सोमवार आधी रात पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। जबकि दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस के अनुसार आगरा-ग्वालियर रोड स्थित नागला मकरोल पर तमंचे के बल पर व्यापारी पिता-पुत्र से 2 बदमाशों ने 70 हजार और स्कूटी लूट ली थी। लूट की सूचना के बाद से पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही थी। बदमाशों की सूचना पर पुलिस हो गई थी अलर्ट डीसीपी सोनम कुमार ने बताया- बाप-बेटे से लूट के आरोपी बदमाशों के बारे में सूचना मिली कि दोनों मलपुरा की ओर जा रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी पवन कुमार सैनी और ककुआ चौकी प्रभारी अर्जुन प्रताप सिंह और एसओजी टीम मौके पर पहुंचे। टीम ने बदमाशों को घेर लिया। अपने को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में बदमाश दीपक के पैर में गोली लगी। घायल हालत में उसे आगरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी के पास से 32 बोर की देसी पिस्टल और कारतूस के खोखे, बाइक, मोबाइल बरामद हुई है। डीसीपी सोनम कुमार ने बताया-पुलिस फरार बदमाश की तलाश में जुटी हुई है। जल्द फरार बदमाश को भी पकड़ लिया जाएगा।

आगरा में 12% GST-BIS का विरोध सड़क पर जूता व्यापारी

आगरा। शू फैक्टर्स फैडरेशन ने जूते पर जीएसटी को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत किए जाने और क्यूसीओ (क्वालिटी कंट्रोल आर्डर) कानून के विरोध में अपनी आवाज उठाई। व्यापारियों ने हींग की मंडी से लेकर कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकालकर अपनी नाराजगी जाहिर की और इसके बाद डीएम को ज्ञापन सौंपा। फैडरेशन की ओर से हींग की मंडी में आयोजित सभा में अध्यक्ष विजय सामा ने कहा, सरकार गरीब के पैर से जूता और गरीब कारीगर से रोजगार छीनना चाहती है। हम सरकार का विरोध नहीं, बल्कि उनकी नीतियों का विरोध कर रहे हैं। आगरा के साथ अन्याय हो रहा है। हम सरकार से आश्वासन नहीं, बल्कि वचन चाहते हैं कि जूते पर 5 प्रतिशत जीएसटी बनाए रखें, वरना हम टैक्स बढ़ाने के लिए मजबूर होंगे। सामा ने आगे कहा कि 15 प्रतिशत जीएसटी और बीआईएस कानून गरीब जूता कारीगरों के व्यापार के लिए अवरोधक साबित हो रहे हैं। यह कानून मध्यम वर्ग की कमर तोड़ रहा है। हम अपनी मांगें पूरी होने तक इस लड़ाई को जारी रखेंगे। बड़ी कंपनियां छोटे व्यापारियों को व्यापार से बाहर कर देंगी और कुटीर उद्योग समाप्त हो जाएगा। शांति मार्च में जूते पर 12 प्रतिशत जीएसटी और बीआईएस कानून के विरोध में सैकड़ों व्यापारी और कारीगर शामिल हुए। अध्यक्ष विजय सामा के नेतृत्व में, ये लोग हाथ में स्लोगन की तख्तियां लेकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़े। कलेक्ट्रेट पर पहुंचकर सामा ने एडीएम को प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, वाणिज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के नाम अपना मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सलिउद्दीन, रजीउद्दीन, हितेश, चांद दीवान,

सोमनाथ पाहूजा, प्रदीप मेहरा, प्रदीप सरीन, नरेन्द्र पुरसनानी, बाबू पुरसनानी, घमश्याम होरा, तेजचंद छिबरानी, मोहित लालवानी, इंदु लालवानी, निशु चंदानी, प्रदीप कुमार पिप्पल, दिनेश कुमार, संजय अरोड़ा, विवेक महाजन, विजय सहगल, पंकज जसगोमा, संजय जटाना, काली गोल्डन, कपिल बलूचा, राजेश लालवानी, कमलेश, सनी मूलचंदानी, राजन बुद्धिराजा, शरद लूथरा, श्याम भोजवानी, सोनू सचदेवा, अर्जुनदास पेरवानी, अतुल कालरा, दीपक जमनानी, धीरज बुलचंदानी, दिलीप चंदवानी, गजेन्द्र पिप्पल, बरहान सिद्धकी, जितेन्द्र मिड्ढा समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित थे। शांति मार्च में आगरा शू सेंटर, भीम युवा व्यापार मंडल, आगरा शू चैम्बर, ज्ञानी शू कॉम्पलेक्स, न्यू शू मार्केट, एसएन प्लाजा, एसआर शू कॉम्पलेक्स, शीला शू सप्लायर एसोसिएशन, श्रीराम प्लाजा, संजय प्लेस शू मार्टेट एसोसिएशन, गुप्ता शू कॉम्पलेक्स एसोसिएशन, शिवाजी मार्केट, मंटोला बाजार कमेटी, जाटव महापंचायत, भीम संघ, बाबा साहब पंचायत, भीम संघ बारहखम्भा, छोटा तोपखाना नालबंद बाजार कमेटी, नाई की मंडी बाजार कमेटी के पदाधिकारी और सदस्य भी शामिल हुए और फैडरेशन को अपना समर्थन दिया।

भारत में बायोटेक इंडस्ट्री का कारोबार हर साल करीब 11 अरब डॉलर का है। सरकार ने 2025 तक इसकी कैपेसिटी को 100 अरब डॉलर पहुंचाना तय किया है। इस वजह से इस सेक्टर में आगामी सालों में नौकरियों के सबसे ज्यादा मौके नजर आ रहे हैं।

बायोटेक इंडस्ट्री में अपार संभावनाएं

हमारे देश में बायोटेक इंडस्ट्री हर साल 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। भारत में हर साल इसका कारोबार करीब 11 अरब डॉलर का है। सरकार ने 2025 तक इसकी कैपेसिटी को 100 अरब डॉलर पहुंचाना तय किया है। इस वजह से इस सेक्टर में आगामी सालों में नौकरियों के सबसे ज्यादा मौके नजर आ रहे हैं। नेशनल बायोटेक्नोलॉजी डेवलपमेंट स्ट्रेटजी के अनुसार अगले पांच साल में इस सेक्टर में 7 से 8 लाख नई नौकरियां मिलने का अनुमान है। यानी हर साल एक लाख से भी ज्यादा नौकरियां यहां मिल सकती हैं।

जरूरत से कम प्रोफेशनल्स यानी मौके ही मौके

इस सेक्टर में कितना स्कोप है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि देश के 300 से ज्यादा संस्थानों से करीब 50 हजार बायोटेक प्रोफेशनल हर साल निकलते हैं, लेकिन इस इंडस्ट्री में हर साल करीब 80 हजार प्रोफेशनल्स की जरूरत है। बायोटेक्नोलॉजी की डिग्री ले चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ड्रग एंड फार्मास्युटिकल, केमिकल, एनवायरनमेंट, वेस्ट मैनेजमेंट, एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग और बायो प्रोसेसिंग के क्षेत्र में हैं। इसके इलावा अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों में रिसर्च साइंटिस्ट, मार्केटिंग मैनेजर, क्वालिटी कंट्रोल ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन, एनालिस्ट, सेफ्टी स्पेशलिस्ट जैसे पदों पर उनके लिए अवसर हो सकते हैं। इसके अलावा देशभर में 100 से ज्यादा रिसर्च लैबोरेटरी हैं, जिनमें हर साल हजारों लोगों को नियुक्त किया जाता है।

कहां से कर सकते हैं कोर्स?

बायोटेक्नोलॉजी के यूजी और मास्टर कोर्स देशभर के संस्थानों में मौजूद हैं। साइंस स्ट्रीम में 10+2 कर चुके छात्र अंडरग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। बायोटेक्नोलॉजी का बीटेक कोर्स कुछ आईआईटी संस्थानों में भी उपलब्ध है। इसमें प्रवेश जेईई एडवांस के आधार पर मिलता है और हर सीट के लिए 100 से ज्यादा आवेदक होते हैं। साइंस, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी या मेडिसिन में बैचलर डिग्री ले चुके छात्र मास्टर कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अधिकतर संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के जरिए एडमिशन मिलता है।

सैलरी

यूजी कोर्स करने के बाद एंट्री लेने वाले छात्रों का शुरुआती पैकेज 3 से 4 लाख रुपए सालाना तक हो सकता है। एक दो साल के अनुभव के बाद यह रकम 6 लाख से ज्यादा हो सकती है। मास्टर या पीएचडी डिग्री ले चुके छात्रों के लिए नौकरी के अवसर ज्यादा होते हैं और उन्हें पैकेज भी ज्यादा मिलता है। रिसर्च संस्थानों में काम करने वाले प्रोफेशनल्स को शुरुआत में ही 5 लाख रुपए तक का पैकेज मिल सकता है।

देश में हैं 800 से ज्यादा कंपनियां

देश में बायोटेक्नोलॉजी की 800 से ज्यादा कंपनियां हैं। इसके अलावा देशी-विदेशी संस्थाओं में भी छात्रों के लिए नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं ।कृषि, हेल्थकेयर व अन्य क्षेत्रों में बढ़ा उपयोग देश की 50 फीसदी से ज्यादा आबादी के जीवनयापन का जरिया कृषि है, लेकिन घटती पैदावार खाद्य सुरक्षा के लिए संकट है। बायोटेक्नोलॉजी के बेहतर इस्तेमाल से हालात में सुधार हो सकते हैं। हेल्थकेयर, एनवायरनमेंट, इंडस्ट्रियल प्रोसेसिंग, फूड इंडस्ट्री आदि में भी ये तकनीकें कारगर हो सकती हैं। बायोफार्मा सेक्टर अकेले ही देश की अर्थव्यवस्था में 2 अरब डॉलर से ज्यादा का योगदान दे सकता है।

अगर आप वर्ल्ड के टॉप बिजनेस स्कूलों में एडमिशन लेने का ख्वाब संजो रहे हैं इसके लिए बस आपको थोड़ी सी मेहनत करनी पड़ेगी। हम आपको बता रहे हैं इन स्कूलों में दाखिले के लिए जाने वाले ऐसे टेस्ट के बारे में जिनको पास करके आप अपने सपने को साकार कर सकते हैं।

दुनिया के बेस्ट बी स्कूलों में दाखिले के लिए दें यह टेस्ट

इर किसी का सपना होता है कि वह जिस स्कूल से अपनी शिक्षा ग्रहण करें वह दुनिया के टॉप स्कूलों में से हो। अगर आप वर्ल्ड के टॉप बिजनेस स्कूलों में एडमिशन लेने का ख्वाब संजो रहे हैं इसके लिए बस आपको थोड़ी सी मेहनत करनी पड़ेगी। हम आपको बता रहे हैं इन स्कूलों में दाखिले के लिए जाने वाले ऐसे टेस्ट के बारे में जिनको पास करके आप अपने सपने को साकार कर सकते हैं। पहला जीमैट यानि Graduate Management Admission Test - GMAT और दूसरा जीआरई Graduate Record Examination - GRE। बहुत से स्टूडेंटस जीमैट और जीआरई की अहमियत और मान्यता को लेकर कंफ्यूज रहते हैं। दरअसल जीमैट एक इंटरनेशनल लेवल का टेस्ट है जिसे देकर आप दुनिया के प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के एमबीए, मास्टर ऑफ अकाउंटेंसी और मास्टर ऑफ फाइनेंस जैसे मैनेजमेंट कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। वहीं जीआरई एक जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट है जिसके जरिए सभी पोस्ट ग्रेजुएट और डॉक्टोरल प्रोग्राम में एडमिशन लिया जा सकता है। ज्यादातर छात्र, जो कि विदेश से एमबीए करना चाहते हैं, जीमैट परीक्षा ही देते हैं। जीमैट एमबीए के लिए एक स्पेशलाइज्ड टेस्ट है।

क्या है दोनों में फर्क

जीमैट और जीआरई दोनों ही एक तरह से एप्टीट्यूड टेस्ट है। लेकिन इन दोनों परीक्षाओं की प्रकृति और सामग्री अलग-अलग होती है। जीमैट टेस्ट का स्कोर 5 साल के लिए मान्य रहता है। साल में किसी भी समय आप www.mba.com पर जाकर इसके लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। दुनिया भर में इसके 600 टेस्ट सेंटर हैं।

जीमैट का स्कोर 82 देशों के करीब 1600 संस्थान स्वीकार कर रहे हैं। भारत के 90 से ज्यादा बी-स्कूल जीमैट स्कोर के आधार पर एडमिशन देते हैं।

जीआरई का बढ़ता चलन

कुछ सर्वेक्षणों के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में मैनेजमेंट कोर्सेज के लिए जीआरई देने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा हुआ है। ब्रिटेन और अमेरिका में बड़ी तादाद में बी-स्कूल जीआरई में हासिल किए अंकों के आधार पर ही दाखिला दे रहे हैं। वैसे तो जीआरई कंप्यूटर और पेपर-बेस्ड दोनों फॉरमेट में करवाया जाता है लेकिन भारत में यह सिर्फ कंप्यूटर बेस्ड फॉरमेट में ही होता है। दुनिया भर के 1200 से ज्यादा संस्थान इस टेस्ट के स्कोर को स्वीकार करते हैं। इसे भी साल में अधिकतम पांच बार दिया जा सकता है। दो प्रयासों में कम से कम 21 दिन का गैप जरूरी हो।

कौन दे सकता हैं ये टेस्ट

वैसे तो इन परीक्षाओं को ग्रजुएट उम्मीदवार बैठ सकते हैं लेकिन विभिन्न संस्थानों का चयन का तरीका एक-दूसरे से अलग हो सकता है। एक साल में 5 बार जीमैट दिया जा सकता है। लेकिन दो प्रयासों के बीच में 16 दिन का अंतराल होना जरूरी है।

इंटरव्यू के दौरान अपनाएं यह ट्रिक्स

आज के दौर में जॉब पाना मुश्किल होता जा रहा है। कई बार ऐसा होता है कि आपने इंटरव्यू के लिए कितनी मेहनत की होती है। कई बार ऐसा लगता है कि हमने इंटरव्यू में पूछे सारे सवालों का सही जवाब दिया था, फिर ऐसा क्या हुआ कि हमें जॉब के लिए बुलावा क्यों नहीं आया। इसके पीछे कई सारे कारण हो सकते है , लेकिन ज्यादातर यह होता है कि आपसे संतुष्ट नहीं होते, या आप सवालों के जवाब इतने प्रभावी तरीके से नहीं दे पाते।

इंटरव्यू का मकसद सिर्फ कर्मचारी के बारे में जानने या उससे मिलने के लिए नहीं लिया जाता, बल्कि कंपनी में ऊंचे पदों पर बैठे अधिकारी इंटरव्यू के बहाने आपके बारे में भी बहुत कुछ जान लेते हैं। इसलिए किसी भी जगह इंटरव्यू देते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि इंटरव्यू में लेने वाले अधिकारियों पर अपना पॉजीटिव प्रभाव छोड़ सकें।

पहली कंपनी की बुराई ना करें

कई बार लोग इंटरव्यू के दौरान अपने पहले जॉब को कोसते है और संस्थान के बारे में जी भर कर बुराई करते है। इन बातों का इंटरव्यू लेने वालों पर निगेटिव असर होता है। असल में हर बड़ी कंपनी के नियम, स्ट्रक्चर और व्यवस्थाएं लगभग एक जैसी ही होती हैं। इसलिए ऐसी बातों से जॉब न मिलने की आशंका बढ़ जाती हैं। जिनके साथ काम करते हैं, उन्हें कम न समझें जब भी किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाएं तो यह ध्यान रखें कि पहले के संस्थान में काम करने वाले किसी कैंडिडेट के बारे निगेटिव न बोलें। इंटरव्यू लेने वाले के सामने अपने आप को बढ़ा चढ़ा कर पेश ना करें। कोई भी कंपनी हो वह ऐसे कैंडीडेट को ज्यादा तवज्जो देती है जो खुद से निकलकर टीम भावना को लेकर चलता है।

ध्यान न भटकने दें

इंटरव्यू के दौरान अपना ध्यान सिर्फ वहीं फोकस रखें। एक इंटरव्यू के दौरान दूसरे जॉब के बारे में न सोचें। इससे हो सकता है कि आपके आव-भाव में कहीं कोई कमी नजर आने लगे। इससे आप सवालों का सहज जवाब भी नहीं दे पाते। इंटरव्यू में गलती से भी किसी फोन कॉल को अटेंड न करें। इंटरव्यू के बाद आप भले ही कॉल बैक कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको इंटरव्यू लेने वाले अधिकारी कमरे से बाहर भी निकाल सकते हैं।

अतिरिक्त प्रयास करने से बचें

बहुत से लोग इंटरव्यू पैनल को खुद करने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास करते हैं। यह सही तरीका नहीं होता है। अगर आप ऐसा करते है तो हो सकता है कि इंटरव्यू पैनल को लगे कि आपमें अपने जवाब को लेकर आत्मविश्वास की कमी है, इस वजह से आप अपने जवाब पर बार-बार जो दे रहे हैं। ऐसे केंडिडेट के सेलेक्ट होने के चांस कम होते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन

इंटरव्यू के दौरान यह ध्यान रखें कि आपका पहला इंप्रेशन बहुत प्रभावी होता है। आपकी ड्रेस, आपकी एंट्री इंटरव्यू पैनल पर प्रभाव छोड़ते हें। कोशिश करें कि पहले सवाल के जवाब देने के दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज में आत्मविश्वास हो। कंपनी के बारे में रखें जानकारी इंटरव्यू से पहले ज्यादातर लोगों को कंपनी के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती ।आपके पास कितनी भी स्किल्स हो या आपकी क्वालिफिकेशन्स आपको योग्य उम्मीदवार साबित करती हो लेकिन कंपनी के बारे में जानकारी न होना आपके लिए रेड सिग्नल साबित हो सकता है।

बांग्लादेश में उथल-पुथल से भारतीय टैक्सटाइल उद्योग को होगा लाभ

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में हो रही हिंसा से वहां का व्यापार लगभग ठप सा पड़ गया है। बांग्लादेश दुनिया का एक प्रमुख टैक्सटाइल निर्यातक देश है। वह हर महीने 3.5-3.8 बिलियन डॉलर के परिधान निर्यात करता है। बांग्लादेश में मची उथल-पुथल से भारतीय टैक्सटाइल सेक्टर के दिन फिर सकते हैं। निर्यात का एक बड़ा हिस्सा भारत शिफ्ट हो सकता है। बांग्लादेश में फैली अशांति के बाद अंतरराष्ट्रीय खरीदार विकल्प तलाश रहे हैं और उनकी नजर भारत की ओर है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर बांग्लादेश के निर्यात का 10-11 फीसदी तिरुपुर जैसे भारतीय केंद्रों में आता है, तो भारत को हर महीने 300-400 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त कारोबार मिल सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर निर्यातक संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में ऑर्डर में 10 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। उनका कहना है कि

बांग्लादेश वर्तमान में हर महीने 3.5-3.8 बिलियन डॉलर मूल्य के परिधान निर्यात करता है, जो यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में जाते हैं। इसकी तुलना में भारत का मासिक कपड़ा निर्यात लगभग 1.3-1.5 बिलियन डॉलर ही है। भारतीय टेक्सप्रेन्योर्स फेडरेशन के एक अधिकारी का कहना है कि भारत की क्षमता 300-400 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त ऑर्डर को तुरंत संभालने की है। इसकी वजह से भारत और अन्य देशों को फायदा हो सकता है।

भारत डेयरी उद्योग में दुनिया में नंबर वन

भारत में दुग्ध उत्पादन बढ़कर 23.06 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली ।

देश ने पिछले 10 सालों में दुग्ध उत्पादन तथा मछली पालन के क्षेत्र में कई गुनी वृद्धि की है और निर्यात में भी बढ़ोतरी हुई है। केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन ने लोकसभा में आम बजट 2024-25 में अपने विभाग की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश में डेयरी उत्पादन मूल्य 11.16 लाख करोड़ रुपए का है। उन्होंने कहा कि भारत मछली उत्पादन में विश्व में नंबर दो और डेयरी उद्योग में नंबर एक हो गया है। भारत में दुग्ध उत्पादन वर्ष 2013-14 में 14.63 करोड़ टन से बढ़ कर 23.06 करोड़ टन हो गया है। भारत में दुग्ध उत्पादन में छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हो रही है जबकि वैश्विक औसत वार्षिक वृद्धि दो प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि देश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र 68 प्रतिशत असंगठित है जिसे सरकार संगठित बनाने एवं उत्पादन और बढ़ाने का प्रयास करेगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मत्स्य उत्पादन की नीली क्रांति के लिए पश्चिम बंगाल, केरल, आंध्रप्रदेश सहित सभी तटवर्ती राज्यों को भरपूर सहायता दी है। उन्होंने इन राज्यों को दी जाने वाली सहायता की राशि भी बताई। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत ये सहायता दी जा रही है। रंजन ने कहा कि देश में मवेशियों की संख्या भी बढ़ी है। गायों की संख्या 19.09 करोड़ से बढ़कर 19.30 करोड़ हुई है और भैंसों की संख्या 10.8 करोड़ से बढ़कर 11 करोड़ हो गयी है। मत्स्य पालन के उद्योग में 8.2 करोड़ लोग जुड़े हैं जबकि पशुपालन एवं डेयरी उद्योग से 12 करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। वर्ष 2013-14 में भारत में मछली उत्पादन 95.7 लाख टन था जो अब 2023-24 में 174.45 लाख टन हो गया। मत्स्य उद्योग में निर्यात के आंकड़ा साझा करते हुए कहा कि मछली का निर्यात वर्ष 2013-14 में 20213 करोड़ रुपए का था जो अब 60523 करोड़ रुपए का हो गया है।

बांग्लादेश में संकट से भारतीय कंपनियां हो सकती हैं प्रभावित

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश में जारी राजनीतिक संकट से भारत की अर्थव्यवस्था प्रभो वित हो सकती है। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और मुल्क में तख्तापलट होने के बाद सेना सत्ता की कमान संभाल ली है। इसका असर वहां की अर्थव्यवस्था पर देखने को मिल रहा है। जिससे भारतीय कंपनियों का व्यापार भी प्रभावित हो रही हैं। कई भारतीय कंपनियों का बांग्लादेश के बाज़ार में बड़ा निवेश है और वहां स्थापित मैन्युफैक्करिंग यूनिट से बड़ी संख्या में सामानों की आपूर्ति होती है। ऐसे में जिन कंपनियों का माल सीधे बांग्लादेश से आता है उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अगर ऐसा होता है तो उनके शेयरों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है। लगैज निर्माता वीआईपी कंपनी की बांग्लादेश के बाहर 8 मैन्युफैक्करिंग यूनिट हैं और लगभग 30-35 फीसदी माल की आपूर्ति यहां से होती है। मैरिको के लिए बांग्लादेश, इंटरनेशनल बिजनेस का एक अहम घटक है। कंपनी का 44 फीसदी रेवेन्यू बांग्लादेश से आता है। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी डाबर, जीसीपीएल और ब्रिटानिया के शेयर भी बांग्लादेश संकट के कारण फोकस में है।

डॉमिनोज पिज्जा स्टोर चलाने वाली कंपनी जूबलिएंट फूडवर्क्स के बांग्लादेश में 28 स्टोर्स हैं, जो इसकी सेल्स में एक फीसदी का योगदान देते हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट की सोर्सिंग के लिए हांगकांग और थाईलैंड के बाद बांग्लादेश सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक है। ट्रेंट, कपड़ों से जुड़े कारोबार में शामिल है और वेस्टसाइड स्टोर चलाती है। इन कंपनियों के अलावा टेक्सटाइल्स बिजनेस से जुड़ी कंपनियां और उनके शेयर बांग्लादेश से सामानों आपूर्ति कम होने से प्रभावित हो सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल पंजाब सहित कई राज्यों में सस्ता हुआ

नई दिल्ली ।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के भाव पर आधारित होती हैं। आपको बता दें कि भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के भाव तय करती हैं। जिसके बाद हर दिन सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिसका असर आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीज़ल के दामों पर पड़ सकता है। मंगलवार को बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। यहां पेट्रोल 9 पैसे बढ़कर 107.30 रुपये प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे बढ़कर 89.71 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, झारखंड, राजस्थान और तंलंगाना, असम, हिमाचल, मध्य प्रदेश में

पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ गए हैं। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 23 पैसे घटकर 104.53 रुपये प्रति लीटर और डीजल 20 पैसे घटकर 91.06 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, केरल, ओडिशा, पंजाब, तामिलनाडु, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आई है।

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ के लिए दी हरी झंडी

नई दिल्ली ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस और मनबा फाइनेंस समेत पांच कंपनियों को बाजार नियामक सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के मुताबिक आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में बाजार स्टाइल रिटेल, डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड और दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया भी शामिल हैं। दूसरी तरफ सेबी ने 31 जुलाई को संथान टेक्सटाइल्स लिमिटेड के आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे को वापस कर दिया। इसके साथ ही सेबी ने एसके फाइनेंस की प्रस्तावित 2,200 करोड़ रुपये की आरंभिक शेयर बिक्री पर लगी रोक हटा दी है। सेबी के अपडेट के मुताबिक मार्च और जून के बीच आईपीओ संबंधी दस्तावेज दाखिल करने वाली पांच कंपनियों को 30 जुलाई से पांच अगस्त के दौरान नियामकीय अवलोकन पत्र मिले हैं। अवलोकन पत्र पाने का मतलब सार्वजनिक निर्गम जारी करने की मंजूरी से है। दस्तावेजों के मुताबिक बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में 4,000 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर और मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। यह शेयर बिक्री

भारतीय रिजर्व बैंक के उन नियमों का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना जरूरी है। मनबा फाइनेंस का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से 1.26 करोड़ शेयरों का एक नया निर्गम होगा और इसमें कोई ओएफएस नहीं होगा। फिलहाल महाराष्ट्र स्थित मनबा फाइनेंस में प्रवर्तकों की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इन कंपनियों के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

रुपया 25 पैसे बढ़कर 83.84 प्रति डॉलर

मुंबई । वैश्विक बाजारों और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर 25 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में उछाल से स्थानीय मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.85 पर रहा।

डीजल से अधिक सीएनजी कारें बिकी

मुंबई । भारत में पहली बार सीएनजी कारों की बिक्री बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। अभी तक डीजल कारों की सबसे ज्यादा बिक्री होती थी। अब यह ट्रेंड पूरी तरह से बदल गया है। अप्रैल से जून माह की तिमाही में 18.3 फ़ीसदी सीएनजी कारों की बिक्री हुई है। वहीं डीजल कारों की बिक्री घटकर 18 फ़ीसदी रह गई है। मारुति सुज़ुकी की कारें सबसे ज्यादा बिकी हैं। भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत गैस की तुलना में काफी ज्यादा है। सीएनजी कारों में लोगों की रुचि बढी है। पिछले कुछ वर्षों में सीएनजी कारों की बैटरी, स्पीड और गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जिसके कारण वाहन चालकों का सीएनजी कारों के प्रति,पहले जो डर और भय था। अब वह खत्म हो रहा है।

फर्स्टक्राई का आईपीओ खुला, 4193 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

मुंबई । फर्स्टक्राई ब्रांड नाम से छोटे बच्चों के कपड़े और खिलौनों बेचने वाली कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) खुल गया है। फर्स्टक्राई बच्चों और शिशुओं की खरीदारी के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक है। कंपनी का मुख्यालय पुणे में है। फर्स्टक्राई ने इस पब्लिक इश्यू के जरिये 4193.73 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी का आईपीओ 6 अगस्त को बोली लगाने के लिए खुल गया और यह गुरुवार को सब्सक्राइब करने के लिए बंद हो जाएगा। जो निवेशक इस आईपीओ में पैसा लगाना चाहते हैं वे दांव लगाने से पहले इस इश्यू से जुड़ी जरूरी बातें जान लें। फर्स्टक्राई के आईपीओ में 35,827,957 शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जो कुल मिलाकर 1666 करोड़ रुपये तक है। कंपनी ने 2 रुपये प्रति शेयर के फेस वैल्यू के साथ 54,359,733 शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव भी रखा है, जो कुल मिलाकर 2527.73 करोड़ रुपये तक है। फर्स्टक्राई ने आईपीओ के नेट ऑफर का 75 फीसदी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, 10 प्रतिशत से अधिक रिटेल इन्वेस्टर्स और 15 फीसदी नॉन-इन्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए रिजर्व रखा है। कंपनी ने अपने आईपीओ लिए प्राइस बैंड 440-465 रुपये प्रति शेयर तय किया है। लॉट साइज 32 शेयर है। फर्स्टक्राई आईपीओ के लिए बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों को मिनिमम 14,880 रुपये लगाने होंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 166 , निफ्टी 63.05 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और टेलीकॉम शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 166 अंकों नीचे आकर 78,593.07 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 63.05 अंक नीचे आकर 23,992.55 पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार में भारी गिरावट रही थी।

आज कारोबार के दौरान 17 शेयरों में गिरावट रही जबकि 13 में बढ़त रही। इंडेक्स ने दिन की शुरुआत तेज बढ़त के साथ की और 1,092.68 अंक करीब 1.38 फीसदी की वृद्धि के साथ 79,852.08 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, पर बाद में बिकवाली के दबाव में 78,496.57 के निचले स्तर पर फिसल गया।

आज इंट्रा-डे कारोबार में ये 327 अंक तकरीबन 1.35 फीसदी बढ़कर 24,382.60 तक पहुंचा पर इसे बनाये नहीं रखा जा सका। बाजार जानकारों के अनुसार एशियाई बाजारों का भी प्रभाव बाजार पर पड़ा। निवेशक बढ़ते हुए येन, कमजोर अमेरिकी आर्थिक डेटा को देखकर सतर्कता बरत रहे हैं।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर नीचे आये।

वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बढ़त रही। आरबीआई मौद्रिक नीति समिति ने आज से तीन दिवसीय विचार-विमर्श शुरू किया। आरबीआई गवर्नर गुरुवार को द्विमासिक नीति की घोषणा करेंगे।

वहीं एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और शंघाई में तीव्र बढ़त देखी गई, जबकि हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई। जापान के निक्केई 225 शेयर सूचकांक ने मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 10.7 फीसदी की बढ़तर रही जबकि पिछले दिन यह 37 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की थी। दूसरी ओर यूरोपीय बाजार नीचे आये हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को गहरी गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 10,073.75 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले और बीएसई सेंसेक्स 921 अंक बढ़कर 79,680 पर पहुंच गया जबकि निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 262 अंक बढ़कर 24,318 के स्तर पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर टाटा मोटर, लार्सन एंड टुब्रो और ओएनजीसी के शेयर खुलते ही चढ़ गए जबकि एसबीआई लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले इंडिया कारोबार में फिसल गए। इसी तरह बीएसई पर टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स और एलएंडटी में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई

एकम्स ड्रग्स के आईपीओ ने सुस्ती के साथ किया बाजार में प्रवेश

मुंबई । एकम्स ड्रग्स आईपीओ बाजार में सुस्ती के साथ प्रवेश कर गया है। एनएसई और बीएसई पर एकम्स ड्रग्स का शेयर मंगलवार को 725 रुपये के भाव पर लिस्ट हुआ, जो 679 रुपये के प्राइस बैंड से मात्र 6.8 फीसदी ज्यादा है। बाजार विशेषज्ञ ने एकम्स ड्रग्स के शेयर 780 से 800 रुपये प्रति शेयर के बीच लिस्ट होने के अनुमान जताया था जबकि कंपनी के शेयर मात्र 725 रुपये पर लिस्ट हुए। एक समय एकम्स ड्रग्स का ग्रे बाार प्रीमियम 181 रुपये तक चल रहा था। ग्रे मार्केट प्रीमियम निवेशकों की किसी आईपीओ के लिए प्राइस बैंड से ज्यादा मूल्य पर भुगतान करने की इच्छा को दिखाता है। एकम्स ड्रग्स आईपीओ को कुल मिलाकर 63.56 गुना सब्सक्राइब किया गया था। एनएसई के सब्सक्रिप्शन स्टेटस डेटा के अनुसार इस इश्यू को 96.36 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए बिड्स मिली हैं जबकि ऑफर में 1.51 करोड़ शेयर ही थे। पब्लिक इश्यू को रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में 21.30 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है और नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में 42.21 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का पोर्शन 90.09 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के मुख्य बोर्ड ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 646 से 679 रुपये के प्रति इक्विटी शेयर पर तय किया था।

एसपी समूह ने कहा- पीएफसी से मिले उसके ऋण में दोहरी सुरक्षा संरचना है

नई दिल्ली । शापूरजी पलोनजी समूह ने मंगलवार को कहा कि पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन से मिले उसके ऋण में दोहरी सुरक्षा संरचना है, जिसमें मिस्त्री परिवार के स्वामित्व वाले टाटा संस के शेयरों का एक हिस्सा भी शामिल है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) से प्राप्त ऋण को डिफॉल्ट से बचाव बताने वाली खबरों का खंडन करते हुए एसपी समूह ने कहा कि उसकी रियल एस्टेट फ्रेंचाइजी से प्राप्त नकदी प्रवाह से ऋण का निर्धारित अवधि में पूरा भुगतान सुनिश्चित होगा। समूह ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमने पिछले नौ महीनों में पीएफसी के साथ मिलकर एक अनूठा प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें एसपी समूह की बड़ी रियल एस्टेट फ्रेंचाइजी की ताकत के साथ-साथ मिस्त्री परिवार के स्वामित्व वाले टाटा संस के शेयरों के एक हिस्से का लाभ उठाते हुए दोहरी सुरक्षा संरचना है। इसमें कहा गया कि इससे ऋण मूल्य के छह गुना से अधिक सुरक्षा मूल्य मिलता है। रियल एस्टेट फ्रैंचाइजी से प्राप्त नकदी प्रवाह से ऋण का समय पर भुगतान सुनिश्चित होगा। समूह ने कहा कि सम्पूर्ण प्रस्ताव को प्रतिष्ठित तृतीय पक्ष सलाहकारों द्वारा मान्य ठहराया गया है। एसपी समूह के अनुसार उसे 14 जून 2024 को पीएफसी बोर्ड की मंजूरी के बाद औपचारिक स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ था। सूत्रों के हवाले से कुछ खबरों में कहा गया था कि पीएफसी के स्वतंत्र निदेशकों ने एसपी समूह को हाल ही में दिए गए 15,000 करोड़ रुपये के ऋण पर सवाल खड़े किए हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का जलवा 21 साल से बरकरार

मुंबई ।

देश के प्रमुख रईसों में शो मिल मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार 21 सालों से फॉर्च्यून ग्लोबल लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए है। कोई भी भारतीय कंपनी इतने लंबे समय तक इस लिस्ट में बनी नहीं रह सकी है। यह इसका अपनी तरह का अलग रिकॉर्ड है। फॉर्च्यून ने अपनी वेबसाइट पर 2024 की लिस्ट जारी करते हुए कहा कि पिछले साल इसका रेवेन्यू 108.8 अरब डॉलर और मुनाफा 8.4 अरब डॉलर था। ऑयल एंड नेचुरल गैस लिमिटेड (ओएनजीसी)और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) भी इस लिस्ट में शामिल हैं। मगर ओएनजीसी 22 स्थान फिसलकर नंबर 180 और बीपीसीएल 25 स्थान नीचे जाकर 258वें नंबर पर आ गई हैं। इस लिस्ट में टाटा मोटर्स ने 66 पायदान की लंबी छलांग मारी है। टाटा ग्रुप की यह कंपनी अब 271वें नंबर पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक 306वें नंबर और गोल्ड एवं डायमंड ज्वेलरी बनाने वाले राजेश एक्सपोर्ट्स सूची में 463वें नंबर पर मौजूद हैं। वालमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर, अमेजन नंबर दो पर पहुंची फॉर्च्यून के अनुसार, अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट लगातार 11वें साल नंबर 1 पायदान पर रही है।

पिछले साल नंबर 4 पर रही अमेजन 2024 की लिस्ट में नंबर

2 पर आ गई है। सऊदी अरामको 2023 में नंबर 2 से गिरकर नंबर 4 पर आ गई है। हालांकि, 121 अरब डॉलर के मुनाफे के साथ यह लगातार तीसरे साल लिस्ट में सबसे ज्यादा प्रॉफिट वाली कंपनी बनी हुई है। चीन की सरकारी कंपनी स्टेट ग्रिड लिस्ट में नंबर 3 पर रही है। टॉप 10 में और चीनी कंपनियां भी हैं। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सालाना रैंकिंग है जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों को उनके कुल राजस्व के आधार पर सूचीबद्ध करती है। यह सूची अमेरिकी पत्रिका फॉर्च्यून की ओर से प्रकाशित की जाती है।

भारत का स्वर्ण उद्योग नए संघ का गठन करेगा

मुंबई । भारतीय स्वर्ण उद्योग ने क्षेत्र में विश्वास की कमी को दूर करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए भारतीय स्वर्ण उत्कृष्टता एवं मानक संघ (आईएजीईएस) के गठन की मंगलवार को घोषणा की। यह विश्व स्वर्ण परिषद द्वारा समर्थित एक स्व-नियामक संगठन (एसआरओ) है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के एक क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि आईएजीईएस के लिए रूपरेखा स्वतंत्र रूप से संचालित और पेशेवर रूप से प्रबंधित की जाएगी। इसे जल्द ही जारी किया जाएगा, जिसके बाद सदस्यता की घोषणा की जाएगी। संगठन के इस साल दिसंबर या जनवरी 2025 तक काम शुरू करने की उम्मीद है। आईएजीईएस का गठन राष्ट्रीय उद्योग संघों द्वारा किया जाएगा, जिसमें इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए), अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद (जीजेसी) और रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) शामिल होंगे। जीजेईपीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि आईएजीईएस का गठन भारतीय स्वर्ण उद्योग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह नैतिकता पारदर्शिता तथा स्थिरता के उच्चतम मानकों को स्थापित करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमारा लक्ष्य एक साथ मिलकर सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को बढ़ावा देना, उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा उपभोक्ताओं और उद्योग हितधारकों के बीच विश्वास को बढ़ावा देना है।

कितनी बार अपने ही संस्थापक बंगबंधु को मारेगा बांग्लादेश

आर.के. सिन्हा

शेख हसीना ने पहले उन्हें 'रजाकार' (स्वतंत्रता संग्राम के पाकिस्तान समर्थक विरोधी) कहा, और फिर उन्हें 'आतंकवादी' कहा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कोटे को न्यूनतम तक कम कर दिया था। इससे यह उम्मीद बनी थी कि अब बंगलादेश फिर से अमन की तरफ लौट जाएगा। लेकिन, यह उम्मीद गलत साबित हुई। पांच हफ्तों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान बल के प्रयोग, ने जनता के गुस्से को और बढ़ा दिया था। खैर, बांग्लादेश अब तो एक गहरे संकट में जा चुका है।

शेख हसीना का इस्तीफा बांग्लादेश के लिए एक दुखद अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उतनी ही दुखद वे तमाम छवियां है, जिन्हें आज सारी दुनिया टेलीविजन पर देख रही है। इनमें सैकड़ों लोग बांग्लादेश के संस्थापक और शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान की मूरत पर चढ़कर उसे हथौड़े मारकर तोड़ रहे हैं। जिस बंगबंधु की कुर्बानियों के चलते बांग्लादेश का 1971 में स्वतंत्रता संग्राम के बाद जन्म हुआ था, उनकी तस्वीरों और मूरत को तोड़ा और फाड़ा जा रहा है। और पूरी दुनिया ने इसे देख रही है। मैं तो उन चन्द युद्ध संवाददाताओं में एक था जिसने बांग्लादेश के ₹राष्ट्रपिता₹ कहे जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम के नेता शेख मुजीब के पराक्रम, चमत्कार और करिश्माई नेतृत्व को मुक्ति वाहिनी के संघर्ष से लेकर भारत- पाक के युद्ध के बाद बॉग्लादेश की स्वतंत्रता तक नजदीकी से देखा है। फिर यह भी देखा है कि 1975 में किस तरह उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों (विदेश में रह रही हसीना बच गई थीं) की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी।

अब उनकी बेटी और बांग्लादेश को प्रगति के रास्ते पर लेकर जाने वाली शेख हसीना को भी निर्वाचित प्रधानमंत्री पद छोड़ने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। उन्हें देश छोड़ने के लिये मात्र 45 मिनट का अल्टीमेटम दिया गया था, जिसके बाद देश फिर से सेना के पूर्ण नियंत्रण में आ गया है। सेना प्रमुख, जनरल वाकर-उज-जमान, जो इस साल 23 जून से पद पर हैं, ने एक ₹अंतरिम सरकार₹ का वादा किया है। लेकिन, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि आदेश कौन देगा। उन्होंने विपक्षी दलों से बात की है। उन्होंने शेख हसीना की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को रिहा कर दिया है। खालिदा जिया के प्रधानमंत्रित्व काल में बांग्लादेश इस्लामी आतंकवाद का केंद्र बन गया था। खालिदा जिया घनघोर भारत विरोधी रहीं हैं। खालिदा जिया की रिहाई से भारत की विदेश नीति को तय करने वाले चिंतित जरूर होंगे। खालिदा जिया जब अपने देश की प्रधानमंत्री थीं तब वहां टाटा ग्रुप की इनवेस्टमेंट करने की योजना का कसकर विरोध हुआ था। उसे हवा खालिदा की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी(बीएनपी) ही दे रही थी। टाटा ग्रुप की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की जा रही थी। टाटा ग्रुप को ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा बताने वाले भूल गए थे कि टाटा ग्रुप भारत से बाहर दर्जनों देशों में स्वच्छ, स्वस्थ और पारदर्शिता पूर्ण कारोबार करता है। वहां पर तो उस पर कभी कोई आरोप नहीं लगाता।

शेख हसीना सरकार का तख्ता पलटने के साथ ही वहां जमाते ए इस्लामी और भारत विरोधी ताकतें हिन्दुओं और प्राचीन हिन्दू मंदिरों पर हमला करने लगी हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले शेख हसीना के दौर में कमोबेश खत्म हो गए थे। वहां पर अब तो धर्मनिरपेक्ष ताकतों के लिए स्पेस जीवन के सभी क्षेत्रों में घट रहा है। बांग्लादेश में कठमुल्ले कट्टर इस्लामिक हिन्दुओं की जान के पीछे पड़े हुए हैं। उन्हें तो बस मौके भर की तलाश होती है। यह अफसोसजनक बात है कि बांग्लादेश में हिन्दू कतई सुरक्षित नहीं हैं। जबकि बांग्लादेश में सदियों से बसे हिन्दुओं ने बंग बंधु के नेतृत्व में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था।

राजधानी दिल्ली में निर्वासित जीवन जी रही तस्लीमा नसरीन ने अपने उपन्यास ह्यलज्जाह्न में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की दर्दनाक स्थिति पर विस्तार से लिखा है। इसलिए ही उनकी जान के भी दुश्मन हो गए थे कठमुल्ले। मुझसे एक- दो बार तस्लीमा मिलने क्या आ गईं कि मुझे भी सलाहपूर्ण धमकियों भरे कॉल आने लगे थे। उसी विरोध के कारण तसलीमा को भी अंततः अपनी मातृभूमि बांग्लादेश सदा के लिये छोड़ना पड़ा था। तस्लीमा नसरीन का उपन्यास ह्यलज्जाह्न1993 में पहली बार प्रकाशित हुआ था। वह लज्जा में साम्प्रदायिक उन्माद के नृशंस रूप को सामने लाती है। लज्जा के आने के बाद कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा जारी किया था। जिस कारण से वह अमेरिका चली गईं थीं। अपनी जान बचाने की गरज से तस्लीमा लम्बे अरसे तक स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में भी रहीं। वह 2004 में कोलकाता आ गईं थीं। उन पर 2007 में हैदराबाद में भारत के कठमुल्लों ने हमला भी किया पर वे बाल बाल बच गईं।

बांग्लादेश में जेसोर, देबीगंज, राजशाही, शांतिपुर, प्रोधनपारा और आलमनगर में हिन्दुओं पर सर्वाधिक जुल्मों-सितम होते रहे हैं। जब 1947 में भारत का बंटवारा हुआ था, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिन्दू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी के बीच थे। पर 2011 की जनगणना के बाद वहां हिन्दू देश की कुल आबादी का मात्र 8 फीसदी ही रह गए हैं। शेख हसीना के दौर से पहले बांग्लादेश में शायद ही ऐसा कोई दिन बीतता हो, जब किसी हिन्दू महिला के साथ कट्टरवादी बदतमीजी न करते हों। कोई महिला कट्टरवादियों का विरोध करती, तो उसे निर्ममता पूर्वक मौत के घाट उतार दिया जाता।

बांग्लादेश में हिन्दू महिलाएं हमेशा ही कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं। राह चलती किसी लड़की को सरेआम उठाकर कहा जाता है कि उसने इस्लाम कबूल कर लिया है और उसका जबरन निकाह किसी मुस्लिम से कर दिया जाता है। इसलिए दोनों देशों के हिन्दू भारत आना चाहते हैं। यही वजह है कि कुछ लोग सवाल उठाने लगे हैं कि क्या कुछ साल बाद पाकिस्तान और बांग्लादेश हिन्दू-विहीन हो जाएंगे? क्या बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न की खबरें उन भारतीय सेकुलरवादियों तक नहीं पहुंचती हैं, जो हमास के किसी आतंकी को मारे जाने पर इजराईल को पानी पी-पीकर कोसते हैं?

बहरहाल, एक बात तो माननी ही होगी कि शेख हसीना ने भारत के पूर्वोत्तर को सुरक्षित बनाने में बहुत योगदान दिया था। उन्होंने अपने देश के कठमुल्लों को कभी भारत के पूर्वोत्तर भागों में अपना खेल खेलने की इजाजत नहीं दी। क्या अब यह क्षेत्र फिर से आतंकवादियों का केंद्र बन जाएगा? शेख हसीना, जो 2009 से सत्ता में थीं और दुनिया की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता रहीं। लेकिन, वे भी कई कमियों की शिकार रहीं। वह उन चेतावनियों को पढ़ने में विफल रहीं जो एक सामाजिक-आर्थिक और संभावित रूप से भावनात्मक मुद्दे पर विरोध प्रदर्शनों के साथ आई थीं। हाल के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आरक्षित नौकरी कोटे को समाप्त करने की थी, जिसे उनके बच्चों और यहां तक कि पोते-पोतियों तक बढ़ा दिया गया था। नौकरी कोटा उन लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था, जिन्हें इसका लाभ नहीं हुआ था और आर्थिक संकट के बीच शेख हसीना के विरोधियों के लिए यह काम आया।

शेख हसीना ने पहले उन्हें 'रजाकार' (स्वतंत्रता संग्राम के पाकिस्तान समर्थक विरोधी) कहा, और फिर उन्हें 'आतंकवादी' कहा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कोटे को न्यूनतम तक कम कर दिया था। इससे यह उम्मीद बनी थी कि अब बंगलादेश फिर से अमन की तरफ लौट जाएगा। लेकिन, यह उम्मीद गलत साबित हुई। पांच हफ्तों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान बल के प्रयोग, ने जनता के गुस्से को और बढ़ा दिया था। खैर, बांग्लादेश अब तो एक गहरे संकट में जा चुका है। अब इस बात की उम्मीद कम ही है कि वहां पर जिंदगी निकट भविष्य में पटरी पर लौट जाएगी। जो देश अपने संस्थापक का अपमान करता हो, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

भंवर में बांग्लादेश

बांग्लादेश में कुछ महीनों से आरक्षण को लेकर छात्रों का असंतोष इतना व्यापक हो गया कि 15 बरसों देश की सत्ता संभालने वाली प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर भारत भागना पड़क्ष। अब बांग्लादेश में शासन सेना के हाथ में है। जनवरी, 2024 में हसीना ने लगातार तीसरी बार जनादेश हासिल किया था लेकिन मुख्य विपक्षी दल ने चुनाव का बहिष्कार किया था। चुनावों में धांधली का आरोप लगाया था। इसलिए माना जा रहा है कि चुनाव का बहिष्कार करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और कट्टर मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी परोक्ष रूप से छात्र असंतोष को हवा दे रहे थे। जाहिर है कि देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने वाली ताकतों से हसीना सरकार को सख्ती से निपटना पड़ा। लेकिन यह सख्ती सरकार के लिएमहंगी साबित हुई। जनाक्रोश बढ़ता गया और शेख हसीना के पसंदीदा सेना प्रमुख जनरल वकार-उजा-जमां भी उनकी सरकार को बचा नहीं पाए। हसीना सरकार के पतन से यह मिथक भी टूट गया कि देश का आर्थिक विकास शासनाध्यक्ष की सत्ता को स्थिरता प्रदान करता है। वस्तुतः हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश आर्थिक विकास की पटरी पर तेजी से दौड़क्ष लगा रहा था। करीब पचास वर्ष पूर्व जाने-माने अमेरिकी समाज विज्ञानी प्रो. हंटिगटन और नेल्स ने एक परिकल्पना प्रस्तुत की थी जो आज बांग्लादेश पर सही साबित हो रही है। इन विद्वानों का मत है कि विकासशील देशों में सामाजिक-आर्थिक समानता एवं जनसहभागिता के मध्य संघर्ष होता है। सामाजिक-आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच संतुलन कायम करने में हसीना विफल रहीं। विपक्षी दलों द्वारा आम चुनाव का बहिष्कार, छात्रों के आरक्षण विरोधी आंदोलन को बलपूर्वक दबाना आदि सरकार के दमनकारी कृत्यों के कारण हसीना का पंद्रह वर्षों का शासन अचानक धराशायी हो गया। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि जनता 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष के पक्ष और विपक्ष में बंट गई।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं।

आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने हेतु अशांति फैलाने के हो रहे हैं प्रयास

प्रहलाद सबनानी

भारत की लगातार तेज हो रही आर्थिक प्रगति पर विश्व के कुछ देश अब ईर्ष्या करने लगे हैं एवं उन्हें यह आभास हो रहा है कि आगे आने वाले समय में इससे उनके अपने आर्थिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इस सूची में सबसे ऊपर चीन का नाम उभर कर सामने आ रहा है। और फिर, चीन की अपनी आर्थिक प्रगति धीमी भी होती जा रही है। दूसरे, विश्व को भी आज यह आभास होने लगा है कि विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के मामले में केवल चीन पर निर्भर रहना बहुत जोखिम भरा कार्य है। इसका अनुभव विशेष रूप से विकसित देशों ने कोरोना महामारी के बाद से वितरण चैन में आई भारी परेशानी से किया है, जिसके चलते इन देशों में मुद्रा स्फीति की समस्या आज भी पूरे तौर पर नियंत्रण में नहीं आ पाई है। साथ ही, चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते उसके अपने किसी भी पड़ौसी देश से (पाकिस्तान को छोड़कर) अच्छे सम्बंध नहीं हैं। अतः कई देश अब यह सोचने पर मजबूर हुए हैं कि चीन+1 की नीति का अनुपालन ही उनके हित में होगा। अर्थात, यदि किसी उद्योगपति ने चीन में अपनी एक विनिर्माण इकाई स्थापित की है तो आवश्यकता पड़ने पर उसके द्वारा अब दूसरी विनिर्माण इकाई चीन में स्थापित न करते हुए इसे अब किसी अन्य देश में स्थापित किया जाना चाहिए। यह दूसरा देश भारत भी हो सकता क्योंकि भारत अब न केवल ह्वईज आफ डूइंग बिजनेसह्न के क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करता हुआ दिखाई दे रहा है बल्कि भारत में बुनियादी ढांचा के विस्तार में भी अतुलनीय प्रगति दृष्टिगोचर है। केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लागू की गई कई नीतियों के चलते भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है और अब यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अर्थ के कई क्षेत्रों में तो भारत विश्व में प्रथम पायदान पर आ भी चुका है। इससे अब चीन के साथ अमेरिका को भी आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव में कमी आने की चिंता सताने लगी है। अतः विश्व के कई देशों में अब भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर ईर्ष्या की भावना विकसित होती दिखाई दे रही है। इस ईर्ष्या की भावना के कारण वे भारत के लिए कई प्रकार की समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करते दिखाई देने लगे हैं। यह समस्याएं केवल आर्थिक क्षेत्र में खड़ी नहीं की जा रही हैं बल्कि सामाजिक, राजनैतिक एवं आध्यात्मिक आदि क्षेत्रों में भी खड़ी करने के प्रयास हो रहे हैं। सबसे पहिले तो कुछ देश प्रयास कर रहे हैं कि भारत में किस प्रकार सामाजिक अशांति फैलायी जाए। इसके लिए भारत की कुटुंब प्रणाली को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश में विभिन्न टी वी चैनल पर इस प्रकार के सीरियल दिखाए जा रहे हैं जिससे परिवार के विभिन्न सदस्यों के बीच आपस में छोटी छोटी बातों में लड़ने को बढ़ावा मिल रहा है। इन सीरियल में सास को बहू से, ननद को देवरानी से, छोटी बहिन को बड़ी बहिन से, एक पड़ौसी को दूसरे पड़ौसी से, संघर्ष करते हुए दिखाया जा रहा है। इन सीरियल के माध्यम से भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को हावी होते हुए दिखाया जा रहा है। जबकि भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति हमें संयुक्त परिवार में आपस में मिलजुल कर रहना सिखाती है, त्याग एवं तपस्या की भावना जागृत करती है एवं परिवार के छोटे सदस्यों द्वारा अपने बड़े सदस्यों का आदर करना सिखाती है। इसके ठीक विपरीत पश्चिमी सभ्यता के अंतर्गत संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं वे तो व्यक्तिगत स्तर पर केवल अपने आर्थिक हित साधते हुए नजर आते है। पश्चिमी देशों के इन प्रयासों से आज कुछ हद तक भारतीय समाज भी पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित होता हुआ दिखाई देने लगा है। आज विकसित देशों के परिवारों में बेटे के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात वह परिवार से अलग होकर अपना परिवार बसा लेता है। अपने बूढ़े माता पिता की देखभाल भी नहीं कर पाता है। इसके चलते इन देशों में सरकारों को अपने प्रौढ़ वर्ग के नागरिकों के देखरेख करनी होती है और इनके लिए सरकार के स्तर पर कई योजनाएं चलानी पड़ती है। आज इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या के लगातार बढ़ते जाने से सरकार के बजट पर अत्यधिक विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। जबकि भारत में संयुक्त परिवार की प्रथा के कारण ही इस प्रकार की कोई समस्या दिखाई नहीं दे रही है। अतः पश्चिमी देशों द्वारा भारत की कुटुंब प्रणाली को अपनाए जाने के स्थान पर इसे भारत में भी नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। दूसरे, कई देश अब भारत में सामाजिक समरसता के तानेबाने को भी विपरीत रूप से प्रभावित करने के प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। विशेष रूप से हिंदू समाज में विभिन्न मत, पंथ मानने वाले नागरिकों को आपस में लड़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि इन्हें आपस में बांटा जा सके और भारत में अशांति फैलायी जा सके तथा जिससे देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित हो सके। भारत के इतिहास पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि भारत में जब जब सामाजिक समरसता का अभाव दिखाई दिया है तब तब विदेशी आक्रांताओं एवं अंग्रेजों को भारत में अपना शासन स्थापित करने में आसानी हुई है। उन्होंने ह्लबांटो एवं राज करोह्न की नीति के अनुपालन से ही भारत के कुछ भू भाग पर अपनी सत्ता स्थापित की थी। अब एक बार पुनः इसी आजमाए हुए नुस्खे को पुनः आजमाने का प्रयास किया जा रहा है। चाहे वह जातिगत जनगणना करने के नाम पर हो अथवा समाज के विभिन्न वर्गों को दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर किये जाने वाले आंदोलनों की बात हो। तीसरे, कई देशों द्वारा भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य देशों में भी अस्थिरता फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सबसे ताजा उदाहरण बांग्लादेश का लिया जा सकता है जहां हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है। अब बांग्लादेश में अतिवादी दलों के हाथों में सत्ता की कमान जाती हुई दिखाई दे रही है इससे अब बांग्लादेश में भी आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। मालदीव में पूर्व में ही भारत विरोध के नाम पर अतिवादी दलों ने सत्ता हथिया ली है, जो वहां भारत ह्लगो बैकह्न के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं चीन के साथ अपने राजनैतिक रिश्ते स्थापित कर रहे हैं। नेपाल में भी हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद वे चीन के करीब जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। श्रीलंका पूर्व में ही राजनैतिक अस्थिरता के दौर से गुजर चुका है। पाकिस्तान तो घोषित रूप से अपने आप को भारत का दुश्मन देश कहलाता है। अफगानिस्तान में भी तालिबान की सत्ता स्थापित हो चुकी है, हालांकि अफगानिस्तान ने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। कुल मिलाकर भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने हेतु कुछ देशों द्वारा भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में अशांति फैलाकर ये देश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भारत में आने से रोकने के प्रयास कर रहे हैं ताकि विदेशी कम्पनियां भारत में विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित हों और देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण कर ले। इस प्रकार के माहौल में आज भारत के आम नागरिकों में देश प्रेम का भाव जगाने की सबसे अधिक आवश्यकता है एवं विभिन्न समाजों एवं मत पंथ को मानने वाले नागरिकों के बीच आपस में भाई चारा स्थापित करने की भी महती आवश्यकता है।

जेनेटिक सरसोंः अधर में लटका मसला

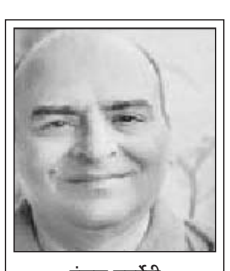

पंकज चतुर्वेदी

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने जेनेटेकली मोडिफाइड अर्थात जीएम सरसों की भारत में व्यावसायिक खेती करने की सरकारी मंजूरी के खिलाफ याचिका पर खंडित फैसला दिया। जस्टिस बीवी नागरत्ना का आकलन था कि जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जीईएसी) की 18-25 अक्टूबर, 2022 को संपन्न जिस बैठक में इसकी मंजूरी दी गई, वह दोषपूर्ण थी क्योंकि उस बैठक में स्वास्थ्य विभाग का कोई सदस्य नहीं था और कुल आठ सदस्य अनुपस्थित थे। जस्टिस संजय करोल का मानना था कि जीईएसी के फैसले में कुछ गलत नहीं है। उन्होंने जीएम सरसों फसल को सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए पर्यावरण में छोड़ने की बात जरूर की। हालांकि, दोनों न्यायाधीश इस बात पर एकमत थे कि केंद्र सरकार को आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति तैयार चाहिए। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के सामने जाएगा। वैसे जीईएसी आनुवंशिक रूप से जीएम फसलों के लिए देश की नियामक संस्था है। लेकिन दो जजों की पीठ ने सुझाव दिया है कि चार महीने के भीतर केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय जीएम फसल के सभी पक्षों, जिनमें कृषि विशेषज्ञों, जैव प्रौद्योगिकीविद्, राज्य सरकारों और किसान प्रतिनिधियों सहित हितधारक शामिल हों, के परामर्श से जीएम फसलों पर राष्ट्रीय नीति तैयार करे।

किसी से छुपा नहीं है कि भारत में खाद्य तेल की जबरदस्त मांग है लेकिन 2021-22 में 116.5 लाख टन खाद्य तेलों का उत्पादन करने के बावजूद भारत को 141.93 लाख टन का आयात करना पड़ा। अनुमान है कि 2025-26 में यह मांग 34 मिलियन टन तक पहुंच जाएगी। हमारे खाद्य तेल के बाजार में सरसों के तेल की भागीदारी कोई 40 फीसद है। ऐसा दावा किया गया कि यदि सरसों उत्पादन में जीएम बीज का इस्तेमाल करेंगे तो फसल 27 प्रतिशत अधिक होगी जिससे तेल की आयात का खर्च काम होगा। हालांकि यह तो सोचना होगा कि 1995 तक देश में खाद्य तेल की कोई कमी नहीं थी। फिर बड़ी कंपनियां इस बाजार में आई। उधर आयात कर काम किया गया और तेल का स्थानीय बाजार बिल्कुल बैठ गया। दावा यह भी है कि इस तरह के बीज से पारंपरिक किस्मों की तुलना में कम पानी, उर्वरक और कीटनाशकों की आवश्यकता होती है, और मुनाफा अधिक।

लेकिन जीएम फसलों खासकर कपास को लेकर हमारे पिछले अनुभव बताते हैं कि ऐसे बीजों की दूरगामी परिणाम खेती और पर्यावरण, दोनों के लिए भयावह हैं। समझना होगा कि जीएम फसलों को उत्पाद के मूल जीन को कृत्रिम रूप से संशोधित किया जाता है। इसके लिए आम तौर पर किसी अन्य जीव से आनुवंशिक सामग्री डाली जाती है जिससे उन्हें नये गुण दिए जा सकें। ये गुण अधिक उपज, खरपतवार कम करने, किसी कीट से लगने वाली बीमारी और कम पानी या फिर बेहतर पोषक तत्व आदि हो सकते हैं। देश में अभी तक कानूनी रूप से केवल बीटी कपास एकमात्र जीएम स्वीकृत फसल है। बीते 17 सालों में कपास की बीज दावों पर खरे उतरे नहीं। बीटी बीज देशी बीज की तुलना में बहुत महंगा है और दावे के विपरीत इसमें कीटनाशक का इस्तेमाल करना ही पड़ा। फसल तो ज्यादा हुई नहीं, लेकिन अब हर साल बीज बाजार से खरीदने की मजबूरी हो गई। विकसित देश बानगी हैं कि इस तरह के बीजों से खेतों की उर्वर क्षमता कम हुई है। पौष्टिक तत्व भी कम हुए हैं।

दुनिया भर में कहीं भी बीटी फसल को खाद्य पदार्थ के रूप में मंजूरी नहीं मिली है। यूरोप में भी इस पर सख्त पाबंदी है। ऐसे में भारत में लोकप्रिय और आम आदमी के इस्तेमाल वाले सरसों के तेल के लिए बीटी पर मंजूरी संदेह पैदा करती है। समझना होगा कि इस तरह के बीजों से उत्पन्न सरसों के फूल मधुमक्खियों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। मधुमक्खियां शहद के लिए ज्यादातर रस सरसों के फूलों से ही प्राप्त करती हैं। सरसों की खेती में इस तरह के बीजों से उत्पन्न फूलों में मधुमक्खियों को परागण तो मिलेगा नहीं, उलटे कुछ जानलेवा कीट की वे शिकार हो जाएंगी। समझ लें कि जीएम बीज हमारे पारंपरिक बीजों के अस्तित्व के लिए खतरा हैं, और अब बदले हुए नाम से जीएम फसलों के लिए बैंगन-टमाटर आदि के लिए पिछले रास्ते से घुसाया जा रहा है। केंद्र सरकार कोई

दो साल पहले जीनोम एडिटेड टेक्नोलॉजी का उपयोग कर नई फसल प्रजातियां विकसित करने के शोध को मंजूरी दे चुकी है। जीनोम एडिटेड प्लांट्स की एसडीएन-1 और एसडीएन-2 श्रेणियों के नियमन की समीक्षा (रेग्युलेटरी रिव्यू) के लिए स्टैंड्र्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर्स (एसओपी) को 4 अक्तूबर, 2022 को अधिसूचित किया जा चुका है। इसमें बेहद चालाकी के साथ जीएम के नाम पर जीन एडिटिंग तकनीक शब्द का इस्तेमाल किया गया है। वैसे यूरोपीय यूनियन में अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि जीन एडिटिंग तकनीकी और जीएम फसल अलग नहीं हैं। जाहिर है कि अदालतें जब जीएम बीजों पर कोई फैसला देंगी तो उसी समय जीनोम एडिटेड प्लांट्स के नाम से ये बीज बाजार में घूम रहे होंगे। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार गठित होने वाली कमेटी में नई तकनीक को युरोपियन यूनियन की तरह जीएम मानना होगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

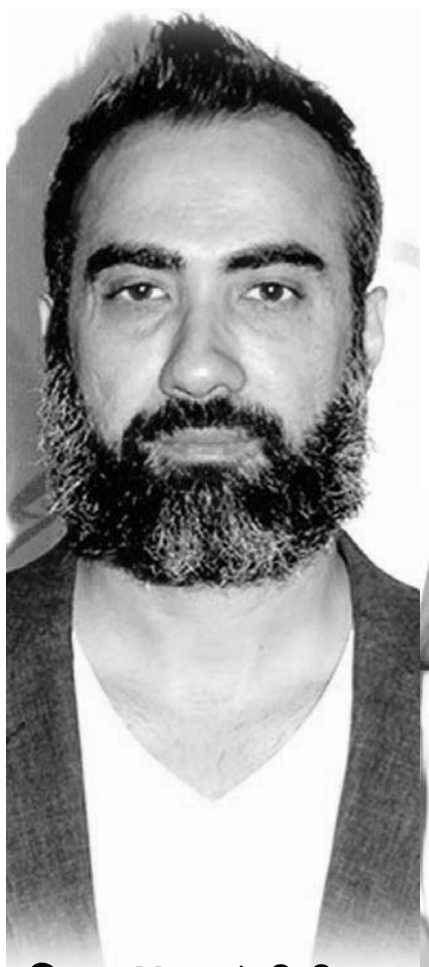

बिग बॉस ओटीटी 3 की ट्रॉफी न मिलने से आहत हैं रणवीर शौरी

अभिनेता रणवीर शौरी ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 का हिस्सा बनकर खूब सुर्खियां बटोरीं। रणवीर एक दमदार प्रतियोगी बनकर उभरे साथ ही एक वर्ग को तो यह भी उम्मीद थी कि वह विजेता की ट्रॉफी उठाएंगे। हालांकि, उम्मीदें टूट गईं और सना मकबूल ने वोटों की अधिकता के आधार पर ट्रॉफी अपने नाम की। रैपर नैजी फर्स्ट रनरअप बने। वहीं, रणवीर शौरी सेकंड रनरअप रहे। अब शो खत्म होने के बाद रणवीर शौरी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है।

अभिनेता शो के निर्माताओं पर ही सवाल खड़े करते नजर आए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में रणवीर शौरी ने कहा कि बिग बॉस ओटीटी 3 के निर्माताओं का सना मकबूल के लिए सॉफ्ट कॉर्नर था। उन्होंने यह भी कहा कि अरमान मलिक या वह शो जीतने के अधिक हकदार थे। रणवीर शौरी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने (सना मकबूल) घर में कुछ भी सकारात्मक किया है। आगे बढ़ने और मैं स्वार्थी हूं, मैं जीतना चाहती हूं का जाप करने या यह मानने के अलावा कि शो इस बारे में है कि आप कितनी बुरी बातें कर सकते हैं और इसे दृढ़ संकल्प कहते हैं। रणवीर शौरी ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कोई सकारात्मक प्रभाव डाला है घर में या घर के सदस्यों पर। मैं उन्हें सबसे योग्य उम्मीदवार नहीं मानता। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि बिग बॉस के मन में उनके लिए कहीं न कहीं सॉफ्ट कॉर्नर था। मुझे लगता है कि उन्हें वोट मिले। इसका सम्मान किये जाने की जरूरत है। उन्हें बधाई... अरमान विजेता हो सकते थे। मैं विजेता हो सकता था। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी सना के लिए अपने शब्दों पर पछतावा हुआ, रणवीर ने कहा, उन्होंने कुछ कठोर बातें कही और उन्हें उसका करारा जवाब मिला। बिग बॉस ओटीटी 3 के अंतिम एपिसोड में, रणवीर और सना के बीच प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई।

प्रशंसकों के प्यार से अभिभूत हैं सना मकबूल

'बिग बॉस ओटीटी 3' की ट्रॉफी जीतने के बाद अभिनेत्री सना मकबूल ने अपना पहला इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने प्रशंसकों का धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपनी जीत का श्रेय प्रशंसकों को देते हुए कहा कि यह एक सामूहिक जीत है। वह उनके द्वारा मिले प्यार से अभिभूत हैं। उन्होंने प्रशंसकों से कहा कि वह इसी तरह अपना प्यार और स्नेह उन पर बनाए रखें।

वीडियो पोस्ट साझा कर जताया आभार

सना ने अपने वीडियो पोस्ट में प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा, 'मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहती हूं। यह हम सबकी जीत है। मुझे आप सब ने ढेर सारा प्यार दिया और मैं चाहती हूं आप इसी तरह ढेर सारा प्यार मुझे देते रहें। ऐसे ही प्यार करें और ऐसे ही सपोर्ट करें। धन्यवाद!'

कैप्शन में लिखा भावनात्मक नोट

सना ने वीडियो संदेश के कैप्शन में लिखा, 'बिग बॉस ओटीटी 3' के सफर के दौरान मुझे प्यार मिला, उसके लिए मैं आभारी हूं। यह आपका अटूट समर्थन है जिसने ट्रॉफी को घर तक लाया है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैंने कितनी नकारात्मकता का सामना किया, आपके प्यार ने सब कुछ खत्म कर दिया। यह वही है जो मैंने वास्तव में पाया है। मेरे दिल की गहराई से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रभास के साथ स्पिरिट में अभिनय करेंगी तृषा

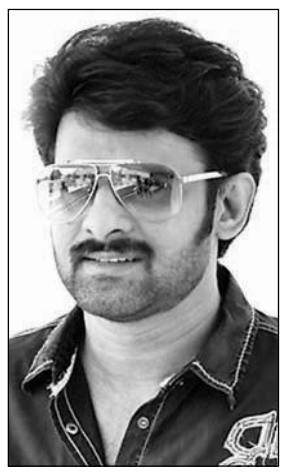

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इसके साथ ही उनके पास खाते में और भी कई दिलचस्प फिल्में हैं। उनमें से एक उनकी फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ है, जिसका नाम स्पिरिट है। यह फिल्म जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने के लिए तैयार है। वहीं अब बीच फिल्म में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री को कास्ट करने को लेकर नई दिलचस्प जानकारी सामने आई है। खबर है कि फिल्म में निर्माता प्रभास के विपरीत नायिका के लिए साउथ अभिनेत्री तृषा को कास्ट करने के बारे में बातचीत कर रहे हैं। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा, जिन्होंने एनिमल और अर्जुन रेड्डी जैसी धमाकेदार फिल्में बनाई हैं, अब वे अभिनेता प्रभास के साथ स्पिरिट नाम की फिल्म में काम करेंगे। अब, इस प्रोजेक्ट के बारे में ताजा खबर यह है कि अभिनेत्री तृषा एक बार फिर प्रभास के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले तृषा ने वर्षम और पूर्णिमा जैसी फिल्मों में प्रभास के साथ काम किया है। ऐसे में अब वे एक बार फिर आगामी फिल्म में प्रभास के साथ अभिनय करेंगी। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्शन थ्रिलर कही जाने वाली इस फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में और खलनायक दोनों की भूमिका में नजर आएंगे। अगर ये खबरें सच हुईं तो यह पहली बार होगा जब प्रभास अपने करियर में नकारात्मक भूमिका निभाएंगे। 300 करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म की शूटिंग दो साल से अधिक समय तक चलेगी। फिल्म की रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। इससे पहले फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने कहा था, हां, स्पिरिट अर्जुन रेड्डी और एनिमल दोनों से बड़ी होने वाली है। निर्माता 300 करोड़ रुपये लगाने जा रहे हैं। मैं हमेशा इस बात पर गौर करता हूं कि निर्माता उस पैसे को कैसे वसूल करेगा।

आयुष्मान खुराना ने छोड़ी मेघना गुलजार की फिल्म दायरा

आयुष्मान खुराना ने अपने 12 साल के लंबे करियर में इंडस्ट्री को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। वहीं, बीते दिन आई रिपोर्ट ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया था। रिपोर्ट थी कि वह अब मशहूर निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा में काम करने जा रहे हैं। इतना ही नहीं इस फिल्म में करीना कपूर खान के होने की भी जानकारी है। हालांकि, अब नई रिपोर्ट ने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। रिपोर्ट की मानें तो आयुष्मान खुराना ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। साथ ही इसके पीछे का कारण भी चौंकाने वाला है। जानकारी के अनुसार, आयुष्मान खुराना जो पहले फिल्म निर्माता मेघना गुलजार की शक्तिशाली ड्रामा में करीना कपूर खान के साथ अभिनय करने के लिए तैयार थे उन्होंने अब शेड्यूलिंग संघर्ष के कारण फिल्म से नाम वापस ले लिया है। कथित तौर पर फिल्म का नाम दायरा है, जो 2019 के हैदराबाद बलात्कार और हत्या मामले पर आधारित है। अगर खुराना इस फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार होते तो यह करीना कपूर खान और मेघना गुलजार दोनों के साथ उनका पहला जुड़ाव होता। इस साल दो प्रमुख फिल्मों के लिए आयुष्मान खुराना की प्रतिबद्धताओं ने उनके लिए गुलजार की फिल्म को अपने शेड्यूल में फिट करना असंभव बना दिया है। रिपोर्ट की मानें तो, मेघना गुलजार साल के अंत तक अपना प्रोजेक्ट शुरू करने का इरादा रखती हैं, यह समयरेखा खुराना की योजनाओं के साथ सटीक नहीं बैठती है। हालांकि, इन खबरों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में आयुष्मान खुराना का एक संगीत दौरा निर्धारित है। जिसके दौरान वह कई प्रमुख अमेरिकी शहरों में प्रदर्शन करेंगे। अपने संगीत दौरे के अलावा, खुराना ने दो फिल्मों के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है।

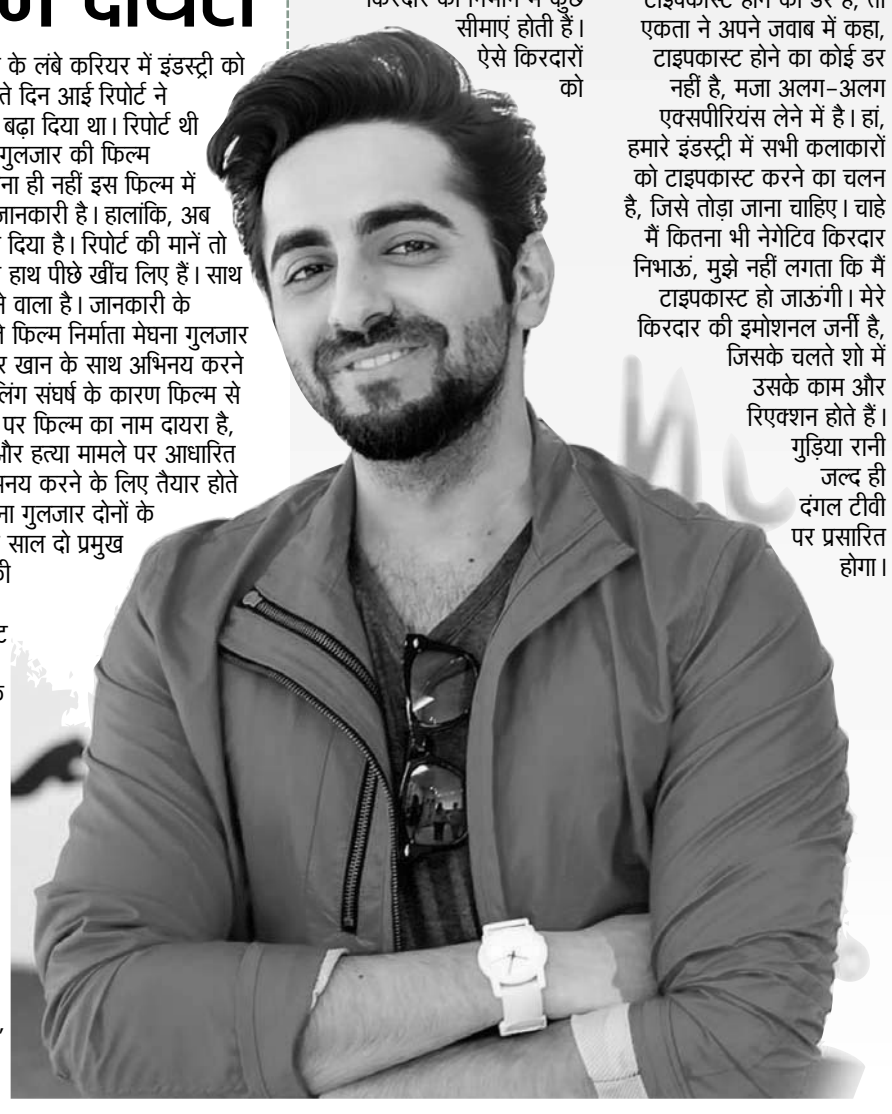

नेगेटिव रोल कई चीजों को एक्सप्लोर करने का देता है मौका

टीवी एक्ट्रेस एकता तिवारी इन दिनों टीवी शो गुड़िया रानी में नजर आ रही हैं। इसमें वह फूल का नेगेटिव किरदार निभा रही हैं। अपने रोल को लेकर एक्ट्रेस का मानना है कि इस तरह के किरदार से एक्टर को यूनिक चीजें एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है, जो एक्सपीरियंस को आगे बढ़ाती हैं। एकता ने बताया कि यह रोल उनके द्वारा निभाए गए अन्य किरदारों से कितनी अलग है। एक्ट्रेस ने कहा, किसी भी प्लेटफॉर्म या प्रोजेक्ट पर पॉजिटिव या नेगेटिव किरदार निभाना एक जिम्मेदारी है, और मुझे लगता है कि एक एक्टर आसानी से उनके बीच स्विच कर सकता है। हालांकि, लीड हीरो के किरदार को निभाने में कुछ सीमाएं होती हैं। ऐसे किरदारों को जिम्मेदार, नैतिक और विचारशील दिखना होता है। एक राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के नजरिए से, पॉजिटिव रोल की कई सीमाएं हैं। एकता ने आगे कहा, नेगेटिव रोल, भले ही वे हिंसक न हो, लेकिन एक एक्टर के तौर पर कई चीजें एक्सप्लोर करने का मौका देता है। पहली बार, मैं गुड़िया रानी में एक नेगेटिव किरदार निभा रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरा रोल काफी कलरफुल है। यह केवल सिर्फ एन्जॉय करने के बारे में नहीं है, यह इससे भी कहीं आगे है। नेगेटिव किरदारों के लिए अक्सर इंटेंस और शार्प परफॉर्मेंस की जरूरत होती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें टाइपकास्ट होने का डर है, तो एकता ने अपने जवाब में कहा, टाइपकास्ट होने का कोई डर नहीं है, मजा अलग-अलग एक्सपीरियंस लेने में है। हां, हमारे इंडस्ट्री में सभी कलाकारों को टाइपकास्ट करने का चलन है, जिसे तोड़ा जाना चाहिए। चाहे मैं कितना भी नेगेटिव किरदार निभाऊं, मुझे नहीं लगता कि मैं टाइपकास्ट हो जाऊंगी। मेरे किरदार की इमोशनल जर्नी है, जिसके चलते शो में उसके काम और रिएक्शन होते हैं। गुड़िया रानी जल्द ही दंगल टीवी पर प्रसारित होगा।

चिरंजीवी की आगामी फिल्म विश्वंभर पर आई नई जानकारी

मेगास्टार चिरंजीवी साउथ सिनेमा का बड़ा नाम हैं। वह तेलुगु के अलावा हिंदी फिल्मों में भी नजर आते हैं। उन्होंने चार दशक से भी ज्यादा समय से दर्शकों का लगातार मनोरंजन किया है। अब एक बार फिर वह दर्शकों का दिल जीतने वापस आ रहे हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म 'विश्वंभर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के निर्माताओं ने उनके फैंस के साथ एक नई जानकारी साझा की है।

'विश्वंभर' में चिरंजीवी और तृषा कृष्णन नजर आने वाले हैं। तृषा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज बृंदा की सफलता का आनंद ले रही हैं। तृषा की ये आगामी फिल्म विश्वंभर एक सामाजिक-काल्पनिक थ्रिलर होने वाली है, जो अब निर्माण प्रकिया की ओर आगे बढ़ रही है। फिल्म का निर्देशन वशिष्ठ मल्लिदी कर रह हैं, जिन्हें बिम्बिसार के लिए काफी सराहना मिल चुकी है। अब इस फिल्म के लिए मशहूर फाइट कोरियोग्राफर को साथ जोड़ा गया है।

मशहूर फाइट कोरियोग्राफर अरासु फिल्म से जुड़े

रविवार को फिल्म के निर्माताओं एक रोमांचक अपडेट साझा की है। उनके द्वारा घोषणा किया गया है कि फिल्म के लिए मशहूर फाइट कोरियोग्राफर एएनएल अरासु को जोड़ा गया है। इस फिल्म के साथ ही अरासु जूनियर एनटीआर की 'देवरा' और ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' जैसी बड़ी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। उन्हें 'विश्वंभर' की टीम ने क्लाइमेक्स एक्शन सीक्वेंस डिजाइन करने के लिए बुलाया है। टीम की तरफ से सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये जानकारी दी गई है।

अगले साल जनवरी में रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि यूवी क्रिएशंस द्वारा बड़े पैमाने पर इस फिल्म को बनाया जा रहा है। 'विश्वंभर' में मेगास्टार चिरंजीवी और तृषा के अलावा आशिका रंगनाथ, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला, आश्रिता वेमुगंती नंदूरी और कुणाल कपूर सहित कई प्रभावशाली कलाकार काम कर रहे हैं। फिल्म में ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी संगीत दे रहे हैं। ये फिल्म 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

खेती करना चाहती हैं मृणाल, जमीन के लिए बचा रहीं पैसे

मृणाल ठाकुर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के साथ दक्षिण भारत में भी काफी ज्यादा मशहूर हैं। मृणाल ने एक बातचीत में खुलासा किया है कि वह खेती करना चाहती हैं। उनके मुताबिक वह एक्टिंग के साथ खेती भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए वह जमीन लेने की तैयारी भी कर रही है।

अभिनेत्री ने कहा कि मैं एक जमीन खरीदना चाहती हूं, जिस पर मैं खेती कर सकूं और उस जमीन पर उगी हुई चीजें खा सकूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस काम के लिए वह पैसे भी बचा रही हैं।

तीसरा एकदिवसीय जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार को मेजबान श्रीलंका को कराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को बराबरी पर लाने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में अगर वह ये मैच नहीं जीत पाती है। तो सीरीज हार जाएगी। सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरा श्रीलंका ने जीता है। ऐसे में तीसरा मैच अगर टाई भी रहता है तो भारतीय टीम सीरीज हार जाएगी। ऐसे मे भारतीय टीम के ऊपर श्रीलंका में सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। इससे पहले भारतीय टीम को 1997 में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम बार एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। तब अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने भारतीय टीम को हराया था। उसके बाद से ही भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 एकदिवसीय सीरीज हुई हैं और सभी में भारतीय टीम जीती है।

भारत के पास इस सीरीज को जीतने का अवसर अब नहीं है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी एकदिवसीय सीरीज में अच्छी नहीं रही है। विशेषकर मध्यक्र रन नहीं बना पाया है। इसी कारण टीम इस प्रकार के हालातों में फंसी है। यहां के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है जिसपर कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं।

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अभी तक केवल 38 रन ही बना पाए हैं। इससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अब वह इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। कोहली को रोहित से मिली आक्रामक शुरुआत को ही आगे बढ़ाने की जरूरत है पर अभी तक वह इसमें विफल रहे हैं। उन्हें संघर्षरत मध्यक्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्हें और अन्य बल्लेबाजों को रोहित की तरह स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा।

श्रीलंकाई स्पिनरों का सामना करने का

तरीका अब तक भारतीय बल्लेबाज नहीं सीख पाये हैं। यहां तक कि स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए। वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक असफल रहे हैं। केवल रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में 64 रन बनाये थे।

टीम

भारत - शुभमन गिल, रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका -पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका (कप्तान), कामिंडु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, डुनिथ वेलालेज, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, जेफरी वेंडरसे

भारत के अन्य बल्लेबाजों को भी उन्हीं की तरह खेलना होगा। भारत इस मैच में शिवम की जगह रियान पराग को अवसर दे सकता है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं।

विनेश पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। विनेश ने क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच को 7-5 से हराया। इसए मुकाबले में विनेश शुरुआत से ही हावी विनेश ने शुरु में ही 4 अंक हासिल किए। इसके बाद से ही वह लगातार हावी रहीं।

विनेश ने जीत से अपना अभियान शुरु किया है। विनेश ने मौजूदा चैम्पियन जापान की युवी सुसाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। विनेश इस मुकाबले में अंतिम मिनट में 0-2 से पीछे हो गयीं थी पर इसके बाद उन्होंने जबदस्त वापसी करते हुए अंतिम 30 सेकंड में बाजी पलट दी।

विनेश को 50 किलो वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती में कठिन ड्रॉ मिला है। इसमें उनका पहला ही विश्व की नंबर एक सुसाकी से हुआ। इसमें विनेश ने अपनी प्रदर्शन से विरोधी खिलाड़ी को पटखनी दे दी। इससे तय है कि विनेश का लक्ष्य पदक जीतना है।

विनेश और उनकी विरोध खिलाड़ी के बीच शुरुआत में कड़ा मुकाबला हुआ। पहले दौर में सुसाकी को एक अंक मिला। विनेश को आक्रामक रुख नहीं अपनाने के कारण रैफरी ने चेताया था ऐसे में 30 सेकंड में उन्हें हमला करना था पर वह नहीं कर पायीं। ऐसे में विरोध पहलवान को अंक मिल गया।

पेरिस ओलंपिक : नीरज चोपड़ा फाइनल में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने पहले ही प्रयास में ग्रुप बी में 89.34 के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनायी। वहीं भारत के अन्य भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने 80.21 मीटर के साथ समापन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 80.73 का थ्रो फेंका था और दूसरे में फाउल किया इस कारण वह क्वालीफाई नहीं कर पाये। भाला फेंक मुकाबला दो चरणों ग्रुप और खिताब के लिए होता है। ग्रुप चरण में 84 मीटर का थ्रो भी क्वालीफाई करने के लिए मान्य होता है, जबकि शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

दोनों ही खिलाड़ियों को अलग अलग ग्रुप में रखा गया है। पहले 16 एथलीट के ग्रुप में शामिल जेना फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐस में अब सभी की उम्मीदों टोक्यो आलंपिक के स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा पर लगी हैं। नीरज दूसरे ग्रुप में भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों में पहले स्थान पर थे। पहले ग्रुप में भारत के हाथ

नाकामी मिली। क्वालिफिकेशन में जेना 84 मीटर का मार्क हासिल करने में नाकाम रहे। उनको पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा। पेरिस ओलंपिक 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में किशोर जेना ने पहला थ्रो 80.73 मीटर का फेंका जबकि दूसरा थ्रो फाउल हो गया. इसके बाद तीसरे थ्रो और आखिरी थ्रो में वह 80.21 मीटर तक ही भाला फेंक पाए।

नीरज के अलावा पाकिस्तान के उनके प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम ने भी पहले ही प्रयास में कमाल का प्रदर्शन किया और 86.59 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वलिफाई कर लिया।

बंगलादेश में हालात खराब, महिला टी20 विश्वकप के लिए वैकल्पिक स्थलों का चयन

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल के आखिर में बंगलादेश में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप आयोजन के लिए वैकल्पिक स्थल के रुप में भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और श्रीलंका को चिन्हित किया है। आईसीसी के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि बंगलादेश की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी विकल्प खुले रखे गए हैं।

आईसीसी के बयान में कहा गया, 'आईसीसी, बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उनकी सुरक्षा एजेंसियों और हमारे अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ इस पूरी स्थिति पर नजर बनाये हुये है। हमारी प्राथमिकताओं में सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और

उनकी देख-रेख शामिल है।' बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस बात की भी संभावना है कि इस वैश्विक टूर्नामेंट को किसी और देश में आयोजित कराया जाए। इस तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए आईसीसी ने भारत, यूएई और श्रीलंका को वैकल्पिक स्थल के रूप में चिन्हित किया है। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में पिछले कुछ हफ्तों से सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है जिसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत की सरकारों ने सोमवार के घटनाक्रम के बाद अपने नागरिकों को बंगलादेश की यात्रा नहीं करने की सलाह जारी की है। ये तीनों देश टी-20 विश्वकप का भी हिस्सा हैं।

डुप्लांटिस ने नौवीं बार स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

सेंट डेनिस। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नौवीं बार स्वर्ण पदक जीता है। डुप्लांटिस ने

इस मुकाबले में 6.025 मीटर की कूद लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इस एथलीट ने ओलंपिक खेलों में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। डुप्लांटिस के इस मैच में स्वीडन के राजा और रानी भी उपस्थित थे। ये एथलीट लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर और एक सेंटीमीटर के अंतर से नौवीं बार रिकॉर्ड तोड़कर अब महान पोल वॉल्ट खिलाड़ी सर्गेई बुबका के काफी करीब पहुंच गया है। डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में इससे पहले भी 2019 में 6.17 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया, और 2020 में इस रिकॉर्ड को बढ़ाकर 6.18 मीटर का रिकार्ड बनाया था। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्हें उन्होंने 6.02 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीते थे। वर्ल्ड चैंपियनशिप - उन्होंने 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोल वॉल्ट इवेंट में स्वर्ण पदक जीते।

दक्षिण अफीका के नये बल्लेबाजी कोच बने इमरान

केप टाउन । पूर्व क्रिकेटर इमरान खान दक्षिण अफ्रीका के नये बल्लेबाजी कोच होंगे। इमरान के पास केवल एक मैच का अनुभव है, ऐसे में उन्हें कोच बनाये जाने से सभी हैरान हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा कि इमरान को नया बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। इस क्रिकेटरने साल 2009 में एक टेस्ट मैच खेला था। वह पिछले पांच साल से डॉल्फिस टीम के कोच थे। इमरान अभी अफ्रीकी टीम के साथ वेस्टइंडीज दौरे पर हैं। वहीं टीम के बल्लेबाजी कोच एश्वेल प्रिंस निजी कारणों से इस दौरे से बाहर हैं। इमरान डॉल्फिस के कोच के रूप में काफी सफल रहे हैं। साल 2020-21 और 2022-23 में उनके कोच रहते हुए टीम ने एक चार दिवसीय टूर्नामेंट जीता था। इसके अलावा 2020-21 के एकदिवसीय कप में उनकी टीम संयुक्त रूप से विजेता रही थी। इसके अलावा उनकी टीम तीन बार सीएसए टी-20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची थी। इमरान के कार्यकाल के दौरान ही कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना पाये हैं। इसने कीगन पीटरसन, केशव महाराज, सारेल ईवी जैसे खिलाड़ी शामिल है। अपने करियर के दौरान इमरान को टेस्ट प्रारुप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 161 प्रथम श्रेणी मैचों में 9367 रन बनाए थे। इसमें 20 शतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने 121 लिस्ट ए और 51 टी-20 मैच भी खेले थे।

जरुरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आये राहुल और आथिया

मुंबई । क्रिकेटर केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी सेव द चिल्ड्रन इंडिया नाम से जाने जाने वाले बच्चों के विपला फाउंडेशन के लिए धन जुटाएंगे। ये फाउंडेशन जरुरतमंद बच्चों की पढ़ाई के साथ ही अन्य कई जरुरतों का ध्यान रखता है। राहुल और अथिया ने एक विशेष क्रिकेट नीलामी का भी आयोजन किया है, जिसमें स्टार खिलाड़ी दिग्गज अपनी कोई बहुत ही प्रिय वस्तु दान करेंगे और फाउंडेशन के लिए वितीय सहायता जुटाएंगे। इसके लिए ये अन्य दिग्गजों को भी अपने साथ जोड़ रहे हैं। राहुल और अथिया ने राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसे प्रसिद्ध और सम्मानित क्रिकेटरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों; जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी इस बारे में संपर्क किया है। राहुल ने कहा. स्कूल में मेरा पहला दौरा बहुत भावुक था और बच्चों ने मुझे इस महान पहल में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जिसका हिस्सा अथिया का परिवार रहा है। नीलामी विपला फाउंडेशन द्वारा बच्चों को एक बेहतरीन शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए किए जा रहे कार्य काम का समर्थन करने का हमारा तरीका है। जब मैंने क्रिकेट बिरादरी से संपर्क किया, तो उन्होंने भी इस महान उद्देश्य के लिए अपने कीमती क्रिकेट सामान दान करने में उतना ही सहयोग किया।

प्रो कबड्डी लीग आगामी सीजन के लिए रिटेन किए गए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

मुंबई (एजेंसी)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) ने मंगलवार को सीजन 11 के लिए 'एलीट रिटेन खिलाड़ी', 'रिटेन युवा खिलाड़ी' और 'मौजूदा नए युवा खिलाड़ी' वर्ग में शामिल खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ी ने खिलाड़ियों के एक मजबूत कोर ग्रुप को बरकरार रखा है और अब वे सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन की मदद से एक मजबूत टीम का निर्माण करना चाह रही है।

दबंग दिल्ली के.सी. ने आशु मलिक और नवीन कुमार की अपनी रेडर जोड़ी को अपने साथ बरकरार रखा है। इस बीच, सीजन 10 में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले स्टार रेडर और कप्तान असलम इनामदार को पुनेरी पल्टन ने बरकरार रखा है। इसके अलावा, जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को बरकरार रखा है। देशवाल पिछले सीजन में टीम के कप्तान भी थे।

कुल 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में बरकरार रखा गया, जिनमें से 22 एलीट

रिटेन्ड प्लेयर्स (ईआरपी) श्रेणी से, 26 रिटेन्ड यंग प्लेयर्स (आरवाईपी) श्रेणी से और 40 मौजूदा नए युवा खिलाड़ी (ईएनवाईपी) से हैं।

जिन खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया गया उनमें पवन सेहरावत, परदीप नरवाल, मनिंदर सिंह, फज़ल अत्राचली और मोहम्मदरेज़ा शादलोई चियानेह जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। ये सभी 15-16 अगस्त 2024 को मुंबई में होने वाले पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर ऑक्शन में नीलामी के लिए जाएंगे।

घरेलू और विदेशी खिलाड़ियों को पीकेएल सीज़न 11 प्लेयर नीलामी में चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। ये श्रेणियां- ए, बी, सी और डी होंगी। खिलाड़ियों को प्रत्येक श्रेणी में 'ऑल-राउंडर', 'डिफेंडर' और 'रेडर' के रूप में उप-विभाजित किया जाएगा।

प्रत्येक श्रेणी के लिए बेस प्राइस
श्रेणी ए - 30 लाख रुपये
श्रेणी बी - 20 लाख रुपये
श्रेणी सी - 13 लाख रुपये
श्रेणी डी - 9 लाख रुपये

सीज़न 11 के प्लेयर पूल में 500 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2024 की दो फाइनलिस्ट टीमों के 24 खिलाड़ी भी शामिल होंगे। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ी के पास अपने दल को बनाने के लिए कुल 5 करोड़ रुपये का सैलरी पर्स मिला है।

डबल्यूआर बनी विश्व ब्लिट्ज़ टीम शतरंज चैंपियन , भारत की एमजीडी1 रही उपविजेता

अस्ताना, कज़ाकिस्तान । विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के ठीक अगले दिन शतरंज के सबसे छोटे फॉर्मेट ब्लिट्ज़ शतरंज की विश्व टीम चैंपियनशिप पहली बार खेली गयी जिसका खिताब विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन के नेतृत्व वाली डबल्यूआर चैस टीम नें भारत की टीम एमजीडी 1 को एक करीबी मुक़ाबले में 3-1 से पराजित करते हुए अपने नाम कर लिया , दोनों टीम के बीच हुए बेस्ट ऑफ 2 फाइनल में एमजीडी 1 पहले बोर्ड पर अर्जुन एरिगासी की कार्लसन के जीत के बाद भी 3.5-2.5 से हार गयी , हालांकि दूसरे मुक़ाबले में टीम नें वापसी की पर मुक़ाबला 3-3 से ड्रॉ रहा और उन्हे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा । इससे पहले टीम एमजीडी1 नें क्वाटर फाइनल में टीम अशडोड क्लब और सेमी फाइनल में रैपिड की विजेता अल एन को पराजित किया वहीं डबल्यूआर टीम नें क्वाटर फाइनल में जीएम हंस टीम और सेमी फाइनल में टीम चैसी को पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया । इस तरह डबल्यूआर टीम नें स्वर्ण, एमजीडी1 नें रजत और सेमी फाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक दिया गया ।

साउथ अफीका टी20 लीग से जुड़ेंगे दिनेश कार्तिक, ऐसा कीर्तिमान करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली । भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने ऐसा कारनामा किया है जो अभी तक किसी भारतीय क्रिकेटर ने नहीं किया। दरअसल, कार्तिक दक्षिण अफ्रीका की मशहूर लीग एसए टी20 लीग में खेलते हुए दिखेंगे। आरसीबी से संन्यास लेने के बाद दिनेश कार्तिक एसए20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। इस दौरान उन्होंने एसए20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंध करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीकी टी20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेट बन गए हैं। आईपीएल में लंबे समय तक खेलने वाले 39 साल के कार्तिक ने इस साल जून में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था और उन्हें आईपीएल टीम आरसीबी ने मेंटर सह बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया है। वहीं एसए20 से जुड़ने के बाद दिनेश कार्तिक ने कहा कि, दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की मेरी बहुत सारी यादें हैं और जब ये अवसर आया तो मैं मना नहीं कर सका क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा।

बांग्लादेश में क्रिकेटर मशरफे मुर्तजा के घर में प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग

खेल डैस्क - बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेट कप्तान मशरफे बिन मुर्तजा पर गुस्सा दिखाया है। गुस्साए लोगों ने मुर्तजा के घर को आग लगा दी है। यह घटना प्रधानमंत्री शेख हसीना के

इस्तीफा देने और सोमवार को बांग्लादेश छोड़ने के बाद हुई। बांग्लादेश में अभी अराजकता और अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि खुलना डिवीजन में नरैल-2 निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य मुर्तजा ने इस साल की शुरुआत में हुए आम चुनावों के दौरान अवामी लीग के उम्मीदवार के रूप में लगातार दूसरी बार अपनी सीट जीती थी। माना जा रहा है कि मुर्तजा ने छात्रों के प्रदर्शन और सामूहिक गिरफ्तारियों पर चुप्पी साधे हुए थी, इससे प्रदर्शनकारी निराश थे।

कौन है मशरफे बिन मुर्तजा

बांग्लादेश के महानतम क्रिकेटरों में से एक माने जाने वाले मुर्तजा ने अपने करियर में 36 टेस्ट, 220 वनडे और 54 टी20ई खेले। उन्होंने सभी प्रारूपों में 117 मैचों में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की जो किसी भी बांग्लादेशी खिलाड़ी के लिए सबसे अधिक है। अपने शानदार करियर के दौरान मुर्तजा ने 390 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए और 2,955 रन बनाए। वह अपनी गति, सटीकता और गेंद को दोनों तरफ स्विंग करने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। मुर्तजा के नेतृत्व कौशल की भी बहुत प्रशंसा की गई, क्योंकि उन्होंने बांग्लादेश को कई यादगार जीत दिलाई।

खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी लेनी होगी , हर चीज के लिए महासंघ को दोष नहीं दे सकते:पादुकोण

पेरिस (एजेंसी)। महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने पेरिस ओलंपिक में लक्ष्य सेन के पदक नहीं जीत पाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं मिल रही हैं तो उन्हें जवाबदेह भी होना चाहिये। पादुकोण ने कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। साथ ही कहा कि हर बार खराब परिणाम के लिए महासंघ को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। लक्ष्य को इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर वह पुरुष एकल स्पर्धा में मलेशिया के जी जिया ली के खिलाफ हार के कारण पदक हासिल नहीं कर पाये। पादुकोण का मानना ??है कि एथलीटों को वह सब कुछ दिया गया जो उन्होंने मांगा था। इसलिए उन्हें अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिये।

पादुकोण ने कहा कि आप जानते हैं, जैसा कि मैंने कहा कि मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हमारे शीर्ष खिलाड़ियों के पास पदक जीतने का मौका था। उन्हें वह सब दिया गया जो वे चाहते थे, उन्हें कभी भी ना नहीं कहा गया, भले ही मांगें कभी-कभी सही नहीं थीं। खिलाड़ियों की ओर से भी प्रयास करने के साथ ही अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिये। थोड़ी अधिक जवाबदेही होनी चाहिए। एक बार जब आपको वह दे दिया जाता है, तो आपको जवाबदेह भी होना होगा। मुझे लगता है कि पिछले ओलंपिक में मैंने ऐसा कहा था। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेना सीखना होगा। मुझे लगता है कि शीर्ष खिलाड़ियों को युवा पीढ़ी को रास्ता दिखाना होगा।

लक्ष्य की हार एक और उदाहरण है जब एक भारतीय एथलीट उस समय प्रदर्शन करने में विफल रहा जब यह सबसे ज्यादा जरुरत थी। वहीं निशानेबाज अर्जुन बाबुता पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे जबकि मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक मैच में तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज बोम्मदेवरा को भी हार का सामना करना पड़ा। निशानेबाज माहेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरुका स्कीट मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल नहीं कर पाये। पादुकोण ने कहा कि महासंघ, फाउंडेशन, अकादमियां, केवल इतना ही कर सकते हैं कि सभी सुविधाएं प्रदान करें पर प्रदर्शन तो खिलाड़ियों को ही करना होगा। साथ ही कहा कि खिलाड़ी उतना अधिक प्रदर्शन और मेहनत नहीं कर रहे जितना ओलंपिक पदक के लिए जरुरत होता है।

हसीना सरकार को हटाना, बांग्लादेश की दूसरी आजादी की तरह : पीएम यूनुस

ढाका। बांग्लादेश में फैली अराजकता के बीच मंगलवार रात अंतरिम सरकार का गठन हो गया इसमें नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनाया गया है। राष्ट्रपति मुहम्मद शहाबुद्दीन ने छात्र आंदोलन के समन्वयक मंडल के 13 सदस्यों से बातचीत के बाद यूनुस को पीएम बनाने का ऐलान किया। इस बातचीत में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। इससे पहले राष्ट्रपति ने देश की संसद को भंग कर दिया था जिससे अब नए आम चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। बांग्लादेश के नवनियुक्त पीएम यूनुस ने हसीना सरकार को हटाए जाने का स्वागत किया और कहा है कि यह बांग्लादेश की दूसरी आजादी की तरह है। ग्रामीण बैंक के जरिये गरीबी दूर करने के प्रयास के लिए यूनुस को 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। 2009 में शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद यूनुस के खिलाफ दर्जनों मामले दर्ज किए गए थे।

अंतरिक्ष से कूदा शख्स, नजारा देख खौफ में आए लोग!

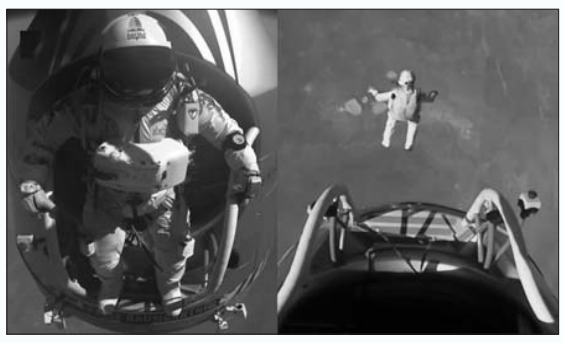

वाशिंगटन। अंतरिक्ष से नीचे कूदते हुए यूट्यूब पर एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में नजर आ रहे शख्स का नाम फेलिक्स बाउमगार्टनर बताया गया है। अंतरिक्ष से छलांग लगाने का यह वीडियो साल 2012 का है। हालांकि, वहां से फेलिक्स के छलांग लगाने को लेकर पूरी तैयारी की गई थी। 1 लाख, 27 हजार 8 सौ 52 फीट की ऊंचाई पर जाने के लिए फेलिक्स ने हीलियम बैलून का इस्तेमाल किया। हीलियम के बैलून में बैठकर फेलिक्स धरती के वायुमंडल की दूसरी निचली परत समताप मंडल तक गए। वहां पर भी धरती का गुरुत्वाकर्षण बल काम करता है। यानी वहां से कोई छलांग लगाए तो आसमान में ऊपर नहीं, बल्कि धरती की ओर गिरेगा। ऐसे में फेलिक्स ने समताप मंडल में जाकर विशेष रुप से बनाए गए अंतरिक्ष सूट को पहनकर धरती पर स्काईडाइव (आसमान से छलांग) किया। इस मिशन को रेडबुल ने स्पॉशर किया था। इस दौरान उन्होंने साउंड की गति को भी पीछे छोड़ दिया और घुमावदार चक्कर में फंस गए। ऐसा लगा कि रेडबुल स्ट्रेटोस मिशन खतरे में आ गया। हालांकि, वे सफलता पूर्वक धरती पर लैंड करने में सफल रहे। फेलिक्स ने कहा कि अंतरिक्ष से नीचे कूदना वास्तव में अनोखा अनुभव था। वीडियो में आप देख सकते हैं कि वे बैलून के नीचे मेटल से बने बॉक्स में बैठकर अंतरिक्ष तक गए। वहां जब बैलून रुक गया, तब वे नीचे की ओर छलांग लगा देते हैं। इस दौरान दर्जनों साइंटिस्ट उन्हें मॉनिटर कर रहे होते हैं। बीच-बीच उनकी भी धुकधुकी बढ़ जाती है। सूट में लगे कैमरे से वो नीचे गिरने का वीडियो भी कैप्चर करते हैं। वे जैसे-जैसे धरती के करीब आते जाते हैं, वैसे-वैसे मॉनिटर कर रहे साइंटिस्ट की खुशी बढ़ती जा रही है। फिर, धरती के नजदीक आते ही फेलिक्स ने अपना पैराशूट खोल लिया और सुरक्षित लैंड कर गए। यूट्यूब पर इस वीडियो को साल 2022 में अपलोड किया गया था, लेकिन अब तक इसे 2 करोड़ 88 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस वीडियो पर अब तक 33 हजार से ज्यादा कमेंट्स आ चुके हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है कि मैं अभी भी यकीन नहीं कर पा रहा हूं कि एक इंसान के लिए अंतरिक्ष से गिरने के बाद भी बच पाना संभव है। इसमें बहुत जोखिम था।

दुनिया के लोगों की संपत्ति बताने वाले की जानकारी इंडेक्स पर उपलब्ध नहीं

-जानें कितनी है ब्लूमबर्ग के फाउंडर माइकल की नेटवर्थ

वाशिंगटन । क्या आपके कभी सोचा है कि ब्लूमबर्ग क्या है और इसका मालिक कौन है? दुनिया के अमीरों की दौलत बताने वाला इसका मालिक खुद कितना दौलतमंद है? ब्लूमबर्ग अमेरिका की कंपनी है। यह फाइनेंस, डेटा और मीडिया से जुड़ी है। यह दुनियाभर के बड़े-बड़े कारोबारियों की दौलत का आंकलन करती है और अपनी वेबसाइट पर रोजाना इसके आंकड़े जारी करती है। इन आंकड़ों के आधार पर खबरें बनती हैं कि किस शख्स के पास कितनी दौलत है और वह

दौलतमंद लोगों की सूची में किसी स्थान पर है। इस कंपनी की स्थापना अक्टूबर 1981 में अमेरिका के न्यू यॉर्क में हुई थी। बिल गेट्स के साथ इंटर्न को नहीं छोड़ते थे अकेला, माइक्रोसॉफ्ट ने अपने मालिक पर क्यों लगाया था बैन ब्लूमबर्ग वेबसाइट के अनुसार इसके फाउंडर माइकल आर ब्लूमबर्ग हैं। इन्हें माइक ब्लूमबर्ग भी कहा जाता है। 82 साल के माइकल अभी भी कंपनी के फाउंडर मेंबर बने हुए हैं। माइकल के अलावा और भी लोग फाउंडिंग टीम में हैं। हालांकि कंपनी के मुख्य कर्ताधर्ता माइकल ही हैं। वह साल 1981 से 2001 तक और फिर 2014 से 2023 तक कंपनी के सीईओ रहे हैं। माइकल राजनीति का भी स्वाद चख चुके हैं। साल 2002 से 2013 के बीच तीन बार न्यू यॉर्क सिटी के मेयर रहे हैं। साल 2020 में माइकल ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से दावेदारी भी पेश की थी। इस साल इन्हें अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडन की ओर से प्रेसिडेंसियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया जा चुका है। अपने बिलेनियर इंडेक्स पर दुनिया के लोगों की संपत्ति बताने वाले माइकल खुद कितनी संपत्ति के मालिक हैं, इसकी जानकारी उनके इंडेक्स (ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स) पर ही नहीं है। फोर्ब्स की सूची के अनुसार माइकल 104.7 बिलियन डॉलर (करीब 8.78 लाख करोड़ रुपये) के मालिक हैं। वह फोर्ब्स की दुनिया के अमीरों की सूची में 13वें स्थान पर हैं। माइकल अपनी काफी संपत्ति दान भी कर चुके हैं। पिछले साल इन्होंने 3 बिलियन डॉलर की रकम दान की थी। यही नहीं, माइकल गन सेफ्टी, क्लाइमेट चेंज, एजुकेशन और दूसरे कामों के लिए अभी तक 17 बिलियन डॉलर से ज्यादा रकम दान कर चुके हैं।हालांकि फोर्ब्स की दुनिया के अमीर लोगों की सूची में माइकल का नाम शामिल है।

इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के पांच लड़ाके मारे गए

तेलअवीव । एक ओर गाजा में हमास, दूसरी ओर लेबनान में हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच संघर्ष लगातार जारी है। इजरायली सेना इन दोनों मोर्चों पर जंग लड़ रही है। वहीं तीसरा मोर्चा ईरान के साथ शुरू होने की प्रबल संभावना है। दक्षिण लेबनान में इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के पांच लड़ाके मारे गए हैं। इनमें एक बड़े कमांडर अली जमाल अलदीन जवाद का नाम भी शामिल है। उसके मरने से हिजबुल्लाह की दक्षिणी लेबनान से उत्तरी इजरायल के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता में काफी कमी आई है। हमले के बाद लेबनान की तरफ से भी ड्रोन और रॉकेट की बौछार कर दी गई है। हमले में बड़ी संख्या में इजरायलियों के घायल होने की सूचना है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश में संसद के बाहर देश का झंड लेकर तस्वीर खिंचाते हुए लोग।

इजराइल से युद्ध को तैयार ईरान की मदद करेगा पाकिस्तान

येरुशलम (एजेंसी)। इजराइल के साथ युद्ध के मुहाने पर खड़े ईरान को पाकिस्तान से अहम हथियार मिलने जा रहे हैं। येरुशलम पोस्ट ने स्रोतों के हवाले से दावा किया है कि ईरान का अगर इजराइल के साथ संघर्ष बढ़ता है तो पाकिस्तान उसे मीडियम रेंज की शाहीन-3 बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति करेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय ने बताया है कि ईरान और पाकिस्तान की ओर से गुजारिश किए जाने के बाद ये बैठक हुई है। 57 इस्लामिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला ओआईसी खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रतिनिदि संगठन के तौर पर पेश करता है। इसमें अरब देशों के साथ ही ईरान, पाकिस्तान और तुर्की जैसे प्रभावशाली गैर-अरब देश भी शामिल हैं। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान की ओर से ये जानकारी दी गई है। ओआईसी की आपातकालीन बैठक ईरान और पाकिस्तान के अनुरोध पर सऊदी अरब में हुई है। सऊदी ओआईसी प्रतिनिधि ने बताया है कि तटीय शहर जेद्दा में हुई बैठक में इजरायल के फिलिस्तीन पर कब्जे और हानिया की हत्या पर चर्चा की गई।

पाकिस्तान की ओर से ईरान मिसाइल दिए जाने

के वादे के दावे से पहले रूस से भी तेहरान को हथियार मिले हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक गेलिक्स एयरलाइंस का एक रूसी आईएल-76टीडी कार्गो विमान 2 अगस्त को तेहरान हवाई अड्डे पर उतरा है। यह एयरलाइन हथियारों के ट्रांसपोर्ट के लिए जानी जाती है। ऐसे में रूस से ईरान में बड़ी संख्या में हथियार आने का दावा किया जा रहा है। इस बीच द वॉल स्ट्रीट जर्नल में मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान सैन्य अभ्यास कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि ये आने वाले दिनों में इजरायल पर हमले की तैयारी है। अमेरिकी अधिकारियों को अभी भी नहीं पता है कि हमला कैसा हो सकता है या सटीक समय सीमा क्या हो सकती है। एक ईरानी सूत्र के हवाले से यह भी कहा गया है कि हमला बुधवार या गुरुवार को हो सकता है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा: मचा हड़कंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के लिए बनाई जा रही योजना का पर्दाफास हुआ है। योजना के तहत ईरान ने पाकिस्तानी नागरिक को ट्रंप की हत्या के लिए हायर किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने पाकिस्तानी व्यक्ति आसिफ रजा मर्चेंट (46) पर आरोप लगाया है कि वह राजनीतिक हत्याओं को अंजाम देने की कोशिश कर रहा था। उसके ईरानी सरकार से संबंध हैं। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ा दी है। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व अमेरिकी अधिकारी इस साजिश का निशाना थे। बता दें कि एफबीआई ने कथित हत्या की साजिश का खुलासा ऐसे समय में किया है, जब कुछ सप्ताह पहले ही पेन्सिलवेनिया में एक 20 वर्षीय युवक ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर एक रैली में गोली चलाई थी। इस हमले में ट्रंप की जान जाते-जाते बची थी। गोली पूर्व राष्ट्रपति के कान को छूते हुए निकली थी। ट्रंप ने खुद को जिंदा बचने को भगवान का चमत्कार कहा था। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने हमलावर को तुरंत मार गिराया था। एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि जांचकर्ताओं को इस बात के सबूत नहीं मिले हैं, पेन्सिलवेनिया में हुई गोलीबारी से मर्चेंट का कोई संबंध था।

अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, ब्रुकलिन में एक शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें आसिफ मर्चेंट पर हत्याओं को अंजाम देने के लिए अगस्त के अंत या सितम्बर की शुरुआत में हत्याओं को अंजाम देने के लिए न्यूयॉर्क शहर की यात्रा करने और एक हत्यारे के साथ काम करने का आरोप है। कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, मर्चेंट ने बताया कि अमेरिका में उन लोगों को निशाना बनाना चाहता था, जो पाकिस्तान और (मुस्लिम) दुनिया को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उसने कहा था कि ये सिर्फ सामान्य लोग नहीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि मर्चेंट को 12 जुलाई को गिरफ्तार किया गया, जब वह अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर रहा था।

सुनीता और बैरी विल्मोर को लाने बोइंग ने बनाया नया प्लान

वाशिंगटन (एजेंसी)। सिर्फ 12 दिन शेष... इसलिए नासा की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। दरअसल भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अंतरिक्ष में फंसे हैं। 2 माह से उन्हें धरती पर लाने की कोशिशें हो रही हैं। अब नासा ने बोइंग स्टारलाइनर के साथ मिलकर एक नया प्लान बनाया है। बोइंग के मुताबिक, उनके एक्सपर्ट ने 100,000 से ज्यादा कम्प्यूटर सिमुलेसंस किए हैं, जो बिल्कुल सटीक हैं। कोई खराबी नहीं आई। इस सिस्टम से हम अंतरिक्ष यात्रियों को आसानी से धरती पर उतार सकते हैं।

सुनीता और विल्मोर बोइंग स्टारलाइनर की पहली उड़ान से अंतरिक्ष में गए थे। फिलहाल दोनों इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर फंसे हुए हैं, क्योंकि अंतरिक्ष यान में खराबी आ गई थी। अब कम्प्यूटर सिमुलेसंस से पता चला है कि 28 में से 27 रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह फिट हैं, उनमें कोई खराबी नहीं आई है। जिस तरह से उन्हें भेजा गया, ठीक उसी तरह से वे लौटे हैं। इससे साफ हो गया है कि अगर इस सिस्टम के जरिए दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने की कोशिश की जाती है, कोई दिक्कत नहीं आएगी।

स्पेसक्राफ्ट में आई खराबी की पहचान करने के लिए बोइंग के एक्सपर्ट ने एक दो नहीं बल्कि 100,000 से ज्यादा कम्प्यूटर सिमुलेसंस किए। हर लाइनअप की बारीकी से पड़ताल की गई। जानने की कोशिश की गई कि जब स्पेस स्टेशन से अनडॉक किया जाएगा, धरती के वायुमंडल में प्रवेश होगा, और महासागर के ऊपर ले जाया जाएगा, तो कैसी स्थिति बनेगी। इसके लिए रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम के 7 ग्राउंड टेस्ट किए गए। एक फ्री फ्लाइट भी की गई। बोइंग ने कहा, हमारा सिस्टम फुलप्रूफ नजर आ रहा है। उम्मीद है कि हम जल्द अपने मिशन में कामयाब होंगे। बोइंग नासा के साथ मिलकर अभी स्पेसक्राफ्ट के डेटा का विश्लेषण कर रहा है। क्योंकि कैप्सूल के थ्रस्टर्स में विस्फोट और हीलियम लीक होने की वजह से जो मिशन सिर्फ 8 दिन का था, अब 60 दिन से अधिक का हो गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या, उनके घरों में लूट और मंदिरों में लगाई जा रही है आग

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अराजकता चरम पर है। यहां उपद्रवी न सेना की सुन रहे हैं और न ही किसी सरकारी अधिकारी की। वे सिर्फ हिंदुओं को टारगेट कर उनकी हत्या कर रहे हैं और उनके घरों में आग लगा रहे हैं। अब देश के 39 जिलों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के बांग्लादेश चैप्टर के अनुसार बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में 39 जिलों के हिंदुओं को टारगेट कर उनकी हत्या की गई है। उनके घर और मंदिरों में न केवल तोड़फोड़ और लूटपाट की गई, बल्कि उनमें आग भी लगा दी गई, उनके घरों से महिलाओं लड़कियों को जबरन उठा लिया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि इन हमलों में हिंदू नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। वह जान बचाने के लिए इधर से उधर भागते फिर रहे हैं।

बांग्लादेश में पिछले कई महीने से लागातार विरोध प्रदर्शन हो रहा था, लेकिन सोमवार, 4 अगस्त को मामला

काफी बिगड़ गया जब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे कर देश छोड़ दिया। उग्रवादियों ने संसद और प्रधानमंत्री आवास पर कब्जा जमा लिया और लूटपाट किया। लेकिन, हसीना सरकार के जाने के बाद जिसे ज्यादा नुकासान उठाना पड़ा वह बांग्लादेशी हिंदुओं को। शेख हसीना के देश छोड़कर भाग जाने के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा की घटनाओं में रातों-रात 100 और लोगों की हत्या कर दी गई। राजनीति से जुड़े हिंदू नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है और वह अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं।

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के बांग्लादेश चैप्टर के मुताबिक ताजा हिंसा में अब तक 39 जिलों में हिंदू नेताओ की हत्या की गई है। रंगपुर में दो हिंदू काउंसलर की हत्या। अवामी लीग से जुड़े हराधन राय की हत्या। काउंसलर काजल रॉय की हत्या। और शेरपुर में श्रीबर्दी उपजिला यूथ काउंसिल के अध्यक्ष के घर पर हमला, तोड़फोड़ और लूट की गई। खुलना में कई हिंदुओ और नेताओ के घर पर हमला और तोड़फोड़ कर सामान लूट ले गए। हमलावरों ने फेनी में बासपारा दुर्गा मंदिर में लूटपाट कर आग लगा दी और पांच हिंदू दुकानों में भी लूटपाट की और आग लगा दी। दिनाजपुर में फुलथाला हिंदू श्मशान घाट पर कब्जा कर लिया जबकि परबातीपुर का काली मंदिर समेत पांच मंदिरों में तोड़फोड़ कर दी। उपद्रवियों ने लक्ष्मीपुर में व्यावसायिक दीपक शाह के घर और दफ्तर पर हमला बोल दिया। ऐसी ही घटना अग्रपुर गांव के नकुल कुमार और सुहसंता चक्रबर्ती के साथ हुई। ऐसी एक नहीं सैकड़ों घटनाएं हैं।

ईसाई देश बनाने का सपना देखने वाला वाइट मैन छिपा है तख्तापलट के पीछे!

-शेख हसीना 3 माह पहले बता चुकीं थीं राजनीतिक पतन की कहानी

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश हो चल रही खूनी हिंसा के पीछे की कई कहानियां निकलकर आ रहीं हैं। कभी कहा जाता है कि पाकिस्तान और चीन इस हिंसा के पीछे काम कर रहा है लेकिन इसके पीछे एक वाइट मैन भी छिपा हुआ है। हसीना के दुखद राजनीतिक अंत की शुरुआत मई में तब शुरू हो गई थी जब उन्होंने इसका सार्वजनिक तौर पर जिक्र किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी सरकार को गिराने की साजिश रची जा रही है। तब हसीना ने कहा था- अगर में इस ख़ास देश को एयरबेस बनाने की इजाजत दे देती हूं तो मेरे लिए कोई परेशानी नहीं होगी। कौन है सवाल के जवाब पर तब हसीना ने अमेरिका का नाम खुलकर तो नहीं लिया, लेकिन कहा कि वाइट मैन से उन्हें ऐसी धमकियां मिल रही हैं। शेख हसीना ने बांग्लादेश में तख्तापलट से तीन महीने पहले ही अपने दुखद राजनीतिक पतन की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने दावा किया था कि उनकी सरकार को गिराने के लिए षड्यंत्र रचे जा रहे हैं और उनके पिता और स्वतंत्रता नायक शेख मुजीबुर रहमान की तरह उनकी भी हत्या की जा सकती है। उन्होंने बांग्लादेश और म्यांमार को मिलाकर एक नया ईसाई देश बनाने की वाइट मैन की साजिश का भी आरोप लगाया था।

हसीना ने मई में कहा था, अगर मैं किसी खास देश को बांग्लादेश में एयरबेस बनाने की इजाजत देती, तो मुझे कोई दिक्कत नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव एक वाइट मैन की ओर से आया था, लेकिन उन्होंने किसी देश का नाम नहीं बताया। हालांकि उनकी बातों से साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अमेरिका की तरफ इशारा कर रही हैं। हसीना के मुताबिक, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अभी और परेशानी होगी।हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश और म्यांमार को ईसाई देश बनाने का दबाव डाला जा रहा था। हसीना के मुताबिक, उन्होंने कहा था, पूर्वी तिमोर की तरह। वे बांग्लादेश (चटगाँव) और म्यांमार के कुछ हिस्सों पर कब्जा करके बंगाल की खाड़ी में अपना आधार बनाकर एक ईसाई देश बनाएंगे। हालांकि, उन्होंने (हसीना) किसी भी दबाव के आगे न झुकने की कसम खाई थी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में पिछले दो महीनों से कोटा में आरक्षण को लेकर छात्रों का उग्र प्रदर्शन चल रहा था। हालांकि दो दिन पहले अचानक प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया और अराजकता फैल गई। रविवार को सबसे भीषण प्रदर्शन हुए, जिसमें पुलिस के साथ झड़प में 100 से ज़्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से अब तक कुल मौतों की संख्या 400 से ज़्यादा हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को प्रधानमंत्री के आवास पर हमला किया, लेकिन हसीना पहले ही इस्तीफा देकर सैन्य विमान से देश

छोड़ चुकीं थी। इसी साल जनवरी महीने में शेख हसीना पांचवीं बार चुनाव जीतकर सत्ता के शीर्ष पर विराजमान हुईं। हालांकि इस बार उनके लिए हालात शुरू से बेहतर नहीं थे। पहले चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया फिर दो महीने पहले आरक्षण को लेकर सुलगी आग ने पूरे देश को दंगों में झोंक दिया। अगस्त आते आते हालत ये हो गए कि शेख हसीना को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। अभी वो भारत की शरण में हैं और अपने पक्के ठिकाने के लिए ब्रिटेन की तरफ टकटकी लगाए हुए हैं।

क्रिप्टो-केंद्रित मतदाताओं को लुभाने में जुटे ट्रंप

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रम्प ने क्रिप्टो सम्मेलन में भीड़ से कहा कि अपना बिटकॉइन कभी न बेचें। ट्रंप का भाषण नवंबर के चुनाव से पहले क्रिप्टो-केंद्रित मतदाताओं को आकर्षित करने के उनके प्रयास में नवीनतम प्रस्ताव था और उन्होंने राज्य बिटकॉइन रिजर्व की योजना सहित कई अभियान वादे पेश किए। ट्रम्प ने कहा कि यदि निर्वाचित होते हैं, तब यह मेरे प्रशासन की नीति होगी कि अमेरिकी सरकार वर्तमान में जो भी बिटकॉइन रखती है या भविष्य में अर्जित करती है, उसका 100 प्रतिशत अपने पास रखेगी। यह धनराशि रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार के मूल के रूप में काम करेगी। दरअसल, ट्रंप इकलौते नहीं हैं। अमेरिकी सीनेटर सिंथिया लुमिस ने कानून पेश किया है जिसके तहत अमेरिकी सरकार एक मिलियन बिटकॉइन खरीदेगी, जो कुल आपूर्ति का लगभग 5 प्रतिशत है, जबकि स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने चार मिलियन बिटकॉइन के सरकारी भंडार का सुझाव दिया है। रणनीतिक रिज़र्व अमेरिकी सरकार द्वारा रखी गई बड़ी मात्रा में बिटकॉइन का एक उपयोग होगा। हालाँकि, जूरी इस पर निर्णय नहीं ले रही है कि इसका उपयोग किस लिए किया जाएगा, क्या यह संभव है, या क्या यह व्यापक क्रिप्टो बाजार के लिए स्वागतयोग्य है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सरकार के पास क्रिप्टो का बंपर कैश है। लगभग 11.1 बिलियन डॉलर मूल्य जिसमें 203,239 बिटकॉइन टोकन शामिल हैं, जिसमें कहा गया है कि यह ढेर आपराधिक बरामदगी से आया है, जिसमें ऑनलाइन मार्केटप्लेस सिल्क रोड भी शामिल है, जिसे 2013 में बंद कर दिया गया था।

गृह मंत्रालय से रिटायर्ड बुजुर्ग की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली । ग्रेटर नोएडा में बदमाशों के हौंसले बुलंद है। यहां पार्क में टहलने आए बुजुर्ग की बदमाशों ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। वह गृह मंत्रालय से रिटायर हुए थे। दिनदहाड़े बुजुर्ग की हत्या से ग्रेटर नोएडा में दहशत व्याप्त है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुट गयी है। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए है। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह अज्ञात बदमाशों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति के ऊपर ताबड़तोड़ गोली चलाकर उनकी हत्या कर दी। 70 वर्षीय हरि प्रसाद सुबह पार्क में टहलने गए थे। बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे और हरि प्रसाद को पिस्तौल से गोली मार मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीसीपी सेंट्रल नोएडा ने बताया कि पुलिस सोसाइटी के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से बदमाशों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। बुजुर्ग की हत्या क्यों हुई इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि वह गृह मंत्रालय से रिटायर थे और मौजूदा समय में ग्रेटर नोएडा में रह रहे थे।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करे सरकार.... गुजरात से कांग्रेस सांसद की मांग

-शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने जाहिर की खुशी

अहमदाबाद । गुजरात में कांग्रेस की इकलौती लोकसभा सदस्य गेनीबेन ठाकोर द्वारा लोकसभा में गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने का मुद्दा उठाने पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रसन्नता जाहिर की है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि गेनीबेन ने चुनावों से पहले जो वादा किया था। उस वादे को पूरा किया है। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि उन्होंने अपनी पार्टी लाइन से हटकर गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग लोकसभा में उठा दी है। इसके बाद वे अब भारत के 100 करोड़ सनातन धर्मियों की नेता बन गई हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में गेनीबेन ठाकोर गुजरात की बनासकांठा सीट से जीती थी। 2014 और 2019 में कांग्रेस पार्टी को गुजरात में एक भी सीट नहीं मिली थी। 2024 में कांग्रेस के खाते में बनासकांठी की सीट आई थी। गेनीबेन ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया था। इसके साथ गेनीबेन ठाकोर ने पशुपालन और गौ-रक्षा को मुद्दा उठाया था। तब उन्होंने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की मांग का उल्लेख लोकसभा में किया था। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए पदयात्रा की थी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गेनीबेन ने साबित किया कि आखिर कोई तो हैं जो गौमाता की आवाज उठा सकता है।

सीमा लांघ रहा था पाकिस्तान ड्रोन, बीएसएफ जवानों ने मार गिराया

गुरदासपुर। पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक में बीएसएफ की 113 बटालियन ने एक पाक ड्रोन को मार गिराया है। बीओपी डीबीन रोड पर एक पाक ड्रोन सीमा लांघ रहा था जब तैनात जवानों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने उसे मार गिराया और पाक के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। बता दें इससे पहले गत रविवार रात को भी जवानों ने भारतीय सीमा में घुस रहे पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग व इलु बम दागे थे। बीएसएफ की 113 बटालियन के बहादुर जवान तीन दिन में दो बार भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर चुके हैं। बुधवार अल सुबह से ही बीएसएफ और पुलिस की ओर से इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि इसी बटालियन के जवान पूर्व में पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराने में सफल रहे थे।

उत्तराखंड के बागेश्वर में हो सकती है तेज बारिश, कई क्षेत्रों में पड़ेंगी बौछारें

देहरादून । उत्तराखंड में अधिकतर इलाकों में भारी बारिश थम गई है लेकिन देहरादून समेत कई क्षेत्रों में तीव्र बौछारें अभी भी जारी हैं। हल?द्वानी में मंगलवार देर रात से बारिश शुरु है जिससे उमस से राहत मिली और मौसम खुशगवार हो गया। वहीं बदरीनाथ हाईवे पर कमेडा में पहाड़ी से गिरे मलबे की चपेट में आने से एक कार बाल-बाल बची गई। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को भी प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बादल छाए रहेंगे। बागेश्वर में आकाशीय बिजली चमकने के साथ ही भारी बारिश हो सकती है इसको लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। देहरादून, नैनीताल, पिथौरागढ़ और चंपावत में भी कहीं-कहीं गरज के साथ तेज बारिश हो सकती है। दून में मंगलवार को कई इलाकों में जोरदार बारिश हुई थी। कुछ ही देर बाद आसमान साफ हो गया और धूप निकल आई। मौसम विभाग के मुताबिक दून में बुधवार को भी भारी बारिश के एक-दो दौर हो सकते हैं। आसपास के इलाकों में गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा : फर्जी आंसर शीट मिली, मास्टरमाइंड समेत दस गिरफ्तार

पटना। बिहार में 38 जिलों में 545 सेंटर्स पर पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा जारी है। करीब 18 लाख छात्र इस परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा 7 अगस्त से 28 अगस्त तक चलेगी। परीक्षा से पहले खगड़िया में फर्जी आंसर शीट और पेपर मिले हैं। मंगलवार देर रात पुलिस ने छापेमारी कर सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड समेत दस लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को जानकारी मिली कि सॉल्वर गैंग के 90 छात्रों को एक मैरिज हॉल में इकट्ठा कर ओएमआर शीट पर पेपर सॉल्व करवा जा रहा है। मास्टरमाइंड परबत्ता प्रखंड के नयागांव का रहने वाला है। आरोपी दिवाकर कुमार ने परीक्षार्थियों से एक-एक लाख रुपए लिए थे। सभी छात्रों को पेपर देने की बात कही गई थी। पुलिस ने मैरिज हॉल से पकड़े गए सभी परीक्षार्थियों का सत्यापन कर परीक्षा में शामिल होने के लिए छोड़ दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस को मौके पर से परीक्षा से जुड़े फर्जी ओएमआर सीट सहित कई पेपर भी मिले हैं। पटना के टीपीएस कॉलेज के पास गली में कुछ अभ्यर्थी मोबाइल से देखकर पर्ची पर कुछ नोट करते नजर आए। हालांकि, टीपीएस कॉलेज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। सदर एएसपी स्वीटी सहरावत खुद केंद्र पर पहुंची और जायजा लेती नजर आईं। वहीं, एएन कॉलेज परीक्षा केंद्र के पास भी एक महिला अभ्यर्थी मोबाइल से कुछ नोट करती देखी गई।

जम्मू कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान जारी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में छिपे आतंकवादियों को ढूंढने के लिए बुधवार को दूसरे दिन भी तलाश अभियान जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि तलाश अभियान के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि बसंतगढ़ के पाथी नाला खानेड़ इलाके में पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की ओर से व्यापक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। यहां मंगलवार की देर रात आतंकवादियों का एक समूह दिखाई दिया था। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि आतंकवादी अभी भी जंगल में छिपे हैं और उन्हें मार गिराने के उद्देश्य से सुबह घेराबंदी बढ़ाने के लिए और अधिक सुरक्षा बलों को भेजा गया। इस बीच, दो आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने राजौरी जिले के कालाकोट इलाके में दियार गाला जंगल में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। बताया जा रहा है कि इनमें से एक आतंकवादी घायल हो गया है। उन्होंने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि आतंकवादी गुंडा गांव में सुरक्षा बलों के साथ हाल ही में हुई मुठभेड़ में घायल हो गया था, लेकिन वह भाग निकला था। अधिकारियों ने बताया कि दियार गाला में देखे गए दो आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान जारी है।

लंदन और अमेरिका में हसीना को शरण मिलना कठिन, अब तलाश रहीं दूसरा वतन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ढाका छोड़ने के बाद बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की नजर ब्रिटेन पर ही थी। वह अपनी बहन रेहना के साथ अस्थायी शरण के लिए भारत के रास्ते लंदन जाने वाली थीं। मगर ब्रिटेन सरकार के नियमों को देखें तो यह आसान नहीं लगता। ब्रिटेन के आव्रजन यानी इमिग्रेशन नियमों के तहत, ब्रिटेन के बाहर से शरण के लिए आवेदन करना संभव नहीं है। ब्रिटेन में शरण के हर दावे पर मामला-दर-मामला आधार पर काफी सोच समझकर विचार किया जाता है। बताया जा रहा है कि शेख हसीना के पास डिप्लोमेटिक वीजा नहीं है। ऐसे में ब्रिटेन में उनकी एंट्री हो ही नहीं सकती। दूसरी बात ब्रिटेन में एक बार वहां जाने पर ही असायलम यानी शरण मिल सकता है।

ब्रिटेन में जब तक कोई दूसरे देश का नागरिक नहीं पहुंचता, तब तक उसे असायलम नहीं मिल सकता है। यह ब्रिटेन में नियम है। इस वजह से शेख हसीना न तो

ब्रिटेन का टिकट कटा सकती हैं और न वहां जा पाएंगी। दरअसल, ब्रिटेन का जरूरतमंद लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का रिकॉर्ड रहा है। हालांकि, साथ ही ब्रिटेन के आव्रजन नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि किसी को शरण या अस्थायी शरण लेने के लिए ब्रिटेन की यात्रा करने की अनुमति दी जाए। जिन लोगों को इंटरनेशनल संरक्षण की आवश्यकता होती है, उन्हें सबसे पहले सुरक्षित देश में शरण लेनी होती है। ब्रिटेन सरकार ने संकेत दिया है कि कि बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन के मद्देनजर किसी भी संभावित जांच के खिलाफ हसीना को ब्रिटेन में कानूनी संरक्षण नहीं मिल सकता है। इस तरह शेख हसीना के लिए ब्रिटेन के साथ-साथ अब अमेरिका के दरवाजे भी बंद हो गए हैं। अमेरिका ने शेख हसीना के वीजा को रिवोक कर दिया है। ऐसे में अब शेख हसीना को किसी अन्य देश की ओर रुख करने पर विचार करना पड़ रहा है। हसीना ने भारत को अपने संभावित भावी कदमों की जानकारी दे दी है। सूत्रों की मानें तो यह भी पता चला है कि हसीना के परिवार के सदस्य फिनलैंड में भी हैं और इसलिए वह उत्तरी यूरोपीय देश जाने के विकल्प पर भी विचार कर रही हैं। ऐसे में हसीना अगले कुछ दिनों तक भारत में ही रह सकती हैं। शेख हसीना अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बेलारूस, कतर, सऊदी अरब और फिनलैंड सहित कई अन्य विकल्पों पर विचार कर रही हैं।

राज्यसभा की 12 खाली सीटों के लिए 3 सितंबर को चुनाव... 14 अगस्त को जारी होगा नोटिफिकेशन

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 12 खाली सीटों के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार तीन सितंबर को चुनाव कराए जाएंगे। राज्यसभा की 12 सीटों पर तीन सितंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। नामांकन पत्रों की जांच 21 अगस्त को होगी, नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 26 और 27 अगस्त है। बता दें कि 9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं।

आयोग की अधिसूचना के अनुसार, राज्यसभा सदस्यों के चुनाव के लिए 14 अगस्त को नोटिफिकेशन जारी होगा। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 21 अगस्त रखी गई है, 22 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसके बाद अगर कोई उम्मीदवार अपना नामांकन वापस लेना चाहता है, तब वह 27 अगस्त तक ले सकता है। 3 सितंबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग होगी और फिर उसी दिन शाम 5 बजे चुनाव के नतीजे जारी किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि असम, महाराष्ट्र और बिहार की दो सीटों पर और हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना, ओडिशा में एक-एक सीट पर राज्यसभा सदस्यों का चुनाव होना है। मध्य प्रदेश, राजस्थान हरियाणा, असम और ओडिशा में भाजपा उम्मीदवार के जीतने की संभावना है। दरअसल, इन राज्यों में भाजपा की सरकार है और पार्टी के पक्ष में ज्यादा संख्या बल है।

कांग्रेस देश को अराजकता की स्थिति में धकेलना चाहती है, सलमान खुर्शीद की टिप्पणी पर भड़के अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश विरोध पर उनकी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस देश को अराजकता की स्थिति में धकेलना चाहती है और यह पार्टी और उसके नेताओं की मानसिकता को दर्शाता है। लगातार तीन बार हार का सामना करने के बाद, कांग्रेस देश को अराजकता की स्थिति में धकेलना चाहती है... वे देश को समय में पीछे ले जाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। कांग्रेस नेताओं के ऐसे बयान पार्टी और उसके नेताओं की मानसिकता को दर्शाते हैं।÷ मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या वे सलमान खुर्शीद के इस बयान से सहमत हैं?

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने

मंगलवार को कहा कि ''ऊपरी तौर पर भले ही सब कुछ सामान्य लगे'', लेकिन बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत में भी हो सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री खुर्शीद ने शिक्षाविद् मुजीबुर रहमान की पुस्तक 'शिकवा-ए-हिंद = भारतीय मुसलमानों का राजनीतिक भविष्य' के विमोचन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा, ''कश्मीर में सब कुछ सामान्य लग सकता है। यहां सब कुछ सामान्य लग सकता है। हम जीत का जश्न मना रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि वह जीत या 2024 की सफलता मामूली थी, शायद अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''तथ्य यह है कि अंदर ही अंदर कुछ चल रहा है।'' उन्होंने कहा,'' बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह यहां भी हो सकता है... बांग्लादेश में चीजों को लेकर जिस तरह से जनआक्रोश भड़का, हमारे देश की प्रकृति चीजों पर उस तरह से गुस्सा फूंटने से रोकती है।'' राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

हालाँकि, भाजपा ने सलमान खुर्शीद की कथित टिप्पणियों को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, %कांग्रेस पार्टी का कहना है कि जहां तक ??बांग्लादेश का सवाल है तो वह भारत सरकार के साथ खड़ी है क्योंकि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है और इस पर कोई राजनीति नहीं की जानी चाहिए, लेकिन उनके नेता सलमान खुर्शीद ने उकसाने और उकसाने की कोशिश की।

रावसाहेब दानवे ने दी मनोज जारांगे को चुनौती, कहा- विधानसभा में उतारें 288 मराठा उम्मीदवार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने आगामी महाराष्ट्र चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद बुधवार को कोटा कार्यकर्ता मनोज जारांगे की आलोचना की। दानवे ने जारांगे को चुनौती दी कि यदि वह उनके समुदाय को दिए गए आरक्षण से संतुष्ट नहीं हैं तो वे चुनाव में 288 मराठा उम्मीदवारों को मैदान में उतारें। इससे पहले मंगलवार को जारांगे ने मराठा समुदाय से आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा था और कहा था कि अगर वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण चाहते हैं तो उनके पास राजनीतिक शक्ति हासिल करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार पहले ही मराठा समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर चुकी है। दानवे ने कहा कि कानून के मुताबिक, हमने आरक्षण दिया है। लेकिन अगर जारांगे संतुष्ट नहीं हैं, तो उन्हें राज्य के सभी 288 विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े करने

चाहिए। यह विश्वास जताते हुए कि अक्टूबर में होने वाले चुनावों के बाद मराठा राज्य में सत्ता में आएंगे, जारांगे ने कहा कि मराठा, मुस्लिम और दलित एक महत्वपूर्ण बदलाव लाएंगे।

कार्यकर्ता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं, हालांकि राज्य सरकार ने उन्हें एक अलग श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत कोटा प्रदान करने के लिए फरवरी में एक कानून बनाया था। हालाँकि, कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल सहित ओबीसी नेताओं ने पिछड़े समुदायों के लिए मौजूदा कोटा में किसी भी तरह की कटौती का विरोध किया है। दानवे ने आगे कहा कि हमारी भी राय है कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए. लेकिन इसे दूसरों के कोटे की कीमत पर नहीं दिया जाना चाहिए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक और भारतीयों पर न हो अत्याचार : रामदेव

नई दिल्ली। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद फैली हिंसा में अब तक कई लोगों की जाने जा चुकी हैं। ऐसी भी खबरें सामने आ रही हैं कि वहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किया जा रहा है। इसी बीच अल्पसंख्यकों पर रहे अत्याचार को लेकर बाबा रामदेव ने चिंता जताई है। रामदेव ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर किसी भी तरह की क्रूरता या अत्याचार नहीं होना चाहिए, चाहे वह वहां व्यापार करने वाले हिंदू हों, या वहां रहने वाले भारतीय हों। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी हो रही है कि पहली बार पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है और यही भारत की नीति होनी चाहिए। वरना जिस तरह से कट्टरवाद दुनिया में फैल रहा है और भारत के पड़ोस में दस्तक दे चुका है, वह देश के लिए खतरनाक हो सकता है। यह एकता आने वाले समय में भी बनी रहनी चाहिए। जो लोग आरक्षण, जाति, धार्मिक कट्टरता के नाम पर देश को बांटना चाहते हैं यह ठीक नहीं है। इसलिए भारत की राजनीति अहम मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए।

दबंगों ने स्कूल का चौतरफा रास्ता किया बंद, 250 छात्र एक सप्ताह से कैद हैं, पुलिस कहती है जांच चल रही है छोड़ेंगे नहीं

बेगूसराय (एजेंसी)। दबंगों के आगे पुलिस प्रशासन और सरकार किस तरह से नतमस्तक रहती है इसकी बानगी बेगूसराय में देखी जा सकती है। यहां दबंगों ने एक निजी विद्यालय के चौतरफा बिलडोजर चलाकर रास्ता बंद कर दिया है। नतीजा ये हुआ कि करीब 250 बच्चे स्कूल से नहीं निकल पाए। बीते एक हफ्ते से बच्चे स्कूल में कैद हैं और वे निकल नहीं पा रहे है। इससे भी ज्यादा पुलिस का रवैया शर्मनाक है। बलिया के डीएसपी नेहा कुमारी से इस संबंध में पूछा गया को उन्होंने भी रटा रटाया जवाब देते हुए कहा कि उक्त मामले की जानकारी मिली है पुलिस के द्वारा छानबीन की जा रही है और जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी।

आलम यह है कि ना तो वह अपने घर जा पा रहे हैं और ना ही उनके परिजनों से उनकी मुलाकात हो रही है। तकरीबन एक सप्ताह से यह सारे बच्चे विद्यालय में ही दयनीय अवस्था में रहने को बेबस हैं। वहीं विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा पुलिस में शिकायत करने के बावजूद भी अब तक छात्रों की मुक्ति के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। पूरा मामला शाहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के समस्तीपुर गांव का है। जहां एक निजी विद्यालय में तकरीबन 700 बच्चे पढ़ाई करते हैं, जिनमें से 250 बच्चे स्कूल परिसर में ही रहकर अपनी पढ़ाई करते हैं। हाल के दिनों में गांव के ही कुछ दबंगों द्वारा स्कूल का रास्ता कई जगह से अवरुद्ध कर दिया गया। बुलडोजर के माध्यम से स्कूल के गेट को जाम किया गया है। साथ ही साथ विद्यालय परिसर तक पहुंचने वाले रास्ते में कई जगह गड्ढे कर दिए गए हैं, जिससे कि आवासीय विद्यालय में रहने वाले छात्र बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। इतना ही नहीं दबंग के द्वारा इस बात का भी ख्याल नहीं रखा गया कि बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी जल नल योजना की पाइप उस तरफ से गई है। गड्ढे करने के दौरान पाइप भी कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गया जिससे आम लोगों के बीच पानी सप्लाई भी बंद हो गई है। वहीं छात्रों की ओर से अब चिंता व्यक्त की जा रही है कि अगर यह स्थिति रही तो एक तरफ जहां उनकी पढ़ाई बाधित होगी तो वहीं दूसरी ओर आने वाले दिनों में उनके समक्ष खाने-पीने की भी समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

बिहार की राजनीति पर बोले पीके, राजनीतिक सफर के आखिरी पड़ाव पर नीतीश, अगला चुनाव एनडीए बनाम जन सुराज होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने बुधवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार की राजनीतिक यात्रा अपने अंतिम चरण में है और विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला जन सुराज और एनडीए के बीच होगा। किशोर 2 अक्टूबर को अपने जन सुराज अभियान को एक पार्टी में बदलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इन दो वर्षों में, मैंने आकलन किया है कि लोगों का एक बड़ा वर्ग, भाजपा, जदयू, राजद या किसी भी राजनीतिक प्रतिष्ठान से जुड़े लगभग 100/ लोग बिहार में बदलाव चाहते हैं। वे जन सुराज को एक अवसर के रूप में देखते हैं कि वे मिलकर गिरमिटिया मजदूरों की स्थिति से मुक्ति पाने के लिए एक पार्टी बना सकते हैं।

प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर आखिरी पड़ाव पर है। जब वह राजनीति से भाग गये थे तो उनके नेता मेरे पास मदद मांगने आये थे। अगर मैंने उनकी मदद नहीं की होती तो आज नीतीश कुमार और जेडीयू कहां होते, मुझे नहीं पता। विधानसभा चुनाव का मुकाबला जन सुराज और एनडीए के बीच होगा - जिसका टायर जेडीयू पहले ही पंचर हो चुका है। किशोर ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली राजद पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा,

इस सदी में राजद ने अपने दम पर कोई चुनाव नहीं जीता है।

चुनाव रणनीतिकार ने कहा, ÷मुसलमान राजद के लिए ईंधन हैं, लेकिन अब वे (मुसलमान) समझते हैं कि अगर किसी पार्टी ने उनका सबसे अधिक शोषण और विश्वासघात किया है, तो वह राजद है।÷बिहार में अगले साल की शुरुआत में चुनाव होंगे। किशोर पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि जन सुराज राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, जहां बड़े पैमाने पर एनडीए और राजद के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच द्विध्रुवीय मुकाबला देखा गया है। राज्य की राजनीति में राजद और जदयू का दबदबा रहा है, लेकिन पहली बार ऐसा लग रहा है कि जन सुराज तीसरी क्षेत्रीय ताकत बनकर उभर सकती है।

भारत-पाकिस्तान मिलकर बनाएं ननकाना साहिब के लिए कॉरिडोर

-आप सांसद राघव चड्ढा ने संसद में रखी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद में ननकाना साहिब कॉरिडोर का मुद्दा उठाया। उन्होंने देश की आजादी के बाद विभाजन की विभीषिका का भी जिक्र किया है। पाकिस्तान के पंजाब में चले गए गुरुद्वारा साहिब गिनाए और इनके दर्शन-दीदार के लिए, मत्था टेकने के लिए सरकार से कदम उठाने की मांग की।

चड्ढा ने कहा कि 1947 में जब देश का बंटवारा हुआ, सिर्फ देश के ही दो टुकड़े नहीं हुए बल्कि दो टुकड़े हमारे सूबे पंजाब के भी हुए थे। लाखों पंजाबियों का खून बहा जिसमें हमारा परिवार भी था। उन्होंने कहा कि हमारे कई अपने, कई रिश्तेदार हमसे बिछड़ गए। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे गुरुद्वारा साहिब हमसे बिछड़ गए। चड्ढा ने करतारपुर साहिब से पंजाब साहिब तक, पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारों के नाम गिनाए और कहा कि इनमें एक बड़ी मुकद्दस जगह है जहां गुरुगोविंद सिंह जी का प्रकाश हुआ, श्री ननकाना साहिब।

चड्ढा ने कहा कि यह लाहौर से करीब 90 किलोमीटर की दूरी पर है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से करतारपुर कॉरिडोर बनाकर संगत को दर्शन-दीदार का, मत्था टेकने का अवसर मिला, उसी प्रकार ननकाना साहिब के लिए भारत और पाकिस्तान दोनों देशों की सरकार मिलकर कॉरिडोर बनाएं जिससे श्रद्धालु वहां जाकर दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि ननकाना साहिब के खुले दर्शन करने जाने के लिए कोई वीजा, पासपोर्ट, फीस या किसी कॉम्प्लिकेटेड फॉर्म की जरूरत ना हो इसके लिए एक सरल प्रक्रिया होनी चाहिए।

चड्ढा ने कहा कि अमृतसर के अटारी वाघा बॉर्डर से श्रीननकाना साहिब की दूरी करीब 104 किलोमीटर है जिसे बस-गाड़ी से दो-ढाई घंटे में तय किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमृतसर से लाहौर होते हुए ननकाना साहिब तक जाने वाले रास्ते को सेफ पैसेज बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जो भी सहयोग होगा, आम आदमी पार्टी की सरकार करने के लिए तैयार है। इससे दुनिया में भाईचारे का एक बड़ा संदेश जाएगा और करोड़ो संगत की दुआएं दोनों देश की सरकारों को मिलेंगी।

अमृतसर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने अमृतसर के वाघा अटारी बॉर्डर के जरिए ट्रेड बंद होने का मुद्दा उठाया। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान सांसद औजला ने ट्रेड बंद होने की वजह से रोजगार में आई कमी का जिक्र करते हुए ये मांग की है कि वाघा बॉर्डर से बंद पड़े ट्रेड को चालू कराया जाए।